प्रातःकालीन संस्करण
वर्ष- 14 अंक- 329
पृष्ठ-08 मूल्य- 2 रुपया

बुधवार 06 नवम्बर 2024
लखनऊ
विक्रम सम्वत् 2081

तापमान
अधिकतम 31⁰
न्यूनतम 21⁰

हिन्दी दैनिक
कानपुर, लखनऊ एवं नई दिल्ली से प्रकाशित

खरी कसौटी

बुलंद आवाज सच्चाई के साथ
E-paper: www.kharikasauti.com
लखनऊ संस्करण
RNI NO. UPHIN/2010/35142

योगी सरकार ने आरओ-एआरओ... 03 | खोखली बातों से नहीं बचेगी... 04 | यूपी के सीएम योगी महाराष्ट्र... 08

रेलवे: ऑल इन वन सुपर एप से होंगे काम

खत्म होगी झंझट

❒ यह सुपर एप दिसंबर 2024 के अंत या जनवरी 2025 तक लॉन्च होने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। ट्रेन से यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए यह खबर महत्वपूर्ण है। रेलवे आने वाले दिनों में यात्रियों के लिए एक नई सुविधा की शुरुआत करने जा रहा है। इससे लोगों को टिकट बुकिंग से लेकर ट्रेन ट्रैकिंग समेत जैसी कई महत्वपूर्ण सुविधाएं मिलेगी। जानकारी के अनुसार, भारतीय रेलवे दिसंबर के अंत तक या जनवरी 2025 अपना ऑल इन वन सुपर एप लॉन्च करने की योजना बना रहा है, जो यात्री सेवाओं के लिए एक ही प्लेटफॉर्म प्रदान करेगा। यह एप टिकट बुक करने, प्लेटफॉर्म पास खरीदने और ट्रेन शेड्यूल की निगरानी करने में मददगार साबित होगा। इस एप को सेंटर फॉर रेलवे इंफॉर्मेशन सिस्टम द्वारा विकसित किया जा रहा है और इसे इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन के साथ जोड़ा जाएगा। भारतीय रेलवे का यह सुपर एप दिसंबर 2024 के अंत या जनवरी 2025 तक लॉन्च होने की उम्मीद है। सीआरआईएस द्वारा विकसित ये एप को आईआरसीटीसी के द्वारा इंटीग्रेटेड किया जाएगा, जिससे यात्रियों को सभी सेवाएं एक ही ऐप में मिल सकेंगी। सीआरआईएस द्वारा इस एप को आईआरसीटीसी के साथ इंटीग्रेट किया जाएगा, जिससे यात्रियों को सभी सेवाएं एक ही एप में मिल सकेंगी। अभी तक आईआरसीटीसी यात्रियों में सबसे ज्यादा डाउनलोड किया गया एप है।

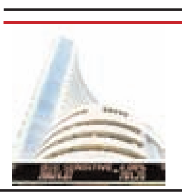

सेंसेक्स
79,476
निफ्टी
24,213

संक्षिप्त

गुजरात में बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का निर्माणाधीन पुल ढहा, एक की मौत

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात के आणंद जिले में एक बड़ा हादसा हुआ है। बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए बन रहा एक पुल गिर गया। मंगलवार को यह हादसा हुआ। आशंका है कि कई लोग मलबे में दबे हो सकते हैं। सूचना के बाद राहत और बचाव कार्य जारी है। आणंद पुलिस, दमकल विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। न्यूज एजेंसी भाषा के मुताबिक, एक अधिकारी ने बताया कि मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत वलसाड के नजदीक बन रहे पुल का हिस्सा गिरा है। इस हादसे में एक मजदूर की मौत हुई है। जानकारी के मुताबिक, यह हादसा वलसाड के पास हुआ। बताया जा रहा है कि निर्माणाधीन पुल के गार्डर अचानक गिर गए। इससे पुल का एक बड़ा हिस्सा ढह गया। हादसे की सूचना मिलते ही आणंद पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंची और राहत बचाव कार्य शुरू किया। हादसे में एक शख्स की मौत हो गई। वहीं अब तक दो मजदूरों को सुरक्षित निकाला जा चुका है। हालांकि कई लोगों के अब भी मलबे में फंसे होने की आशंका जताई गई है। यह पुल मुंबई और अहमदाबाद को जोड़ने वाले महत्वाकांक्षी बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का हिस्सा था। इस प्रोजेक्ट का मकसद भारत में रेल यात्रा में क्रांति लाना है।

तीसरी आंख

मदरसा स्टूडेंट सरकारी स्कूल नहीं भेजे जाएंगे

फैसला: यूपी मदरसा एक्ट की संवैधानिक वैधता बरकरार

बड़ा फैसला

❒ इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को दरकिनार करते हुए उच्चतम न्यायालय ने बरकरार रखी वैधता

नई दिल्ली। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को दरकिनार करते हुए उच्चतम न्यायालय ने 2004 के उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम की संवैधानिक वैधता बरकरार रखी जो राज्य के मदरसों के लिए एक बड़ी राहत है। उच्च न्यायालय ने इस आधार पर इस कानून को खारिज कर दिया था कि यह धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन करता है। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने यह मानकर गलती की कि यह कानून मूल ढांचे यानी धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन करता है।

प्रधान न्यायाधीश ने फैसला सुनाते हुए कहा हम उत्तर प्रदेश मदरसा कानून की वैधता बरकरार रखते हैं और दूसरी बात यह कि यदि राज्य के पास विधायी शक्ति नहीं है, केवल तभी किसी कानून को खारिज किया जा सकता है। उच्चतम न्यायालय का यह आदेश उत्तर प्रदेश के मदरसों के अध्यापकों एवं विद्यार्थियों के लिए एक बड़ी राहत के रूप में आया है क्योंकि उच्च न्यायालय ने इन मदरसों को बंद करने तथा उसके विद्यार्थियों को राज्य के अन्य विद्यालयों में दाखिला देने का आदेश दिया था। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि इस कानून की विधायी योजना मदरसों में दी जा रही शिक्षा के स्तर के मानकीकरण के लिए है। शीर्ष अदालत ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देते हुए दायर की गयी अर्जियों पर 22 अक्टूबर को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। पीठ ने अपना फैसला सुरक्षित रखने से पहले करीब दो दिनों तक आठ याचिकाकर्ताओं की ओर से अंजुम कादरी, अतिरिक्त सॉलीसीटर जनरल के एम नटराज समेत कई वकीलों की दलीलें सुनीं। नटराज उत्तर प्रदेश सरकार की ओर शीर्ष अदालत में पेश हुए थे।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 22 मार्च को इस कानून को 'असंवैधानिक' तथा धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन करने वाला घोषित किया था। उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश सरकार से मदरसों के विद्यार्थियों को औपचारिक विद्यालयों में भेजने का निर्देश दिया था। मदरसों के करीब 17 लाख विद्यार्थियों को राहत देते हुए उच्चतम न्यायालय ने पांच अप्रैल को उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी थी। 2004 में मुलायम सरकार ने मदरसा एक्ट 2004 लागू किया। इसके खिलाफ पहली बार 2012 में याचिका दायर हुई। ये याचिका दारुल उलूम वासिया मदरसा के मैनेजर सिराजुल हक ने इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में दाखिल की थी।

झारखंड के चुनावी दौरे पर पहुंचे सीएम योगी, कोडरमा, बड़कागांव व जमशेदपुर में की जनसभा, जनता से एक रहने के लिए किया आह्वान

एक रहिये और नेक रहिये... ये बंटने का समय नहीं: योगी

अपनी ताकत का अहसास कराइए पत्थरबाज सड़कों पर झाड़ू लगाएंगे

जनता को चेताया

❒ जिस प्रकार से झारखंड में रोहिंग्या की घुसपैठ प्रारंभ कराई गई है, डेमोग्राफी चेंज हुई तो जो लोग आज यात्रा रोक रहे हैं, आने वाले समय में घरों में घंटी व शंख नहीं बजाने देंगे

कोडरमा/हजारीबाग/जमशेदपुर। झारखंड के हज़ारीबाग़ में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोगों से अपील की कि एक रहिये और नेक रहिये। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अगर बटेंगे तो निर्ममता से कटेंगे। उन्होंने कहा कि बीजेपी लाओ और एक रहिये और नेक रहिये। उन्होंन आगे कहा कि देश का इतिहास इस बात का गवाह है, जब-जब हम जाति, क्षेत्र या भाषा के नाम पर बंटे हैं, तब-तब हमें बेरहमी से काटा भी गया है। हम ये दोहराते हैं, जाति के नाम पर मत बंटो। जो लोग हमें बांट रहे हैं, वे देश से गद्दारी कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार से चुनावी दौरे पर उतरे। पहले दिन सीएम ने झारखंड में प्रचार किया। उन्होंने कोडरमा से डॉ. नीरा यादव, बरकठा से अमित यादव, बड़कागांव से रोशनलाल चौधरी, हजारीबाग सदर से प्रदीप प्रसाद, जमशेदपुर पूर्व से पूर्णिमा दास साहू, पश्चिम से सरयू रॉय, पोटका से मीरा मुंडा व जुगसलाई से रामचंद्र सहिस के लिए वोट मांगा। सीएम ने कांग्रेस, राजद व झामुमो गठबंधन पर प्रहार किया। उन्होंने एक तरफ जहां झारखंड की वर्तमान परिस्थिति को लेकर चेताया तो वहीं आह्वान किया कि ताकत का अहसास कराइए, पत्थरबाज सड़कों पर झाड़ू लगाकर रास्ता साफ करेंगे और हर घर पर बजरंगी पताका फहराती दिखाई देगी। सीएम योगी ने झारखंडवासियों को छठ महापर्व की बधाई दी। उन्होंने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा को भी प्रणाम किया। सीएम ने झारखंडवासियों को अयोध्या, काशी व मथुरा आने का निमंत्रण दिया। सीएम ने कहा कि कांग्रेस, राजद, झामुमो राम मंदिर निर्माण के मार्ग में बाधक थे, जैसे ही जनता ने मोदी जी को देश की कमान सौंपी। यूपी में भाजपा सरकार बनी, 500 वर्ष की समस्या का समाधान हो गया। पत्थरबाज पहले कश्मीर में भी थे, अब वे राम नाम सत्य की यात्रा पर जा चुके हैं। 2017 के पहले यूपी में भी पत्थरबाज थे। इनके आका पालते थे तो यह पर्व-त्योहार में विघ्न डालते थे, लेकिन अब माफिया यूपी छोड़ चुके हैं या जहन्नुम की यात्रा पर जा चुके हैं। अन्यायी व अत्याचारी को जन्नत नहीं, जहन्नुम ही मिलेगा। सीएम ने यूपी की चर्चा करते हुए कहा कि गाजियाबाद से मेरठ होते हुए हरिद्वार तक चार करोड़ यात्री कांवड़ यात्रा लेकर निकलते हैं। 2017 से पहले सरकार कांवड़ यात्रा नहीं निकालने देती थी। हमारी सरकार ने कहा कि हम कांवड़ यात्रा निकालने देंगे तो लोगों ने कहा कि दंगा हो जाएगा। हमने कहा कि एक बार आरपार हो ही जाए, देखा जाएगा। आज कांवड़ यात्रा भी निकलती है और हेलीकॉप्टर से उन पर पुष्पवर्षा होती है। योगी ने झारखंडवासियों से भी अपील की कि ताकत का अहसास कराइए, इससे पत्थरबाज आपके लिए सड़कों पर झाड़ू लगाकर रास्ता साफ करेंगे और हर घर में बजरंगी पताका फहराई दिखाई देगी।

सीएम ने झारखंडवासियों का आह्वान किया कि जातियों में बंटिए मत। जाति, क्षेत्र, भाषा के नाम पर बांटने वाले वही लोग हैं, जो संकट आने पर साथ खड़े नहीं होंगे। कांग्रेस ने 1947 से देश को जख्म दिया। यही काम राजद ने बिहार व झामुमो ने झारखंड में किया। जिस प्रकार से झारखंड के अंदर रोहिंग्या की घुसपैठ प्रारंभ कराई गई है। डेमोग्राफी इसी प्रकार चेंज हुई तो यह लोग आज यात्रा रोक रहे हैं, आने वाले समय में घरों में घंटी व शंख नहीं बजाने देंगे। भाजपा को लाइए, एक रहिए और नेक रहिए।

सीएम ने कहा कि भाजपा लाइए, रामनवमी की सुरक्षित यात्रा निकालिए। देश का इतिहास गवाह है, जब भी जाति, क्षेत्र व भाषा के नाम पर बटे हैं तो निर्ममता से कटे हैं। सीएम योगी कांग्रेस, झामुमो व राजद पर तल्ख रहे। बोले कि कहीं बांग्लादेशी तो कहीं रोहिंग्या घुसपैठ हो रही है। दुस्साहस की पराकाष्ठा तब होती है, जब पर्व-त्योहार में उनके द्वारा मां दुर्गा, रामनवमी जुलूस पर पथराव होता है। 2017 के पहले यूपी में भी होता था, लेकिन अब वहां शोभायात्रा पर पथराव नहीं होता, क्योंकि ऐसे करने वाले अंजाम भुगतते हैं। यूपी में कर्फ्यू है न दंगा, वहां सब चंगा।

माननीय न्यायालय ने भी जताई चिंता, कैसे घट गई आबादी: योगी

सीएम योगी ने कहा कि झारखंड माननीय न्यायालय ने चिंता व्यक्त की कि संताल क्षेत्र में जांच करो कि वहां जनजातीय की आबादी 42 से घटकर 28 फीसदी क्यों हुई। यह आबादी कैसे दूसरे समुदाय की हो गई है। सीएम ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी जी ने जिस मंशा के साथ झारखंड का निर्माण किया था, उन भावनाओं को सम्मान देने, विकसित व सुरक्षित झारखंड की स्थापना के लिए यह चुनाव है। जमशेदपुर आजादी से पहले इस्पात नगरी के रूप में विख्यात है। 1907 में टाटा स्टील का प्लांट स्थापित हो गया था। सीएम ने कहा कि देश में एक तरफ मोदी के नेतृत्व में एनडीए व दूसरी तरफ कांग्रेस के नेतृत्व में झामुमो व राजद जैसा इंडी गठबंधन है। दोनों की गारंटी में अंतर है। हर गरीब को मकान, नौजवान के हाथ को काम, किसान के सम्मान, बेटी-बहन की सुरक्षा मोदी की गारंटी है। भाजपा ने झारखंड के लिए पांच गारंटी दी है। लक्ष्मी जोहार योजना के तहत पांच सौ रुपये में एलपीजी का सिलेंडर व साल में दो भरा सिलेंडर भी मुफ्त में उपलब्ध होगा। गोगो दीदी योजना के तहत झारखंड की हर महिला के खाते में हर महीने की 11 तारीख को 2100 रुपये तक की वित्तीय सहायता पहुंचाई जाएगी। 21 लाख परिवारों को पक्का घर तो घर निर्माण के लिए मुफ्त बालू भी मिलेगा।

बच्चों को मंच पर बुलाया

बच्चों को दिया ऑटोग्राफ, रैलियों में खड़े रहे बुलडोजर

बड़कागांव रैली के मंच के सामने कुछ बच्चे सीएम योगी की पेंटिंग लिए खड़े थे। इन्हें देख मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंच पर बुला लिया। बच्चों की हौसलाअफजाई की, फिर सुंदर पेंटिंग की तारीफ करते हुए ऑटोग्राफ दिया। बच्चों ने सीएम का पैर छुआ तो योगी जी ने उन्हें आशीर्वाद भी दिया। वहीं यूपी की सुदृढ़ कानून व्यवस्था का परिचायक बन चुके बुलडोजर भी रैलियों में खड़े रहे। जनसभाओं के दौरान केंद्रीय मंत्री व कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी, हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल, गिरिडीह के सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, जमशेदपुर सांसद विद्युत वरण महतो, झारखंड प्रभारी व राज्यसभा सांसद डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी, राज्यसभा सांसद आदित्य साहू, प्रदेश महामंत्री मनोज कुमार सिंह, छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी, बिहार के मंत्री श्रवण आदि मौजूद रहे।

कनाडाई पीएम दे रहे चरमपंथियों को संरक्षण: जयशंकर

भड़के एस जयशंकर

❒ कनाडा में हिंदू मंदिर और हिंदू समुदाय के लोगों पर खालिस्तानियों के हमले की भारत समेत पूरी दुनिया में आलोचना

कैनबरा, एजेंसी। कनाडा में हिंदू मंदिर और हिंदू समुदाय के लोगों पर खालिस्तानियों के हमले की पूरी दुनिया में आलोचना हो रही है। अब विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी इस हमले को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है और घटना को बेहद चिंताजनक बताया। कनाडा में हिंदू समुदाय के लोगों पर हमले की यह घटना ऐसे समय हुई है, जब भारत और कनाडा के संबंध पहले ही तनावपूर्ण हैं और इस घटना ने संबंधों में और खटास ला दी है। हालांकि घटना को लेकर कनाडा सरकार दबाव में है और खुद पीएम जस्टिन ट्रूडो ने भी इसकी आलोचना की है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कनाडा के ब्रैम्पटन में हिंदू मंदिर पर हुए हमले की घटना पर मंगलवार को कड़ी आपत्ति जताई और कहा कि यह एक तरह से कनाडा में चरमपंथी ताकतों को दी जा रही 'राजनीतिक पनाह' की ओर इशारा करता है। कैनबरा में ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वॉन्ग के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मीडिया ने भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से कनाडा की घटना को लेकर सवाल किए। इसके जवाब में जयशंकर ने कहा कि 'आपने इस मामले में हमारे आधिकारिक प्रवक्ता का बयान देखा होगा और फिर हमारे प्रधानमंत्री द्वारा चिंता व्यक्त की गई। मैं तीन टिप्पणियां करना चाहता हूं, एक, कनाडा ने बिना कोई विशेष जानकारी दिए आरोप लगाने का एक पैटर्न विकसित कर लिया है।

दूसरा, जब हम कनाडा को देखते हैं, तो हमारे लिए यह तथ्य कि...हमारे राजनयिकों पर नजर रखी जा रही है, ये कुछ ऐसा है जो बिल्कुल अस्वीकार्य है। तीसरा, मुझे लगता है कि यह घटना बताती है कि वहां (कनाडा) चरमपंथी ताकतों को राजनीतिक पनाह दी जा रही है।' विदेश मंत्री 3 से 7 नवंबर तक ऑस्ट्रेलिया की आधिकारिक यात्रा पर हैं। इससे पहले कल सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा किए गए एक पोस्ट में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कनाडा की घटना पर कहा कि, 'मैं कनाडा में एक हिंदू मंदिर पर जानबूझकर किए गए हमले की कड़ी निंदा करता हूं। हमारे राजनयिकों को डराने-धमकाने के कायराना प्रयास भी उतने ही भयावह हैं। हिंसा के ऐसे कृत्य कभी भी भारत के संकल्प को कमजोर नहीं करेंगे। हम कनाडा सरकार से न्याय सुनिश्चित करने और कानून के शासन को बनाए रखने की अपेक्षा करते हैं।' उल्लेखनीय है कि सोमवार को कनाडा स्थित भारतीय उच्चायोग ने ब्रैम्पटन के हिंदू सभा मंदिर में कॉन्सुलेट कैंप का आयोजन किया था। इस कैंप के दौरान खालिस्तान समर्थकों ने हाथ में खालिस्तानी झंडा लेकर विरोध प्रदर्शन किया और कैंप में मौजूद भारतीयों पर हमला किया और उन्हें मारा।

यूपी में डीजीपी नियुक्ति को लेकर नई परम्परा पर भड़के अखिलेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के डीजीपी की नियुक्ति के लिए नई नियमावली को मंजूरी दे दी गई है। नए नियमों के मुताबिक, डीजीपी की नियुक्ति कम से कम दो साल के लिए की जाएगी और डीजीपी की नियुक्ति के लिए हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त जज की अध्यक्षता में एक नामांकन समिति का गठन किया जाएगा।

नई नियमावली के मुताबिक, डीजीपी की नियुक्ति तभी होगी जब अधिकारी की सेवा में कम से कम 6 महीने बचे हों। हालांकि, योगी सरकार के इस फैसले को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव हमलावर हो गए है। अखिलेश यादव ने कहा कि कार्यवाहक-डीजीपी की यह जो नई परंपरा इस राज्य में शुरू हुई है - सभी अधिकारी दुखी हैं क्योंकि उन्हें मौका नहीं मिला। यह अपने पसंदीदा व्यक्ति को पद पर बिठाने के लिए किया गया है। इससे पहले अखिलेश ने एक्स पर लिखा कि सुना है किसी बड़े अधिकारी को स्थायी पद देने और और उसका कार्यकाल 2 साल बढ़ाने की व्यवस्था बनायी जा रही है३ सवाल ये है कि व्यवस्था बनानेवाले ख़ुद 2 साल रहेंगे या नहीं। कहीं ये दिल्ली के हाथ से लगाम अपने हाथ में लेने की कोशिश तो नहीं है। दिल्ली बनाम लखनऊ 2.0। राज्य मंत्रिमंडल ने सोमवार को अपनी एक बैठक में 'पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश (उत्तर प्रदेश के पुलिस बल प्रमुख) चयन एवं नियुक्ति नियमावली 2024' को मंजूरी दी। उन्होंने बताया इस नियमावली का मकसद पुलिस महानिदेशक की नियुक्ति के लिए एक स्वतंत्र और पारदर्शी तंत्र स्थापित करना है।

झूठों के सरदार हैं पीएम मोदी, नहीं पूरे किए अपने किए गये वादे: खड़गे

मांडू, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने झारखंड के मांडू में एक चुनावी रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी पर तीखा हमला बोला। खड़गे ने सत्तारूढ़ पार्टी पर आम नागरिकों के कल्याण के बजाय अमीरों के हितों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया और मोदी को 'झूठों के सरदार' करार दिया। खड़गे ने पीएम मोदी द्वारा किए गए अधूरे वादों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पीएम मोदी ने सालाना दो करोड़ नौकरियां, हर बैंक खाते में 15 लाख रुपये, काला धन वापस लाने और किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था। इनमें से कोई भी वादा पूरा नहीं किया गया। इसके साथ ही योगी आदित्यनाथ के बटेंगे तो कटेंगे वाले नारे पर भी खड़गे ने लाल पीले होते हुए पलटवार किया। उन्होंने कहा कि भाजपा के मंत्री कहते हैं- बंटेंगे तो कटेंगे। लेकिन बांटने वाले भी ये लोग हैं और काटने वाले भी यही लोग हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता ऐसा नारा देते हैं, क्योंकि यही बीजेपी-आरएसएस का एजेंडा है। आपको इनका एजेंडा तोड़ना है। जब तक आप ऐसा नहीं करेंगे, ये आपका शोषण करते रहेंगे। उन्होंन दावा किया कि हमने जनता को जो भी गारंटी दी हैं, वे सभी हम पूरी करेंगे। खड़गे ने सवाल किया कि भाजपा घुसपैठ की बात करती है, तो केंद्र और असम में उसकी सरकारें अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं कर सकतीं? उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 'झूठों के सरदार' हैं। उन्होंने युवाओं को दो करोड़ नौकरियां देने का वादा किया था, लेकिन रोजगार कहां है?

एतिहासिक फैसला 9 जजों की संविधान पीठ का फैसला, सीजेआई ने 1978 के बाद के फैसलों को पलटा

भौतिक संसाधन नहीं है हर निजी सम्पत्ति, सरकार नहीं कर सकती अधिग्रहण

सुप्रीम फैसला

❒ किसी व्यक्ति के स्वामित्व वाले प्रत्येक निजी संपत्ति संसाधन को भौतिक संसाधन नहीं कहा जा सकता: कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने निजी संपत्ति विवाद में बड़ा फैसला सुनाया है। इस मामले में भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली नौ न्यायाधीशों वाली पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा कि किसी व्यक्ति के स्वामित्व वाले प्रत्येक निजी संपत्ति संसाधन को संविधान के अनुच्छेद 39 (बी) के तहत भौतिक संसाधन नहीं कहा जा सकता है। नौ जजों की पीठ में जस्टिस हृषिकेश रॉय, बीवी नागरत्ना, जेबी पारदीवाला, सुधांशु धूलिया, मनोज मिश्रा, राजेश बिंदल, सतीश चंद्र शर्मा और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह भी शामिल थे। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि तीन जजमेंट हैं, मेरा और 6 जजों का। जस्टिस नागरत्ना का आंशिक सहमति वाला और जस्टिस धुलिया का असहमति वाला। पीठ द्वारा 1 मई को अपना फैसला सुरक्षित रखने के बाद आज सुनवाई हुई। पिछली सुनवाई में शीर्ष अदालत ने टिप्पणी करते हुए कहा था कि किसी व्यक्ति के प्रत्येक निजी संसाधन को समुदाय के भौतिक संसाधन के हिस्से के रूप में रखना दूर की कौड़ी होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह उन निवेशकों को भी डरा देगा जो उन्हें मिलने वाली सुरक्षा के स्तर से सावधान होंगे। यह टिप्पणी तब आई जब वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि विभिन्न संविधान पीठों के 16 फैसलों में निजी संपत्ति और निजी संसाधनों को शामिल करने के लिए भौतिक संसाधनों की लगातार व्याख्या की गई है। शीर्ष अदालत ने इससे संबंधित एक संदर्भ पर सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने अपने ऐतिहासिक फैसले में साफ कर दिया है कि सरकार सभी निजी संपत्तियों की अधिग्रहण नहीं कर सकती।

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने 1978 के बाद के उन फैसलों को पलट दिया। यह संदर्भ 1978 में कर्नाटक राज्य और अन्य आदि बनाम श्री रंगनाथ रेड्डी और अन्य मामले में दिए गए फैसले में न्यायाधीशों द्वारा दिए गए दो विचारों के संदर्भ में सामने आया। मामला सड़क परिवहन सेवाओं के राष्ट्रीयकरण से संबंधित था। न्यायमूर्ति वी आर कृष्णा अय्यर की एक राय यह थी कि समुदाय के भौतिक संसाधनों में प्राकृतिक और मानव निर्मित, सार्वजनिक और निजी स्वामित्व वाले दोनों संसाधन शामिल होंगे। हालाँकि, न्यायमूर्ति एन एल उंटवालिया द्वारा लिखे गए दूसरे फैसले में कहा गया है कि अधिकांश न्यायाधीश न्यायमूर्ति अय्यर द्वारा अनुच्छेद 39 (बी) के संबंध में अपनाए गए दृष्टिकोण से सहमत नहीं हैं।

1982 के संजीव कोक मैन्युफैक्चरिंग कंपनी बनाम भारत कोकिंग कोल लिमिटेड और अन्य मामले में न्यायमूर्ति अय्यर के रुख की और पुष्टि की गई। बता दें कि 39 (बी) की अलग अलग व्याख्या की गई है। अलग अलग बेंच व्याख्या में उलझती रही है।

संक्षिप्त खबरें

अपने चुनावी दौरे के दूसरे दिन महाराष्ट्र जाएंगे सीएम योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने चुनावी दौरे के दूसरे दिन महाराष्ट्र में रहेंगे। झारखंड दौरे के बाद बुधवार को वे महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव प्रचार में पहुंचेंगे। वे यहां भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में जनसभा को सम्बोधित करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहली जनसभा वाशिम विधानसभा में होगी। वे यहां से प्रत्याशी श्याम रामचरण खोड़े के पक्ष में जनसभा करेंगे। मुख्यमंत्री की दूसरी जनसभा अमरावती जनपद के तिवसा विधानसभा क्षेत्र प्रत्याशी राजेश श्रीराम वानखेड़े के लिए होगी। सीएम योगी बुधवार को तीसरी जनसभा अकोला जिले में करेंगे। यहां के मूर्तिजापुर विधानसभा से उम्मीदवार हरीश मारोटिअप्पा पिम्पले के लिए वोट की अपील करेंगे।

ट्रेन से गिरकर युवक की मौत: चलती हुई ट्रेन में चढ़ने की कोशिश कर रहा था

उन्नाव। लखनऊ कानपुर रेल रूट पर उन्नाव रेलवे स्टेशन के पास चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश के दौरान पैर फिसलने से वह ट्रेन के नीचे आ जाने से मौत हो गयी। घटना की जानकारी पर पहुंची जीआरपी ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ ही आवश्यक कार्रवाई की। कल्याणी मोहल्ला निवासी सुनील कुमार (34) लखनऊ से कानपुर जाने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन में चढ़ने की कोशिश कर रहा था। तभी उसका पैर फिसल गया और वह ट्रैक पर गिर गया। ट्रेन की चपेट में आने से युवक के दोनों पैर और एक हाथ कट गए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर जीआरपी ने जांच पड़ताल की। सुनील कुमार कानपुर जाने के लिए उन्नाव जंक्शन पहुंचा था। जैसे ही वह प्लेटफार्म नंबर दो पर खड़ी इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन की तरफ बढ़ा ट्रेन चलने लगी। ट्रेन को चलते हुए देख सुनील कुमार ने बिना सोचे-समझे ट्रेन में चढ़ने की कोशिश की। इस दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया और वह फिसलते हुए ट्रैक पर गिर गए। पहले वह ट्रेन में वेंडर का काम करता था। इस दर्दनाक घटना के बाद से सुनील के परिवार में मातम छा गया। उनके परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सुनील कुमार की मां, पत्नी और बच्चों को जब इस हादसे के बारे में बताया गया, तो वह सन्न रह गए। सुनील के घर में एकलौता कमाने वाला सदस्य था और उसकी अचानक मौत ने पूरे परिवार के लोग सदमे में चले गए।

दुबई जाने से पहले पेड़ से लटकता मिला शव: 7 नवंबर को थी रिटर्न टिकट

उन्नाव। औरास थाना क्षेत्र के मवाई गांव में एक युवक का शव पेड़ से लटकता मिला है। युवक की पहचान आलोक कुमार (24) पुत्र स्व. संजीवन लाल के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पेड़ से उतारकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार, आलोक का शव मंगलवार सुबह घर से करीब पांच सौ मीटर दूर आम के पेड़ पर फांसी के फंदे से लटका हुआ पाया गया। घटनास्थल पर जुटे मोहल्ले वालों ने शव की पहचान के बाद परिजनों को सूचना दी। आलोक की मां चंपा जब मौके पर पहुंचीं, तो बेटे का शव देख बेसुध हो गईं। पुलिस ने मामले की जांच-पड़ताल की और परिवार वालों से पूछताछ की। आलोक की मां ने आरोप लगाया कि उसके बेटे की हत्या की गई है, जिसके बाद परिजनों ने हंगामा किया। जानकारी के मुताबिक, आलोक तीन महीने पहले दुबई से लौटे थे और 7 नवंबर को फिर से दुबई जाने वाले थे, लेकिन उनके पहले ही उनकी हत्या कर दी गई और शव को लटका दिया गया। आलोक तीन भाइयों में सबसे छोटे थे और एक बहन भी है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और हत्या के पीछे के कारणों की तलाश कर रही है।

अब मुख्यमंत्री तक पहुंचेगा घटिया प्रीपेड मीटर मामला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की सभी बिजली कंपनियों में लगभग 3 करोड़ 45 लाख विद्युत उपभोक्ताओं के घरों में अनिवार्य रूप से स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगा है उसी क्रम में सभी बिजली कंपनियों मे अब तक लगभग 2 लाख 75000 स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जा चुके हैं। नियमानुसार केंद्र सरकार की गाइडलाइन के तहत 5 प्रतिशत चेक मीटर जो पुराने मीटर उपभोक्ता के परिसर पर लगे हैं उन्हें स्थापित करना था। लेकिन बडे दुर्भाग्य की बात है कि बिजली कंपनियों की उदासीनता के चलते देश के निजीघरानो ने केवल 350 से 375 ही चेक मीटर अभी तक लगाए जो अपने आप में बहुत गंभीर मामला है।धरातल पर चेक किया जाए तो जो चेक मीटर की संख्या है इसमें भी काफी कमी आएगी। क्योंकि यह भी संख्या सही नहीं है। उपभोक्ता परिषद में एक बडा खुलासा करते हुए कहा पूरे उत्तर प्रदेश में लगभग 275000 स्मार्ट प्रीपेड मीटर लग गए। लेकिन इसमें एक भी मीटर प्रीपेड मोड में नहीं लगाया गया। जबकि भारत सरकार की गाइडलाइन रहती है कि सभी मीटर प्रीपेड मोड में लगाए जाएंगे। जिसको लेकर उपभोक्ता परिषद ने आज पावर कारपोरेशन के निदेशकों से मुलाकात की और कहां या गंभीर मामला है, कैसे छूट दी जा रही है।

सरकार की पहल: अब और शुद्ध हवा में सांस लेगा यूपी

खरी कसौटी ब्यूरो

लखनऊ। जहां एक तरफ देश के कई राज्यों की सरकार वायु प्रदूषण को सिर्फ राजनीतिक मुद्दा बनाकर अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने का काम कर रही हैं वहीं इसके इतर सीएम योगी प्रदेश में वायु गुणवत्ता सुधारने के उद्देश्य से एक नई परियोजना 'उत्तर प्रदेश क्लीन एयर मैनेजमेंट परियोजना' की शुरुआत की है।

यह परियोजना वर्ष 2024-25 से 2029-30 तक चलेगी। योगी सरकार की यह पहल राज्य को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए देश में एक महत्वपूर्ण कदम है। योगी सरकार इसके लिए बाकायदा 'उत्तर प्रदेश क्लीन एयर मैनेजमेंट प्राधिकरण' का गठन करने जा रही है जो विभिन्न विभागों के समन्वय से वायु गुणवत्ता सुधार के कार्यों को सुनिश्चित करेगा। इस परियोजना में विश्व बैंक से वित्तीय सहायता भी प्राप्त होगी, जो इसे सफलतापूर्वक लागू करने में सहायक सिद्ध होगी। उत्तर प्रदेश, देश में एयरशेड आधारित वायु गुणवत्ता प्रबंधन को अपनाने वाला पहला राज्य है। यह प्रणाली विभिन्न क्षेत्रों में प्रदूषण के स्रोतों का विश्लेषण कर वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए विशेष रणनीतियां तैयार करती है।

योगी सरकार का यह कदम न केवल प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में सराहनीय है, बल्कि इसे शहरी क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता बनाए रखने की दिशा में एक दीर्घकालिक योजना के रूप में भी देखा जा रहा है। पिछले साढ़े सात वर्षों में राज्य के विभिन्न शहरों ने राष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में उच्च स्थान प्राप्त कर उत्तर प्रदेश यह सिद्ध कर दिया है कि राज्य प्रदूषण नियंत्रण के लिए लगातार ठोस प्रयास कर रहा है। 'क्लीन एयर मैनेजमेंट परियोजना' का उद्देश्य वायु प्रदूषण को कम करने के लिए एयरशेड आधारित रणनीति अपनाना है। इस परियोजना की शुरुआत करते हुए दो दिन पहले योगी कैबिनेट ने अपनी मुहर लगाई है। इसके तहत प्रदेश के औद्योगिक, परिवहन, कृषि एवं पशुपालन, धूल और अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्रों में विभिन्न रणनीतियों और कार्यवाहियों को लागू किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करना है। इस परियोजना के अंतर्गत वायु गुणवत्ता पर नियंत्रण रखने के लिए विभिन्न कार्य किए जाएंगे, जिनमें धूल कम करना, औद्योगिक प्रदूषण घटाना, अपशिष्ट प्रबंधन के माध्यम से प्रदूषण को नियंत्रित करना, परिवहन क्षेत्र में कम प्रदूषणकारी ईंधन का उपयोग बढ़ावा देना और कृषि एवं पशुपालन क्षेत्र में प्रदूषण के प्रभाव को कम करना शामिल है।

परियोजना का एक महत्वपूर्ण पहलू वायु गुणवत्ता सुधार के लिए सामरिक ज्ञान और निर्णय-सहायता प्रणाली का विकास है। इसके तहत वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकी साधनों और डेटा-संचालित निर्णय प्रणाली का विकास किया जाएगा। यह प्रणाली न केवल वायु प्रदूषण के आंकड़ों का संग्रह करेगी बल्कि इनके आधार पर प्रदूषण नियंत्रण के लिए तत्काल निर्णय लेने में भी सहायक होगी। उत्तर प्रदेश सरकार को इस परियोजना के लिए विश्व बैंक से वित्तीय सहायता मिलेगी। कुल ?2741.53 करोड़ की धनराशि ऋण और अनुदान के रूप में प्राप्त होगी, जबकि ?1119.00 करोड़ की राशि कार्बन फाइनेंसिंग के माध्यम से प्राप्त होगी। इस आर्थिक सहायता से परियोजना के सभी पहलुओं का सुचारु क्रियान्वयन संभव हो सकेगा। यह सहयोग न केवल परियोजना के संचालन को आसान बनाएगा बल्कि वायु गुणवत्ता नियंत्रण की दिशा में प्रदेश को आत्मनिर्भर भी बनाएगा।

इस परियोजना के क्रियान्वयन के लिए योगी सरकार ने 'उत्तर प्रदेश क्लीन एयर मैनेजमेंट प्राधिकरण' का गठन करने का निर्णय लिया है। इस प्राधिकरण में एक शासी निकाय और एक कार्यकारी निकाय होगा, जो परियोजना की योजना, क्रियान्वयन और निगरानी का कार्य करेगा। प्राधिकरण विभिन्न विभागों के साथ मिलकर एयरशेड आधारित रणनीति का पालन करते हुए वायु गुणवत्ता सुधार के कार्यों को सुनिश्चित करेगा। परियोजना के अंतर्गत वायु गुणवत्ता को सुधारने के लिए विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों में रणनीतिक कार्यवाहियां की जाएंगी। औद्योगिक क्षेत्र में प्रदूषण घटाने के लिए प्रदूषणकारी उद्योगों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी, वहीं परिवहन क्षेत्र में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे। कृषि क्षेत्र में पराली जलाने की समस्या को नियंत्रित करने के लिए किसानों को जागरूक किया जाएगा।

एलडीए के फेस्टिव सीजन आफर की धूम महज 15 दिन में 86 फ्लैटों की हुयी बुकिंग

खरी कसौटी ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण का फेस्टिव सीजन अफर शहर में अपने आशियाने का सपना देख रहे लोगों को खूब भा रहा है। इस अफर के तहत एलडीए की विभिन्न योजनाओं में बिक्री के लिए उपलब्ध फ्लैटों पर 01 लाख रूपये से 2.50 लाख रूपये की छूट दी जा रही है। साथ में पहले से दी जा रही सभी प्रकार की छूट का लाभ भी अलग से दिया जा रहा है। नतीजा यह है कि अफर खुलने के महज 15 दिनों में ही 86 लोगों ने अपनी पसंद के फ्लैटों की बुकिंग करायी है। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं में रिक्त फ्लैटों को 'पहले आओ-पहले पाओ योजना के तहत बेचा जा रहा है। जिसमें खरीददारों को कई प्रकार की सहूलियत व छूट दी जा रही है।

इस क्रम में 45 दिन में फ्लैट के मूल्य का 90 प्रतिशत जमा करने पर 06 प्रतिशत की छूट, 60 दिन में फ्लैट के मूल्य का 90 प्रतिशत जमा करने पर 05 प्रतिशत की छूट, 75 दिन में फ्लैट के मूल्य का 90 प्रतिशत जमा करने पर 04 प्रतिशत की छूट, 90 दिन में फ्लैट के मूल्य का 90 प्रतिशत जमा करने पर 03 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। इसके अलावा दिसम्बर, 2024 में लखनऊ विकास प्राधिकरण की स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने व फेस्टिव सीजन के उपलक्ष्य पर 'पहले आओ पहले-पाओ योजना में उपलब्ध फ्लैटों पर अतिरिक्त छूट का आफर निकाला गया है। इसके अनुसार 22 लाख से 50 लाख रूपये कीमत के फ्लैटों का पंजीकरण/आवंटन कराने पर 01 लाख की छूट, 50 लाख से 75 लाख रूपये कीमत के फ्लैटों पर 1.50 लाख रूपये की छूट और 75 लाख रूपये से अधिक कीमत के फ्लैटों पर 2.50 लाख रूपये की छूट दी जा रही है।

यह बम्पर अफर दिनांक- 21.10.2024 से 31.12.2024 तक मान्य रहेगा। इस अवधि में फ्लैट खरीदने वाले लोगों को बम्पर अफर का लाभ तो मिल ही रहा है। साथ में पहले से दी जा रही सभी प्रकार की छूट भी अलग से मिल रही हैं। इससे जन सामान्य का एलडीए के फ्लैटों की तरफ तेजी से रूझान बढ़ा है और अफर शुरूहोने के 15 दिन के अंदर ही 86 फ्लैटों की बुकिंग हुयी है। एलडीए की विभिन्न योजनाओं में 500 से 1900 वर्गफिट क्षेत्रफल के 01 बी0एच0के0, फ्लैट उपलब्ध हैं। जिनकी कीमत लगभग 22 लाख रूपये से 1.08 करोड़ रूपये तक है। इसमें सरकारी कर्मचारियों को फ्लैट की कीमत का 25 प्रतिशत व सामान्य नागरिकों को 35 प्रतिशत भुगतान करने पर हायर पर्चेज एग्रीमेंट के तहत फ्लैट का कब्जा भी दिया जा रहा है। इसके अलावा नये नियम व शर्तों के तहत कोई भी व्यक्तिध्परिवार किसी भी बहुमंजिला आवासीय योजना में एक से अधिक फ्लैट खरीद सकेंगे।

अभियोजन का सारथी बना वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और ई-रिपोर्टिंग सिस्टम ऐप

खरी कसौटी ब्यूरो

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश में 'जीरो टॉलरेंस नीति' के तहत अपराध और अपराधियों की लगातार कमर तोड़ रही है। इसी के तहत यूपी पुलिस का अभियोजन निदेशालय न्यायालय में प्रभावी पैरवी के जरिये अपराधियों को सजा दिला रहा है। अब तक 80 हजार से अधिक अपराधियों को प्रभावी पैरवी के जरिये सजा दिलाई जा चुकी है। इसमें आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल की अहम भूमिका है। अभियोजन विभाग ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, ई-रिपोर्टिंग सिस्टम, चिन्हित माफिया प्रबंधन प्रणाली मॉनीटरिंग, ई-ऑफिस प्रणाली और ई-प्रॉसीक्यूशन पोर्टल आदि का इस्तेमाल कर अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजने में बड़ी सफलता प्राप्त की है। अभियोजन विभाग भारतीय नागरिक संहिता-2023 के तहत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये पुलिस के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अन्य सरकारी कर्मचारियों के बयान उनके निवास-नियुक्ति स्थान पर ही दर्ज करा रहा है। इससे जहां एक ओर प्रशासनिक एवं पुलिस व्यवस्था सुव्यवस्थित हुई है, वहीं दूसरी ओर राजकीय धन और समय की बचत हो रही है। विभाग द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये 17 अक्टूबर तक 4,450 पुलिस और अन्य सरकारी गवाहों की गवाही करायी जा चुकी है। इसके जरिये मात्र 4 माह में 5 जिलों के प्रयास से 15 लाख रुपये की बचत की गयी है।

वहीं, वार्षिक बचत 7 करोड़ होने की बात सामने आयी है। इतना ही नहीं, इससे अपराधियों को सजा दिलाने की प्रक्रिया और तेज़ हुई है और गवाहों की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो रही है। अभियोजन विभाग ने डाटा एनालिटिक्स का इस्तेमाल कर ई-रिपोर्टिंग सिस्टम के जरिये अपराधियों के खिलाफ मजबूत साक्ष्य एकत्र किये। हर केस का डाटा प्रोफाइल बनाकर उसे कंप्यूटर सिस्टम में रिकॉर्ड किया जा रहा है। इससे केस में किसी भी तरह की गड़बड़ी या अस्पष्टता को दूर किया जा रहा है। इतना ही नहीं ऐप के जरिये अभियोजन संबंधी कार्यों की समीक्षा भी आसान हुई है। इसे सीएम डैशबोर्ड (दर्पण 2.0) से कनेक्ट किया गया है। इसके जरिये विभिन्न मामलों में उच्च स्तरीय समीक्षा आसान हो सकी है।

निदेशालय स्तर पर चिन्हित माफिया प्रबंधन प्रणाली मॉनीटरिंग ऐप के जरिये चिन्हित माफिया से संबंधित वादों की दिन प्रतिदिन की प्रगति और कार्यवाही का गहन पर्यवेक्षण किया जा रहा है। निदेशालय ने ई-आफिस प्रणाली के जरिये पेपरलेस और समयबद्ध कार्यवाही को शत-प्रतिशत अपनाया है। इसके साथ ही प्रथम चरण में ई-आफिस प्रणाली को 18 परिक्षेत्रीय अपर निदेशक अभियोजन कार्यालय एवं 18 संयुक्त निदेशक अभियोजन कार्यालयों को अगामी 3 माह में जोड़े जाने का लक्ष्य रखा गया है।

उन्नाव में बदलता मौसम लोगों को बना रहा बीमार

उन्नाव। बदलते मौसम का असर लोगों के स्वास्थ्य पर साफ देखने को मिल रहा है। जरा सी लापरवाही से लोग खांसी, जुकाम, और बुखार जैसी वायरल बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। मौसम के बदलाव के चलते अस्पतालों में आने वाले मरीजों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। इन दिनों करीब 40% तक मरीज बढ़ने से ओपीडी के बाहर लंबी-लंबी कतारें लग रही हैं, जिससे घंटों इंतज़ार के बाद लोगों को डॉक्टरी परामर्श मिल पा रहा है। डॉक्टर मरीजों को सलाह दे रहे हैं कि वे मौसम के अनुरूप अपने रहन-सहन को बदलें। दीवाली की दो दिनों की छुट्टी के बाद से मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जिससे इमरजेंसी सेवाएं भी प्रभावित हो रही हैं। जिला अस्पताल के रजिस्ट्रेशन काउंटर पर पर्चा बनवाने के लिए लोग सुबह से ही इकट्ठा हो गए हैं, और जल्दी पर्चा बनवाने को लेकर कई बार गहमागहमी भी हो गई। अस्पताल के कर्मचारियों ने समझा-बुझाकर स्थिति को संभाला, जिसके बाद ही व्यवस्था में सुधार आया। अब तक जिला अस्पताल में एक हजार से अधिक मरीजों ने चिकित्सकीय परामर्श के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है।

अखिल भारतीय हिंदू महासभा ने कनाडा में मंदिर में हमले को लेकर ज्ञापन सौंपा

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के हजरतगंज थाने में अखिल भारतीय हिंदू महासभा ने कनाडा में हिंदूओं पर हो रहे अत्याचार को ज्ञापन दिया। संगठन के प्रवक्ता शिशिर चतुर्वेदी ने कहा पिछले कई दिनों से कनाडा में पाकिस्तान पोषित खालिस्तानी आतंकवादियों के द्वारा सनातन मंदिरों व सम्पत्तियों पर हमले किए जा रहे हैं। ये सनातनियों के प्रति घृणा दिखाता को दिखाता है। जिसकी भारतीय हिंदू महासभा निंदा करती है। शिशिर चतुर्वेदी ने अपनी टीम के साथ हजरतगंज कोतवाली में एडीसीपी मनीषा सिंह को ज्ञापन सौंपा है। संगठन का सरकार से निवेदन है कि बांग्लादेश, कनाडा और भारत के कुछ हिस्सों में जिस तरह से हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़, धार्मिक यात्राओं में पथराव, मंदिरों में मास फेंकने की घटनांए और हिंदू नेताओं पर लगातार हो रहे हमले चिंता का विषय है। सिख समुदाय व सिख संगठनों को आगे आकर खालिस्तान समर्थकों के इस गलत काम के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। सनातन से निकले सिख पंथ और सनातन में दूरी बन रही है।

राजस्व संग्रह में लापरवाही पड़ेगी भारी: योगी

खरी कसौटी ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने मंगलवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में चालू वित्तीय वर्ष में कर-करेत्तर राजस्व प्राप्तियों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री जी ने बारी-बारी से जीएसटी, वैट, आबकारी, स्टाम्प एवं पंजीयन, परिवहन, भू-राजस्व और ऊर्जा में राजस्व संग्रह के लक्ष्य और उसके सापेक्ष प्राप्तियों का विवरण प्राप्त किया। साथ ही विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल और स्टाम्प एवं पंजीयन मंत्री रवीन्द्र जायसवाल की उपस्थिति भी रही।

योगी ने कहा कि नियोजित प्रयासों से प्रदेश के कर-करेत्तर राजस्व संग्रह में सतत वृद्धि हो रही है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में 2 लाख 70 हजार करोड़ के राजस्व संग्रह के लक्ष्य के सापेक्ष अक्टूबर तक विविध माध्यमों से ?1.16 लाख करोड़ से अधिक की राजस्व प्राप्ति हुई है। इसमें जीएसटी/वैट से लगभग ?64 हजार करोड़, एक्साइज टैक्स के रूप में ?26 हजार करोड़, स्टाम्प एवं पंजीयन से ?17700 करोड़, खनन से 2000 करोड़ तथा परिवहन से ?6,300 करोड़ से अधिक का संग्रहित कर राजस्व सम्मिलित है। यह स्थिति संतोषजनक कही जा सकती है। यह जनता से एकत्रित राशि है जो प्रदेश के विकास में, जनता के हित में, लोक कल्याणकारी कार्यों में व्यय होगी।

राजस्व संग्रह बढ़ाने के लिए हमें नए स्रोत भी बनाने चाहिए। हर जिले को दिए गए टारगेट की साप्ताहिक, पाक्षिक और मासिक समीक्षा करें। राजस्व संग्रह बढ़ोतरी के लिए किए गए प्रयासों के आधार पर हर एक अधिकारी की रिपोर्ट तैयार करें। लगातार प्रयासों से आज प्रदेश में 31 लाख से अधिक जीएसटी पंजीकृत व्यापारी हैं। इसे और बढ़ाया जाना चाहिए। प्रदेश में अपार संभावनाएं हैं, उसका लाभ उठाने की आवश्यकता है। अधिकारियों की जवाबदेही तय करें। पोस्टिंग मेरिट के आधार पर ही होनी चाहिए। जीएसटी की चोरी/अपवंचन की कोशिशों को रोकने के लिए सजगता बढ़ाये जाने की जरूरत है। विशेष अनुशासनिक इकाइयों और सचल दल इकाइयों की सक्रियता और बढ़ाये जाने की जरूरत है। यद्यपि हाल के समय में इनकी सजगता से कर चोरी/अपवंचन पर प्रभावी रोक लगाने में सफलता मिली है। फिर भी अभी कार्यशैली में व्यापक सुधार की जरूरत है। राजस्व बढ़ोतरी में एक्साइज विभाग की बड़ी भूमिका है। जिलेवार टारगेट की साप्ताहिक समीक्षा करें। जहां भी लापरवाही हो रही हो, संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई में देर न करें। यह सुनिश्चित कराएं कि डिस्टिलरी में जीरो लिक्विड डिस्चार्ज हो। नदियां इनके वेस्ट से प्रदूषित न हों। इण्डस्ट्री से संवाद करें, तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित करें। अवैध मदिरा/कच्ची शराब बनाने और बेचने की गतिविधियों को बंद करने में हमें सफलता मिली है। ऐसी गतिविधियों पर कार्रवाई लगातार जारी रखी जानी चाहिए। दूसरे प्रदेशों से अनधिकृत मदिरा प्रदेश में न आने पाए, इसके लिए हर समय एक्टिव रहना होगा। राजस्व संग्रह लक्ष्य के सापेक्ष आबकारी विभाग द्वारा और बेहतर प्रयास किया जाना अपेक्षित है।

स्वस्थ समाज की स्थापना में डॉक्टरों का महत्वपूर्ण योगदान: मौलाना सिद्दीकी

खरी कसौटी ब्यूरो

लखनऊ। स्वस्थ समाज की स्थापना में डॉक्टरों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। लोगों की सेहत की रक्षा और उसकी स्थायित्व की जिम्मेदारी डॉक्टरों के कंधों पर होती है। यह एक सच्चाई है कि जिस समाज में अच्छी और सकारात्मक सोच वाले डॉक्टर होते हैं और सेवा का जज्बा रखते हैं, वह समाज और समुदाय कभी बीमार नहीं होता है, बल्कि मजबूत होता है।यह बातें फाउंडेशन फॉर सोशल केयर के अध्यक्ष मौलाना ज़हीर अहमद सिद्दीकी ने हयात यूनानी मेडिकल कॉलेज, लखनऊ में बीयूएमएस पहले वर्ष के विद्यार्थियों के लिए आयोजित पंद्रह दिनों के अभिवादन समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।एन सी आई एस एम के निर्देशों के अनुसार हयात यूनानी मेडिकल कॉलेज, लखनऊ में बी यू एम एस पहले

वर्ष 2024 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम से परिचित कराने के लिए पंद्रह दिनों के समारोह की शुरुआत हुई। इस समारोह में सभी विद्यार्थियों और उनके माता-पिता ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत अब्बास मुश्ताक की कुरआन की तिलावत और मोहम्मद आदिल की हमद से हुई। बीयूएमएस पहले वर्ष की विद्यार्थी हुदा रशीद ने विभिन्न विभागों का परिचय दिया। इस मौके पर मौलाना ज़हीर अहमद सिद्दीक़ी ने कहा कि एक स्वस्थ समाज की स्थापना में डॉक्टरों का सबसे महत्वपूर्ण रोल होता है। लोगों की सेहत की रक्षा की जिम्मेदारी डॉक्टरों के कंधों पर होती है।उन्होंने कहा कि इसी लिए विद्यार्थियों को सारे कामों को छोड़कर अपनी पढ़ाई पर ध्यान देना चाहिए और समाज की सेवा का जज्बा रखना चाहिए। कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रोफ़ेसर मशहूदू रहमान ने नए छात्र छात्राओं एवं उनके साथ आए उनके उनके माता-पिता का स्वागत करते हुए कॉलेज का परिचय कराया और कहा कि छात्र और छात्राएं देश का भविष्य है अगर इन्हें सही दिशा में शिक्षा दी जाएगी तो यह कल आने वाले समय में समाज और देश के काम आएंगे इसलिए हम सबको उनकी बेहतरी के लिए सोचना चाहिए इस अवसर पर डॉक्टर शमसिया खान एवं डॉक्टर दरखशा अनवर ने कॉलेज के सभी अध्यापक एवं प्रोफ़ेसर का परिचय कराया,कॉलेज के एडमिन हेड जियाउर रहमान सिद्दीकी ने छात्र-छात्राओं को कॉलेज के नियम और उसूलों से अवगत कराया और उपेक्षा की कि वह कॉलेज की ओर से दिए गए तमाम दिशा निर्देशों का पालन करेंगे डॉक्टर हिफजुर रहमान अध्यक्ष अदविया विभाग ने सभी का धन्यवाद प्रस्तुत किया इस अवसर पर फाऊंडेशन फॉर सोशल केयर के महासचिव तारीक अनवर खान, खजांची नसीम अख्तर , एवं कॉलेज के अध्यापक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

अन्तर्राष्ट्रीय खेल ओलम्पियाड 'स्पर्धा-2024 का भव्य उद्घाटन सी.एम.एस. में आज

लखनऊ, 5 नवम्बर। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, आर.डी.एस.ओ. कैम्पस के तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय खेल ओलम्पियाड 'स्पर्धा-2024 का भव्य उद्घाटन कल 6 नवम्बर, बुधवार को अपरान्हः 4.00 बजे सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में होगा। यह जानकारी सी.एम.एस. के हेड, कम्युनिकेशन्स श्री ऋषि खन्ना ने दी है। श्री खन्ना ने बताया कि यह अन्तर्राष्ट्रीय खेल ओलम्पियाड 6 से 9 नवम्बर तक आयोजित किया जा रहा है जिसमें श्रीलंका, नेपाल, मॉरीशस एवं भारत के विभिन्न प्रान्तों से लगभग 500 बाल खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करने लखनऊ पधारे हैं। खन्ना ने बताया कि स्पर्धा-2024 में प्रतिभाग हेतु देश-विदेश के बाल खिलाड़ियों के लखनऊ पहुँचने का सिलसिला आज दिन भर जारी रहा तथापि सी.एम.एस. छात्रों व शिक्षकों ने लखनऊ की सरजमीं पर प्रतिभागी बाल खिलाड़ियों का भव्य स्वागत किया। देश-विदेश के प्रतिष्ठित विद्यालयों से पधारे ये प्रतिभागी बाल खिलाड़ी अपने अभूतपूर्व स्वागत से गद्गद नजर आये। श्री खन्ना ने बताया कि 'स्पर्धा-2024 के अन्तर्गत ट्रैक एण्ड फील्ड, बैडमिन्टन, जूडो, कराटे, ब्रश एण्ड बियोण्ड एवं एग्री टु डिसएग्री (वाद-विवाद) प्रतियोगिताएं आयोजित की जायेंगी। ट्रैक एण्ड फील्ड प्रतियोगिताएं आर.डी.एस.ओ. स्टेडियम, मानक नगर में, बैडमिन्टन प्रतियोगिता आर.डी.एस.ओ. बैडमिन्टल हॉल में एवं जूडो-कराटे समेत अन्य प्रतियोगितायें सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में आयोजित की जायेंगी।

महाकुंभ में रोपित किए जायेंगे 2 लाख 71 हजार पौधे

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में संगम तट पर जनवरी 2025 से लगने जा रहे महाकुंभ की तैयारियां पूरी गति से चल रही हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महाकुंभ को दिव्य, भव्य, स्वच्छ और हरित स्वरूप देने के लिए कुंभ मेला प्रशासन के सभी विभाग इसमें अपना योगदान कर रहे हैं। महाकुंभ को हरित कुंभ का स्वरूप देने के लिए कुंभ क्षेत्र को पॉलीथीन मुक्त रखा जाएगा तो वहीं कुंभ क्षेत्र के बाहर हरित पट्टिकाओं का विकास किया जा रहा है। इस प्रयास से पर्यावरण संरक्षण का संकल्प भी धरातल पर उतर रहा है। सीएम योगी का स्पष्ट निर्देश है कि महाकुंभ 2025 में प्रयागराज स्वच्छता का मॉडल बने। महाकुंभ स्वच्छता के साथ पर्यावरण संरक्षण का भी एक उदाहरण बने इसके लिए सामूहिक प्रयास किया जा रहा है। इस संकल्प को पूरा करने के लिए वन विभाग, नगर निगम और प्रयागराज विकास प्राधिकरण मेगा प्लांटेशन अभियान चला रहे हैं । अभियान के अंतर्गत 2 लाख 71 हजार पौधे रोपित किए जा रहे हैं। प्रभागीय वनाधिकारी प्रयागराज अरविंद कुमार का कहना है कि वन विभाग इस अभियान के अंतर्गत 29 करोड़ के बजट से 1.49 लाख पौधे रोपित करने जा रहा है। इसमें सरस्वती हाईटेक सिटी में 20 हेक्टेयर में 87 हजार पौधे रोपित हो रहे हैं। यहां सब्जी ब्लॉक में सघन रोपण किया जा रहा है। इसमें छोटे और बड़े दोनो तरह के पौधे रोपित हो रहे हैं। वन विभाग जिले की सड़कों के दोनो तरफ भी पौध रोपण का अभियान चला रहा है। शहर की तरफ आने वाले 18 सड़कों में भी सघन पौधारोपण किया जा रहा है। इसके अंतर्गत 50 हजार पौधे रोपित किए जाएंगे। सड़कों के बाहर दोनों तरफ कदम्ब, नीम, अमलताश जैसे पौधों का रोपण किया जा रहा है। शहर के कुछ हिस्सों में भी वन विभाग की तरफ से पौध रोपण किया जा रहा है। शहर के अंदर हरित पट्टिकाओं को विकसित करने की जिम्मेदारी नगर निगम प्रयागराज और प्रयागराज विकास प्राधिकरण को दी गई है। नवंबर के आखिर तक इन ग्रीन पट्टियों के विकसित करने का कार्य पूरा हो जायेगा।

मुख्य सचिव ने वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से मण्डलायुक्तों व जिलाधिकारियों को दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

लखनऊ। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से समस्त मण्डलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों को छठ पूजा, पराली, धान खरीद आदि के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। अपने संबोधन में मुख्य सचिव ने लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के दौरान घाटों की सफाई, सुरक्षा व स्वच्छता के संबंध में दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि पूजा समितियों के साथ बैठक कर छठ घाटों पर सभी तैयारियां समय से पूरी कर ली जाये। यह सुनिश्चित किया जाये कि छठ पूजा के दौरान नदियों, तालाबों व जलस्रोतों का जल स्वच्छ हो और ठोस अपशिष्ट का प्रवाह न हो। उन्होंने कहा कि निकायों के द्वारा घाट के पास पर्याप्त मात्रा में स्नान घर, मोबाइल टॉयलेट, पोर्टेबल टॉयलेट, पेयजल व चेंजिंग रूम की व्यवस्था होना चाहिये। इससे सम्बन्धित संदेश बोर्ड भी स्थल पर स्थापित किये जायें। लोगों को प्लास्टिक कैरीबैग के स्थान पर जूट बैग अथवा कपड़े का बैग आदि के इस्तेमाल के लिये प्रेरित किया जाये। उन्होंने कहा कि स्वच्छ छठ पूजा के लिये हरे और नीले रंग के कूड़ेदान को घाटों के आस-पास रखा जाये। घाट स्थलों के आस-पास स्वच्छता एवं साफ-सफाई के सम्बन्ध में जागरूकता सम्बन्धी निर्देश बोर्ड लगाये जाये। निकायों द्वारा दिन में न्यूनतम दो बार घाटों की समुचित साफ-सफाई की व्यवस्था करायी जाये। उन्होंने कहा कि घाटों पर सुरक्षा का समुचित प्रबंध रहे और छठ पूजा स्थलों एवं पहुंच मार्गों पर सभी स्ट्रीट लाइट्स क्रियाशील होनी चाहिये। सुरक्षा के दृष्टिकोण से घाटों पर आवश्यकतानुसार बैरिकेडिंग की जाये। आकस्मिक स्थिति के लिये अस्पतालों में बेड आरक्षित रखे जायें। छठ पूजा स्थलों, तालाबों, घाटों पर आवश्यकतानुसार कुशल तैराक व गोताखोर की व्यवस्था जन सहयोग (वॉलंटियर, स्वैच्छिक संगठन, व्यापार मण्डल, उद्योग मण्डल) के माध्यम से सुनिश्चित की जाये। उन्होंने कहा कि पूजा स्थलों के निकट पार्किंग की व्यवस्था रहे। घाटों के आसपास आतिशबाजी नहीं होनी चाहिये। सीसीटीवी व ड्रोन के माध्यम से निगरानी रखी जाये। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा भी पूजा स्थलों का निरीक्षण किया जाये। उन्होंने डीएपी के सम्बन्ध में कहा कि आलू उत्पादन करने वाले क्षेत्रों में डीएपी की मांग बढ़ेगी। मांग के सापेक्ष डीएपी प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। कृषि एवं सहकारिता विभाग के द्वारा इसे ध्यान में रखते हुए डीएपी का अलॉटमेंट किया जाये। फर्टिलाइजर को लेकर संवेदनशील जनपदों पर विशेष निगरानी रखी जाये। कहीं से भी तस्करी एवं कालाबाजारी की शिकायत नहीं प्राप्त होनी चाहिये। पराली जलने की घटनाओं को लेकर उन्होंने कहा कि जिलाधिकारियों को सतर्क रहने की जरूरत है। जिन जनपदों में पराली जलने की घटनायें अधिक हो रही हैं, वहां लोगों को पराली न जलाने के लिये अधिक से अधिक जागरूक किया जाये।

क्षेत्रीय खाद्य अनुसंधान एवं विश्लेषण केन्द्र, (आर-फैक) उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग तथा चाय वाला फाउंडेशन के बीच एमओयू

महिला सशक्तिकरण व स्वावलंबन के लिए सरकार संकल्पबद्धः मौर्य

खरी कसौटी ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में देश में खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में अभूतपूर्व सुधार हुये हैं और देश इस क्षेत्र में नवाचार, स्थिरता और सुरक्षा के लिए विश्वस्तरीय मानक स्थापित करने की ओर लगातार अग्रसर है।उत्तर प्रदेश में भी खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किये जा रहे हैं, और नई खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति में किसानों व उद्यमियों को विभिन्न सुविधाएं व अनुदान सरल तरीके से उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गयी है, जिसके तहत लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है । उत्तर प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की बेहतर कार्यप्रणाली व सरकार के प्रयासों से लोगों को अच्छे व पौष्टिक खाद्य पदार्थ तो प्राप्त होंगे ही, खाद्य प्रसंस्कृत पदार्थो के निर्यात को भी बढ़ावा मिलेगा।उप मुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश भी दिए हैं कि मोटे अनाजों के प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के उत्पादों को अधिक से अधिक बढ़ावा दिया जाए।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सशक्तिकरण व स्वावलंबन के लिए सरकार पूरी तरह संकल्पबद्ध है। उप मुख्यमंत्री ने खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वह राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित स्वयं सहायता समूहों कुछ दीदियों खाद्य प्रसंस्करण के कार्यो से जोड़कर उन्हें प्रशिक्षित करने की दिशा में ठोस व प्रभावी कदम उठायें।

इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु मंगलवार को क्षेत्रीय खाद्य अनुसंधान एवं विश्लेषण केन्द्र, (आर-फैक) उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग तथा चाय वाला फाउंडेशन के बीच एम ओ यू किया गया।इस पहल का उद्देश्य महिलाओं के उत्पादों को बाजार में लाना और उनकी आर्थिक स्थिति को सशक्त करना एवं आत्मनिर्भर बनाना है। क्षेत्रीय खाद्य अनुसंधान एवं विश्लेषण केन्द्र, (आर-फैक), लखनऊ द्वारा प्रशिक्षित महिलाओं, महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को चाय वाला फाउंडेशन, मुख्यालय दोव डेक टावर सी-204, वडोदरा गुजराज द्वारा संचालित मॉडल आउटलेट्स पर स्ट्रीट वेंडर के रूप में समस्त सरकारी दफ्तर विक्रय करने के लिए समझौता किया गया। आर फ्रैंक के निदेशक एस के चौहान ने बताया कि क्षेत्रीय खाद्य अनुसंधान एवं विश्लेषण केन्द्र, (आर-फैक) द्वारा महिलाओं, महिला स्वयं सहायता समूहों को खाद्य प्रसंस्करण, पैकेजिंग, और गुणवत्तापूर्ण उत्पाद निर्माण में विभिन्न विभागों को सौजन्य से प्रशिक्षण प्रदान करेगा।

चाय वाला फाउंडेशन द्वारा संचालित मॉडल आउटलेट्स पर क्षेत्रीय खाद्य अनुसंधान एवं विश्लेषण केन्द्र, (आर-फैक) द्वारा प्रशिक्षित महिलाओं के उत्पाद स्ट्रीट वेंडर मॉडल के तहत विक्रय किए जाएंगे। ये आउलटलेट (समस्त कलेक्ट्रेट डिस्ट्रिक्स हास्पिटल नगर पालिका एवं नगर निगम के अन्तर्गत आने वाले स्थान विकास प्राधिकरण ब्लॉक आवास विकास चौराहा एवं कालोनी तथा प्राइवेट स्थान पर भी) खोले जायेगें।चाय वाला फाउंडेशन क्षेत्रीय खाद्य अनुसंधान एवं विश्लेषण केन्द्र, (आर-फैक) द्वारा प्रशिक्षित महिलाओं को अपने उत्पादों को बेचने के लिए आउटलेट्स उपलब्ध कराएगा और उनकी मार्केटिंग, पैकेजिंग, और बिक्री प्रबंधन में सहयोग प्रदान करेगा।चायवाला फाउंडेशन द्वारा संचालित आउटलेट के माध्यम से फिक्स्ड मंथली हिस्सा फिक्स्ड रॉयल्टी धनराशि रू00-1000 प्रति आउटलेट प्रतिमाह क्षेत्रीय खाद्य अनुसंधान एवं विश्लेषण केन्द्र, (आर-फैक) को देय होगा।क्षेत्रीय खाद्य अनुसंधान एवं विश्लेषण केंद्र, (आर-एफएसी) उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग

महिलाओं को खाद्य प्रसंस्करण और उत्पाद निर्माण का प्रशिक्षण प्रदान करेगा। उत्पादों की गुणवत्ता और मानकों की निगरानी करेगा।महिलाओं को उत्पाद निर्माण के लिए आवश्यक संसाधन और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराएगा। चाय वाला फाउंडेशन, महिलाओं के बने उत्पादों के विक्रय के लिए मॉडल आउटलेट्स की स्थापना और संचालन करेगा। इन आउटलेट्स में महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों की बिक्री के लिए सुविधाएं प्रदान करेगा।आउटलेट्स की मार्केटिंग और प्रचार के लिए सहयोग करेगा ताकि अधिक से अधिक ग्राहक महिलाओं के उत्पादों को खरीद सकें। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं जो क्षेत्रीय खाद्य अनुसंधान एवं विश्लेषण केन्द्र, (आर-फैक) द्वारा प्रशिक्षित की गई हैं अथवा स्वयं सहायता ग्रुप समूह द्वारा रजिस्टर्ड है। गरीब, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाएं, जिन्हें इस परियोजना के माध्यम से रोजगार और व्यापार का अवसर दिया जाएगा।. ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की महिलाएं जो अपने उत्पादों को बेचना चाहती हैं।

डीजीपी स्थाई हो या कार्यवाहक, जारी रहेगी अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई

खरी कसौटी ब्यूरो

सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के बयान पर दिया करारा जवाब

लखनऊ। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा यूपी डीजीपी चयन की नयी नियमावली की कैबिनेट मंजूरी पर प्रश्न उठाये जाने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। विधायक ने मंगलवार को अपने आधिकारिक एक्स (ट्विटर) पर लिखा आदरणीय अखिलेश जी, पहले आपको कार्यवाहक डीजीपी होने पर परेशानी थी, अब नियमित डीजीपी चयन की प्रक्रिया लागू किए जाने पर भी परेशानी है।

डॉ. सिंह ने प्रदेश में पुलिस कार्रवाइयों के आंकड़े प्रस्तुत करते हुए आगे लिखा, सीएम योगी आदित्यनाथ के सशक्त नेतृत्व में यूपी की कानून व्यवस्था प्रत्येक परिस्थित में आदर्श है, पिछले 7 साल में प्रदेश की कानून व्यवस्था अग्रणी बनीं, अप्रैल 2024 तक 10902 इनकाउंटर में 197 अपराधी मारे गए और 6329 अपराधी घायल हुए, 904 अपराधियों के विरुद्ध एनएसए के तहत कार्रवाई हुई, 68 माफिया गैंग को पूरी तरह नष्ट किया गया। पिछले 4 साल में माफियाओं की 3758 करोड़ से अधिक की संपत्ति ध्वस्त की गयी, 2401 करोड़ की संपत्ति जब्त की गई, 66575.75 हेक्टेयर अवैध संपत्ति मुक्त कराई गई, अवैध कब्जेदारों के विरुद्ध 4650 से अधिक मुकदमे दर्ज किए गए। अखिलेश को जवाब देते हुए उन्होने कहा कि उन्होंने कहा कि यूपी में डीजीपी चाहे स्थाई हो या कार्यवाहक, अपराधियों-माफियाओं के विरुद्ध यह कठोर कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। उप्र सरकार द्वारा लागू नयी प्रक्रिया के अंतर्गत डीजीपी चयन के लिए हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में 6 सदस्यीय कमेटी गठित होगी, जिसमें यूपीएससी के सदस्य और राज्य लोकसेवा आयोग के अध्यक्ष सहित 6 महत्वपूर्ण सदस्य होंगे। कृपया प्रदेश हित में विकास के मुद्दों पर सार्थक बातें कीजिए एवं सकारात्मक विपक्ष की भूमिका निभाइए और 2027 की तैयारियों पर ध्यान दीजिए।

योगी सरकार ने आरओ-एआरओ और पीसीएस प्री परीक्षा की तारीख घोषित की

खरी कसौटी ब्यूरो

प्रदेश के 41 जिलों में 7 और 8 दिसंबर को दो पॉलियों में होगी पीसीएस प्री की परीक्षा

– 22 और 23 दिसंबर को तीन पॉलियों में होगी आरओ–एआरओ की परीक्षा

लखनऊ। योगी सरकार ने लंबे समय से आरओ-एआरओ प्री और पीसीएस प्री की परीक्षा की नई तारीख का इंतजार कर रहे लाखों अभ्यर्थियों को बड़ी राहत दी है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के अनुसार आरओ-एआरओ की परीक्षा 22 और 23 दिसंबर को तीन शिफ्टों में होगी जबकि पीसीएस प्री परीक्षा 7 और 8 दिसंबर को दो सत्रों में होगी। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के अनुसार उत्तर प्रदेश पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन 7 और 8 दिसंबर को किया जाएगा। यह परीक्षा प्रदेश के 41 जिलों में दो सत्रों में होगी। परीक्षा का पहला सत्र सुबह 9:30 बजे से 11:30 बजे तक और दूसरा सत्र दोपहर 2:30 बजे से 4:30 बजे तक होगा। वहीं आरओ-एआरओ (समीक्षा अधिकारी एवं सहायक समीक्षा अधिकारी) प्री की परीक्षा 22 और 23 दिसंबर को आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा कुल तीन शिफ्टों में आयोजित कराई जाएगी। आरओ-एआरओ प्री की परीक्षा पहली और दूसरी शिफ्ट 22 दिसंबर को होगी, जिसमें पहली शिफ्ट सुबह 9:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक और दूसरी शिफ्ट दोपहर 2:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक आयोजित की जाएगी। वहीं तीसरी शिफ्ट 23 दिसंबर को सुबह 9:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक होगी। इस परीक्षा के लिए 10.76 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। आयोग द्वारा दिए गए दिशा-निर्देश के अनुसार, यदि एक पाली में 5 लाख से अधिक परीक्षार्थी होते हैं तो परीक्षा को कई पालियों में आयोजित करना अनिवार्य हो जाता है। इसी कारण इस परीक्षा को तीन शिफ्टों में बांटा गया है।

टेक्सटाइल में चीन सहित दूसरे देशों को मात देगा यूपी

खरी कसौटी ब्यूरो

लखनऊ में सरकार कर रही एक हजार एकड़ भूमि में पीएम मित्र पार्क की भी स्थापना, 726 करोड़ की लागत से प्रदेश का पहला निजी टेक्सटाइल हब शामली में होगा स्थापित, लेटर ऑफ कंफर्ट जारी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर बनाने के प्रयासों में एमएसएमई सेक्टर मजबूत साझेदारी निभा रहा है। सीएम योगी के विजन के अनुरूप प्रदेश को टेक्सटाइल हब बनाने के लिए 11 नए निजी टेक्सटाइल पार्क गोरखपुर, मऊ, भदोही, अलीगढ़, बागपत और शामली आदि जिलों में बनाए जाएंगे। इससे चीन सहित अन्य देशों या दूसरे प्रदेशों से यूपी को रॉ मटेरियल आदि नहीं मंगाने पड़ेंगे। प्रदेश में पहली बार एमएसएमई विभाग की ओर से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टेक्सटाइल सेक्टर को मजबूत करने के लिए विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं। इसी के तहत शामली जिले में 726 करोड़ की लागत से प्रदेश का पहला निजी टेक्सटाइल पार्क स्थापित किया जाएगा। इससे दूसरे देशों या प्रदेशों से रॉ मटेरियल नहीं मंगाना पड़ेगा, स्किल डेवलपमेंट से लेकर विभिन्न सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी।

प्रमुख सचिव हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग आलोक कुमार ने बताया कि प्रदेश में 11 निजी टेक्सटाइल पार्क की स्थापना से रॉ मटेरियल से लेकर विभिन्न वस्त्र आदि बनाए जाएंगे। इससे किसी अन्य प्रदेश या चीन आदि देशों से रॉ मटेरियल मंगाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इसके अलावा लखनऊ में सरकार की ओर से एक हजार एकड़ भूमि में पीएम मित्र पार्क की भी स्थापना की जा रही है। उत्तर प्रदेश वस्त्र एवं गारमेंटिंग नीति- 2022 के तहत प्रमुख सचिव हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग आलोक कुमार की अध्यक्षता में शासकीय स्वीकृति समिति की बैठक में निजी टेक्सटाइल पार्क के विकास के लिए आयनेक्स टेक्सटाइल पार्क प्राइवेट लिमिटेड सैद्धान्तिक (ख्रधए) स्वीकृति दी गई। पार्क के निवेशकर्ता द्वारा करीब 126.61 करोड़ रुपये की लागत से आवश्यक अवस्थापना सुविधाओं को विकसित किया जाएगा। पार्क अगले साल दिसम्बर तक क्रियाशील होगा, जिसमें 600 करोड रुपए का निवेश और 5000 लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। प्रस्तावित पार्क शामली के कैराना तहसील के गांव झिंझाना में 26.75 एकड़ भूमि पर बनेगा, जिसमें वीविंग, डाईंग, प्रिंटिंग और गारमेंटिंग इकाइयों सहित कुल 17 इकाइयां लगेंगी।

पार्क में प्रशासनिक भवन, बैंक/एटीएम, प्रशिक्षण एवं परीक्षण केंद्र, विश्राम गृह, कैंटीन, फर्स्ट एड सेंटर जैसी सामान्य सुविधाओं के साथ-साथ डामर सड़क नेटवर्क (स्ट्रीट लाइटिंग के साथ), जल आपूर्ति प्रणाली, सीवरेज सिस्टम, वर्षा जल निकासी प्रणाली, सीवेज उपचार संयंत्र, जीरो लिक्विड डिस्चार्ज, संयुक्त अपशिष्ट उपचार संयंत्र बॉयलर, जल और भाप वितरण प्रणाली, विद्युत वितरण प्रणाली एवं वेट ब्रिज जैसी सामान्य बुनियादी सुविधाएं भी होंगी।

संक्षिप्त खबरें

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूकता अभियान

लखनऊ । पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मण्डल के मंडल रेल प्रबंधक आदित्य कुमार के मार्गदर्शन में वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी डा0 शिल्पी कन्नौजिया के निर्देशन में स्टेशन मैनेजर/गोरखपुर एवं संरक्षा सलाहकार/लोको की उपस्थिति में गोरखपुर जं0 स्टेशन तथा खलीलाबाद रेलवे निकट समपार सं0 179 स्पेशल पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से रेल यात्रियों एवं सड़क उपयोगकर्ताओं को रेलवे समपार के प्रयोग को लेकर संरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर सड़क उपयोगकर्ताओं को अनधिकृत स्थानों से रेलवे ट्रैक पार न करने, रेलवे क्रासिंग बन्द होने के उपरांत रेलवे गेटमैन पर समपार खोलने हेतु अनाधिकृत दबाव नही डालने, मवेशियों को रेलवे ट्रैक के नजदीक न चराने, रेलवे फाटकों पर सावधानी बरतने के साथ-साथ रेलवे ट्रैक एवं विद्युतकर्षण पोल से सुरक्षित दूरी बनाए रखने के संबंध में लगभग 450 को जानकारी प्रदान की गई।

अनाप–शनाप गृह कर बिल से नागरिक परेशान

लखनऊ। हाउस टैक्स वसूलने में लखनऊ नगर निगम की पूरी तरह से मनमानी चल रही है। लखनऊ नगर निगम में बिना लोगों को पूर्व सूचना दिए 2022 से अधिकांश भवनों पर बकाया टैक्स लगाकर नए बिल के भुगतान हेतु भेज दिए गये हैं इस विषय में जब नगर निगम के जोन 3 में आर आई अजय कुमार से बात किया गया तो उन्होंने इसके विषय में कुछ भी बताने में अपनी असमर्थता जताई और यह कहकर पल्ला झाड़ लिया की शासन से आदेश है। यह बात किसी के भी समझ से परे है कि भुगतान करने के बाद भी उसे बकाया दिखाना कौन सी शासन की नीति है। नगर निगम के मनमानी ढंग से भवन कर निर्धारण और कभी भी किसी भी बिल में बकाया धनराशि दर्शा कर बिल भुगतान हेतु संबंधित भवन स्वामियों को भेजना क्षेत्र के निवासियों में आक्रोश पैदा कर रहा है।

द सोल ने वृद्ध जनों के साथ मनाई दीपावली

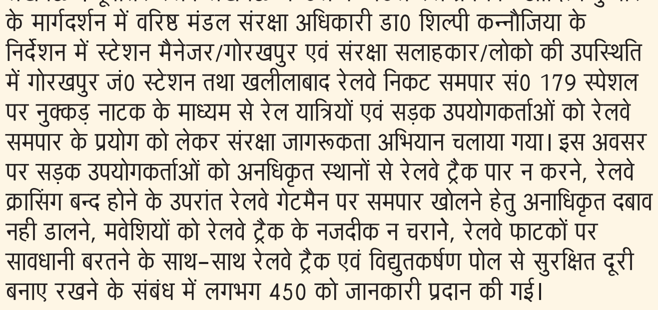

लखनऊ। स्वयंसेवी संस्था The Soul Anahat की तरफ से पारा स्थित वृद्धाश्रम में वृद्धों के साथ दीपावली का पावन पर्व मनाया गया। संस्था द्वारा वृद्ध महिलाओं को साड़ी तथा पुरुषों को टीशर्ट भेंट की गयी। मिठाई का वितरण संस्था के अध्यक्ष अनूप कुमार श्रीवास्तव द्वारा किया गया। साथ ही संस्था के पदाधिकारी अवधेश राय, निधि शर्मा, रनजीत कौर, बिंदु राय, दीपमाला, मनोज कुमार, किरन लता, आनंद गौड़ व अन्य कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। इस मौके पर संस्था प्रमुख द्वारा कहा गया कि विशेष त्यौहारों पर हृदय में प्रेम भाव लेकर अपने परिवार के दायित्वों के साथ समाज के लिए थोड़ा समय निकालना चाहिए ताकि अपने परिवार से वंचित बुजुर्गों के जीवन में थोड़ी खुशी लाने का प्रयास हो सके व उनसे आशीष मिल सके। उनके द्वारा यह भी बताया गया कि पूर्व में भी वृद्धाश्रम में होली का पावन पर्व मनाया गया था।

योगी सरकार के मार्गदर्शन में आज से शुरू होगा ईको पर्यटन सत्र

खरी कसौटी ब्यूरो

लखीमपुर के खीरी वन प्रभाग में महेशपुर (मोहम्मदी) ईको टूरिज्म व बफर प्रभाग में भीरा पर्यटन सर्किट का किया जा रहा शुभारंभ

लखनऊ। योगी सरकार के मार्गदर्शन में ईको पर्यटन सत्र 6 नवंबर से प्रारंभ होगा। इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। सत्र 2024-25 में लखीमपुर के दक्षिणी खीरी वन प्रभाग में महेशपुर (मोहम्मदी) ईको टूरिज्म व बफर प्रभाग में भीरा पर्यटन सर्किट का भी शुभारंभ किया जा रहा है। वहीं पर्यटकों की सहूलियत को देखते हुए दुधवा टाइगर रिजर्व में मंगलवार को होने वाला अवकाश समाप्त कर दिया गया है। अब पर्यटक वहां सातों दिन घूम सकेंगे। पर्यटकों की सुविधा के मद्देनजर नेचर गाइड भी तैनात किए गए हैं। योगी सरकार की तरफ से मिल रही सुविधाओं व सुरक्षित वातावरण के कारण ईको टूरिज्म डेस्टिनेशन दुधवा टाइगर रिजर्व, पीलीभीत टाइगर रिजर्व, अमानगढ़ टाइगर रिजर्व व रानीपुर टाइगर रिजर्व में साल दर साल पर्यटकों की संख्या भी बढ़ रही है। बुधवार को योगी सरकार के वन व पर्यावरण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना कतर्नियाघाट, बहराइच से पर्यटन सत्र का शुभारंभ करेंगे। वन, पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने कहा कि पर्यटन की संभावनाओं को देखते हुए यूपी में बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। योगी सरकार ने निर्णय लिया है कि इस वर्ष पर्यटन शुल्क नहीं बढ़ाया जाएगा, लेकिन सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। वन मंत्री ने बताया कि दुधवा में मंगलवार को होने वाला साप्ताहिक अवकाश भी समाप्त कर दिया गया है। इससे सातों दिन यहां प्रकृति का आनंद उठा सकेंगे। वहीं पर्यटकों के लिए 30 आतिथ्य कार्यकर्ता (हॉस्पिटैलिटी स्टॉफ) को प्रशिक्षित किया गया है। इन्हें इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट के माध्यम से हाउसकीपिंग व कुकिंग संबंधी प्रशिक्षण दिया गया है। वहीं ईको टूरिज्म बोर्ड की सहायता से दुधवा, कतर्नियाघाट, पीलीभीत व रानीपुर में नेचर गाइड का प्रशिक्षण भी कराया गया है। इन्हें द नेचर स्कूल बेंगलुरु के प्रशिक्षकों ने प्रशिक्षण दिया है। प्रदेश के सभी ईको टूरिज्म डेस्टिनेशन में इसका आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य आमजन को ईको पर्यटन का आनंद उठाने के लिए प्रेरित करना है। योगी सरकार के निर्देश पर इसमें प्रदेश सरकार के मंत्री, जनप्रतिनिधि आदि भी मौजूद रहेंगे। दुधवा, पीलीभीत, अमानगढ़ व रानीपुर टाइगर रिजर्व, कतर्नियाघाट, वन्य जीव बिहार, सोहेलवा वन्य जीव विहार, कैमूर वन्य जीव विहार, शहीद चंद्रशेखर आजाद पक्षी विहार नवाबगंज, सांडी पक्षी विहार हरदोई, लाख पक्षी विहार कन्नौज, महावीर स्वामी वन्य जीव विहार ललितपुर, चंद्रप्रभाग वन्य जीव विहार चंदौली, ओखला पक्षी विहार गौतमबुद्धनगर, रपड़ी ईको टूरिज्म सेंटर फिरोजाबाद आदि में भी आयोजन होगा।

महाकुंभः रेलवे स्टेशनों पर लगेंगे एफआर कैमरे

लखनऊ। महाकुंभ 2025 को दिव्य और भव्य के साथ सुरक्षित महाकुंभ बनाने का लक्ष्य डबल इंजन सरकार ने रखा है। इसे मद्देनजर रखते हुए न केवल मेला क्षेत्र बल्कि प्रयागराज के रेलवे स्टेशनों की सुरक्षा में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। महाकुंभ में लगभग 10 करोड़ लोगों का ट्रेन से आने का अनुमान है। इसे लेकर रेलवे सुरक्षा और व्यवस्था के सारे इंतजाम कर रही है। प्रयागराज रेल मण्डल द्वारा महाकुंभ के दौरान रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा के लिए पहली बार सीसीटीवी कैमरों के साथ एफआर कैमरे भी लगाए जा रहे हैं। एफआर कैमरे एआई की मदद से संदिग्ध गतिविधियों और अराजकतत्वों पर नजर रखने में कारगर हैं। प्रयागराज रेल मण्डल के पीआरओ अमित सिंह ने बताया कि श्रद्धालुओँ और पर्यटकों के लिए महाकुंभ को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए प्रयागराज रेल मण्डल सुरक्षा के सारे इंतजामों के साथ एआई बेस्ड एफआर कैमरे भी लगा रहा है। फ़ेस रिकगनीशन या एफआर कैमरे एआई तकनीक की मदद से फ़ेस रिकगनीशन में सक्षम होते हैं। ये आसनी से संदिग्धों को भीड़ में भी पहचान कर तलाश लेते हैं।

खुद की पीठ थपथपाने वाली दिल्ली सरकार को दूसरा स्थान

योगी सरकार का नया कीर्तिमानः वीरगाथा 4.0 प्रोजेक्ट में 45 लाख से अधिक नामांकन के साथ देश में यूपी अव्वल

खरी कसौटी ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने वीरगाथा 4.0 प्रोजेक्ट में अभूतपूर्व प्रदर्शन कर देश में पहला स्थान अर्जित कर एक बार फिर खुद को अव्वल साबित किया है। 45 लाख से अधिक छात्रों के नामांकन के साथ पूरे देश में पहला स्थान प्राप्त करते हुए खुद की पीठ थपथपाने वाली दिल्ली सरकार को आईना दिखाया है। इस मामले में दिल्ली सरकार को दूसरे स्थान पर संतोषा करना पड़ा है।

योगी सरकार की इस अभूतपूर्व उपलब्धि के साथ, उत्तर प्रदेश ने वीरगाथा प्रोजेक्ट में एक नया मानक स्थापित किया है, जिससे न केवल छात्रों में वीरता के प्रति सम्मान बढ़ा है, बल्कि उनकी रचनात्मकता और प्रेरणा का भी विकास हुआ है। शिक्षा के क्षेत्र में यूपी के इस प्रयास से उत्तर प्रदेश ने 45 लाख 24 हजार 559 छात्रों के नामांकन के लक्ष्य को प्राप्त किया है। यूपी ने पिछले वर्ष के वीरगाथा 3.0 प्रोजेक्ट में 39 लाख के नामांकन की संख्या को पार करते हुए इस वर्ष 6 लाख 24 हजार 559 की वृद्धि दर्ज कराई है। इस वर्ष के आंकड़े बताते हैं कि हर जिले ने भागीदारी में वृद्धि की है, जिससे यह सफलता संभव हुई है।

वीरगाथा 4.0 प्रोजेक्ट में दिल्ली ने 18 लाख 08 हजार 556 नामांकन के साथ द्वितीय स्थान और बिहार ने 13 लाख 91 हजार 187 नामांकन के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया है। उत्तर प्रदेश ने दिल्ली से 27 लाख 16 हजार 03 और बिहार से 31 लाख 33 हजार 372 अधिक नामांकन कर यह उपलब्धि प्राप्त किया है। आंकड़े बता रहे हैं कि इस वर्ष का नामांकन अब तक का सर्वाधिक है और उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों में पिछले वर्ष की तुलना में अधिक नामांकन हुए हैं। योगी सरकार की अगुवाई में इस वर्ष यूपी ने अपने सभी जिलों में भागीदारी बढ़ाकर न केवल एक नया रिकॉर्ड बनाया, बल्कि वीरता और प्रेरणा के क्षेत्र में देशभर में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करने में भी सफलता पाई है। आंकड़ों के अनुसार, देश के 50 सर्वाधिक भागीदारी वाले जिलों में उत्तर प्रदेश के 18 जिलों ने अपनी जगह बनाई है। देश के शीर्ष पर रहने वाले उत्तर प्रदेश के 18 जिलों में पीलीभीत (2,92,756), बुलन्दशहर (2,68,852), सन्त कबीर नगर (2,35,934), लखीमपुर खीरी (1,32,414), सिद्धार्थनगर (1,24,950), हरदोई (1,22,973) और लखनऊ (1,19,908) शामिल हैं। इनके अलावा देश के 50 शीर्ष जनपदों में महराजगंज (1,14,227), प्रयागराज (1,12,041), वाराणसी (1,04,460) ने भी जगह बनाने में सफलता अर्जित की है। सूची में यूपी के चित्रकूट (95,583), सम्भल (92,953), उन्नाव (89,358), देवरिया (83,292), बिजनौर (82,300), रामपुर (79,180), कानपुर देहात (78,641) और मुजफ्फरनगर (69,086) ने भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है।

आईसीएआर–एनबीएफजीआर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन

खरी कसौटी ब्यूरो

लखनऊ। भाकृअनुप-एनबीएफजीआर में 28.10.2024 से 3.11.2024 के दौरान मनाया गया सतर्कता जागरूकता सप्ताह आज संपन्न हुआ। सप्ताह की शुरुआत संस्थान के निदेशक डॉ. यूके सरकार द्वारा हमारे दिन-प्रतिदिन के कार्य और व्यवहार में भ्रष्टाचार के प्रति सतर्क रहने के लिए कर्मचारियों को दिलाई गई शपथ के साथ की गई थी। सप्ताह के दौरान सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 की थीम 'राष्ट्र की समृद्धि के लिए अखंडता की संस्कृति' पर आमंत्रित व्याख्यान, मानव श्रृंखला और वॉकथॉन का आयोजन, ड्राइंग, पोस्टर, निबंध और तत्काल भाषण आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया क्र निदेशक डॉ. सरकार ने अपने संबोधन में 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए हर क्षेत्र में ईमानदारी और अखंडता अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश पुलिस के पूर्व महानिदेशक महेश चंद्र द्विवेदी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रत्येक नागरिक के छात्र जीवन के दौरान नैतिकता और ईमानदारी के मूल्यों को दृढ़ता से विकसित किया जाना चाहिए और हम भारतीयों को अपनी वैश्विक सद्भावना के लिए अपने काम और व्यवहार में ईमानदार होने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमारे दैनिक जीवन में भ्रष्टाचार उन्मूलन में प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका है। मुख्य अतिथि द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम का संयोजन संस्थान के सतर्कता अधिकारी डॉ. बासदेव कुशवाहा ने किया।

ईश्वर अपने भक्तों पर बिना कारण ही कृपा करते हैं और उसका सबसे बड़ा परिणाम है मनुष्य का शरीर मिलना। माया की प्रेरणा से काल, कर्म, स्वभाव और गुण से घिरा हुआ मनुष्य सदा भटकता रहता है।' हम लोगों की जिंदगी में चार रास्ते से दुख आते हैं। एक काल का यानी समय का दुख होता है। कहते हैं कि खराब समय चल रहा है। दूसरा कर्म का दुख होता है। कोई ऐसा काम करो, जिसका दुख दिखता है कि यह इसी के कारण मिला है।

सम्पादकीय

देश की लाचार राजधानी

केसी विश्नोई (समूह सम्पादक)

राजनीतिक दलों ने भीषण प्रदूषण के संकट से जूझ रही दिल्ली के करोड़ों लोगों को इस जानलेवा समस्या से निजात दिलाने के बजाए एक-दूसरे के ऊपर जिम्मेदारी का ठीकरा फोड़ने का काम किया है। दिल्ली को प्रदूषण मुक्त करने की दिशा में उठाए गए कदम अभी तक ऊंट के मुंह में जीरा ही साबित हुए हैं। यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट भी दिल्ली के प्रदूषण के सामने सरकारों की लुंजपुंज नीति के आगे पस्त नजर आता है। दर्जनों बार चेतावनी देने के बावजूद केंद्र और दिल्ली राज्य की सरकार एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाती दिखती हैं। कहने को देश विश्व की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। विश्व स्तर पर रॉकेट सांइस सहित कई क्षेत्रों में भारत ने झंडे गाढ़े हैं, किन्तु देश की राजधानी प्रदूषण के मामले में विश्व में बदनाम है। दिवाली के बाद दिल्ली की स्थिति पूरी दुनिया में सबसे खराब है। प्रदूषण के संकट के बीच दिल्ली ने एक बार फिर अपनी 'खराब वायु गुणवत्ता' का शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। स्विस फर्म 'आईक्यू एयर' द्वारा जारी विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट में यह अहम जानकारी सामने आई है। राष्ट्रीय राजधानी को 2018 से लगातार चार बार दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी का दर्ज़ा मिल रहा है। दिल्ली का घ्ख्र2.5 स्तर 2022 में 89.1 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से बिगड़कर 2023 में 92.7 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर हो गया।दिल्ली 2018 से लगातार चौथी बार दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी की स्थिति में है। इस रिपोर्ट बताया गया है कि भारत औसत सालाना घ्ख्र2.5 स्तर के आधार पर तीसरे स्थान पर है। रिपोर्ट में अन्य प्रदूषित शहरों की सूची में पाकिस्तान का लाहौर दूसरे, चीन का बीजिंग तीसरे और बांग्लादेश का ढाका चौथे स्थान पर है। वहीं मुंबई को छठे और नेपाल के काठमांडू को सातवें स्थान पर रखा गया है। दिल्ली में अक्टूबर का महीना आते ही न केवल त्योहारों का मौसम शुरू होता है। बल्कि प्रदूषण भी प्रदूषण को बढ़ाता है। यह स्थिति दिल्ली वासियों के लिए एक नया चिंता का विषय बनी हुई है। त्योहार गुजरने के बाद भी प्रदूषण का असर कई महीनों तक बना रहता है। हमेशा दिवाली के बाद यह हाल रहता है।भारत में वायु प्रदूषण की वजह से प्रत्येक वित्तीय वर्ष में भारतीय व्यापार जगत को करीब 95 बिलियन अमरीकी डालर (7 लाख करोड़) का नुकसान उठाना पड़ता है, जो कि भारत की कुल जीडीपी का करीब 3 प्रतिशत है। यह नुकसान सालाना कर संग्रह के 50 प्रतिशत के बराबर है या भारत के स्वास्थ्य बजट का डेढ़ गुना है। डलबर्ग एडवाइजर्स और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की क्लीन एयर फंड की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। डलबर्ग का अनुमान है कि भारत के कामगार अपने स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण के प्रतिकूल प्रभावों के कारण प्रति वर्ष 130 करोड़ (1.3 बिलियन) कार्यदिवसों की छुट्टी लेते हैं जिसके 6 बिलियन अमरीकी डालर के राजस्व का नुकसान होता है। प्रदूषण से स्वास्थ्य और भारी आर्थिक नुकसान के बावजूद सत्तारुढ़ दलों की प्राथमिकता इसे समाप्त करना नहीं है।

खोखली बातों से नहीं बचेगी जैव विविधता

विजय गर्ग

भारत आज पर्यावरण अनुकूल पहल के नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरा है तो इसके पीछे समुदायों में पर्यावरण को लेकर जागरूकता एवं प्राचीन परंपराएं हैं। खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के अनुसार भारत में जंगली पौधें की 45,000 प्रजातियां हैं। इनमें से 7,500 प्रजातियां स्वदेशी स्वास्थ्य प्रथाओं के लिए औषधीय उपयोग में हैं। लगभग 3,900 पौधों की प्रजातियों का उपयोग आदिवासी भोजन के रूप में करते हैं। इनके अलावा कई पौधों का उपयोग लकड़ी, भवन निर्माण सामग्री के रूप में किया जाता है। 700 प्रजातियां नैतिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, सैंदर्य और सामाजिक दृष्टिकोण से सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण हैं। भारत ने दिखाई राह जैव विविधता पर संयुक्त राष्ट्र के शिखर सम्मेलन में भारत के पास साझा करने के लिए बहुत कुछ है। भारत ने नीतियों, नवाचार, सामाजिक उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग तंत्र विकसित करने की वकालत की है। हमारे पास विश्व के कुल भूमिक्षेत्र का 2.4 प्रतिशत है, लेकिन हमारी वैश्विक जातीय विविधता 8.1 प्रतिशत है। भारत सरकार ने जैव विविधता के संरक्षण के लिए कई कदम उठाए हैं। वन्यजीव संरक्षण की दिशा में 1972 में पारित वन्यजीव संरक्षण अधिनियम जहां मील का पत्थर साबित हुआ है, वहीं अन्य नीतिगत उपक्रमों का सकारात्मक परिणाम देखने को मिला है। इनमें प्रोजेक्ट टाइगर, प्रोजेक्ट एलीफेंट प्रोजेक्ट डाल्फिन प्रमुख नीतिगत पहल हैं। 20वीं सदी के मध्य तक देश में शिकार, मानवीय गतिविधियों एवं पर्यावास की कमी के कारण बाघों की संख्या में निरंतर गिरावट आ रही थी, लेकिन अब भारत विश्व के 70 प्रतिशत से अधिक बाघ का निवास है।

अपने आसपास जो जैव विविधता हम देखते हैं उसे तैयार होने में दो से तीन अरब वर्ष लगे हैं। अत्यधिक उद्योगीकरण, उपभोक्तावाद, तीव्र अनियोजित कृषि एवं शहरीकरण से पारिस्थितिकी तंत्र की सर्वाधिक नुकसान पहुंचा है। यह जलवायु में नकारात्मक परिवर्तन के रूप में हमारे सामने है। जैव विविधता का संरक्षण इसलिए भी आवश्यक है, क्योंकि समस्त जीव- जंतु, पादप, सरीसृप एक-दूसरे पर निर्भर हैं। विभिन्न प्रजातियों की आपसे सहजीविता प्रकृति के संतुलन के लिए जरूरी है। जैव विविधता की संपन्नता के लिए विख्यात कोलंबिया के कैली शहर में इन दिनों संयुक्त राष्ट्र जैव विविधता सम्मेलन चल रहा है। एक नवंबर तक चलने वाले इस आयोजन में 190 देशों के 12 हजार से अधिक प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। जैव विविधता के संरक्षण की दिशा में 2022 में कनाडा के मांट्रियल में अपनाया गया कुनमिंग मांट्रियल वैश्विक जैव विविधता ढांचा (जीबीएफ) एक बड़ी उपलब्धि है। कोलंबिया में इस संधि के क्रियान्वयन की समीक्षा की जा रही है। कुनमिंग मांट्रियल वैश्विक जैव विविधता ढांचे में 23 लक्ष्य निर्धारित किए गए थे। इनमें 30 प्रतिशत जमीन और समुद्री क्षेत्र की जैव विविधता की सुरक्षित करना तथा प्लास्टिक जनित प्रदूषण पर रोक सबसे प्रमुख हैं।

जीबीएफ में ऐसे सब्सिडी पर रोक लगाने का भी उल्लेख है, जो पर्यावरण प्रदूषण को बढ़ावा देती हो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह वैश्विक वार्ता इसलिए प्रासंगिक हो गई है, क्योंकि यहां बनी सहमति का सीधा असर अजरबैजान में प्रस्तावित संयुक्त राष्ट्र के वार्षिक जलवायु सम्मेलन (कोप-29) में दिखेगा। प्रजातियों से बचेगी जैव विविधता जलवायु परिवर्तन भूमि और समुद्र में प्रजातियों के अस्तित्व पर संकट पैदा करता है। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से तापमान बढ़ने के साथ यह संकट और भी बढ़ जाता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसर जलवायु परिवर्तन के कारण दुनिया में प्रजातियों की संख्या में एक हजार गुना वृद्धि हो रही है यह मानव इतिहास में किसी भी अन्य समय की तुलना में कहीं अधिक है। वहीं दूसरी और अगले कुछ दशकों में दस लाख प्रजातियों के विलुप्त होने का खतरा भी है। जंगल की आग, चरम मौसमी घटनाएं और आक्रामक कोट और बीमारियां जलवायु परिवर्तन से संबंधित अन्य खतरे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि कुछ प्रजातियां स्थानांतरित होकर जीवित रह पाएंगे, पर अन्य नहीं जलवायु विविधता के नष्ट होने से मत्स्य पालन, फसलें और पशुधन के खत्म होने का खतरा रहता है। इससे उनकी उत्पादकता कम होती है। समुद्र के अधिक अम्लीय होने से अरबों लोगों को भोजन देने वाले समुद्री संसाधन सिकुड़ रहे हैं। कई आर्कटिक क्षेत्रों में बर्फ के आवरण में परिवर्तन ने पशुपालन, शिकार और मछली पकड़ने से खाद्य आपूर्ति को बाधित किया है। गर्मी से घस के मैदन और पानी कम हो सकते हैं, जिससे

फसल की पैदावार कम हो सकती है और पशुधन प्रभावित हो सकता है। स्थानीय समुदाय को प्राथमिकता जैव विविधता के संरक्षण के लिए जितनी भी नीतियां बनाई जाती हैं, उनका क्रियान्वयन स्थानीय समुदायों की भागीदारी पर निर्भर करता है। स्थानीय समुदाय उस क्षेत्र के पारिस्थितकी तंत्र एवं जलवायु से परिचित होते हैं। ऐसे में उनका पारंपरिक ज्ञान जैव विविधता के संरक्षण में उपयोगी साबित होता है।

भारत आज पर्यावरण अनुकूल पहल के नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरा है तो इसके पीछे समुदायों में पर्यावरण को लेकर जागरूकता एवं प्राचीन परंपराएं हैं। खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के अनुसार भारत में जंगली पौधें की 45,000 प्रजातियां हैं। इनमें से 7,500 प्रजातियां स्वदेशी स्वास्थ्य प्रथाओं के लिए औषधीय उपयोग में हैं। लगभग 3,900 पौधों की प्रजातियों का उपयोग आदिवासी भोजन के रूप में करते हैं। इनके अलावा कई पौधों का उपयोग लकड़ी, भवन निर्माण सामग्री के रूप में किया जाता है। 700 प्रजातियां नैतिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, सैंदर्य और सामाजिक दृष्टिकोण से सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण हैं। भारत ने दिखाई राह जैव विविधता पर संयुक्त राष्ट्र के शिखर सम्मेलन में भारत के पास साझा करने के लिए बहुत कुछ है। भारत ने नीतियों, नवाचार, सामाजिक उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग तंत्र विकसित करने की वकालत की है। हमारे पास विश्व के कुल भूमिक्षेत्र का 2.4 प्रतिशत है, लेकिन हमारी वैश्विक जातीय विविधता 8.1 प्रतिशत है। भारत सरकार ने जैव विविधता के संरक्षण के लिए कई कदम उठाए हैं। वन्यजीव संरक्षण की दिशा में 1972 में पारित वन्यजीव संरक्षण अधिनियम जहां मील का पत्थर साबित हुआ है, वहीं अन्य नीतिगत उपक्रमों का सकारात्मक परिणाम देखने को मिला है। इनमें प्रोजेक्ट टाइगर, प्रोजेक्ट एलीफेंट प्रोजेक्ट डाल्फिन प्रमुख नीतिगत पहल हैं। 20वीं सदी के मध्य तक देश में शिकार, मानवीय गतिविधियों एवं पर्यावास की कमी के कारण बाघों की संख्या में निरंतर गिरावट आ रही थी, लेकिन अब भारत विश्व के 70 प्रतिशत से अधिक बाघ का निवास है। भारत अपने संपूर्ण जीव- जंतुओं की सूची तैयार करने वाला विश्व का पहला देश है। इस सूची में कुल एक लाख चार हजार 561 प्रजातियां हैं। समुद्री जैव विविधता संरक्षण केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय क्षेत्राधिकार से परे क्षेत्रों में समुद्री जैव विविधता के संरक्षण और निरंतर उपयोग की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। भारत ने सितंबर 2024 में राष्ट्रीय क्षेत्राधिकार से परे जैव विविधता समझौते (बीबीएनजे) पर हस्ताक्षर किया है। इसे हाईसीज संधि के नाम से भी जाना जाता है 100 से अधिक देश इस पर हस्तारक्ष कर चुके हैं। बीबीएनजे संधि समुद्री संसाधनों के दौहन में समावेशी पद्धतियों को प्रोत्साहित करती है। इसपर हस्ताक्षर करने वाले देश को उच्च समुद्री क्षेत्र से हासिल किए गए संसाधनों का समुचित वितरण करना होगा। यह संधि समुद्री संरक्षित क्षेत्र, समुद्री प्रौद्योगिकी, दक्षता संवर्धन, पर्यावरणीय प्रभाव के आकलन जैसे चार क्षेत्रों के लिए नियम बनाती है। बीबीएनजे समझौता संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन के तहत सदस्य देश पर अनिवार्य रूप से लागू होता है। समुद्री सीमा में नेविगेशन, ओवरफ्लाइट पनडुब्बी संचलन और पाइपलाइन बिछाने आदि कार्य सभी के लिए खुले होते हैं। कुलमिलाकर जैव विविधता का संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन एक-दूसरे से संबंधित हैं। ऐसे में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का पूर्वानुमान लगाकर ही जैव विविधता संरक्षण संभव है। जैव विविधता के समक्ष संकट की सबसे बड़ी वजह आक्रामक उपभोक्तावादी प्रवृत्ति है।

बेहतर शिक्षा के लिए भी हो सकता है एआई का प्रयोग

जस्टिना निक्सन

एआई का इस्तेमाल व्यापक और अधिक जटिल समस्याओं के लिए भी किया जा सकता है, खासकर शिक्षा में। यह बात केवल कपोल-कल्पना नहीं, वास्तविकता बनने की राह पर है, क्योंकि यह तकनीक पहले ही छात्रों की शिक्षा को बढ़ाने, बेहतर करियर के लिए नए रास्ते बनाने और आज की शिक्षा को कल की नौकरियों के साथ जोड़ने में मदद करने लगी है। हाल ही में आई एक रिपोर्ट में पाया गया कि अमेरिका में किए एक सर्वेक्षण में लगभग आधे शिक्षक और स्कूल प्रशासक- जो वर्तमान में अपने काम में एआई का उपयोग कर रहे हैं- वे इसकी क्षमता के बारे में आशान्वित हैं। लेकिन प्रशिक्षण की कमी इसे व्यापक रूप से अपनाने में बाधा बन रही है। सौभाग्य से, इस बाधा को पार करना अपेक्षाकृत सरल है। शुरुआत के लिए, बिजनेस लीडर्स और नीति-निर्माताओं को शिक्षकों को एआई और इसके व्यावहारिक अमल के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान करना चाहिए। इसे निःशुल्क ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से किया जा सकता है या इसे शिक्षा के विशिष्ट स्तरों या स्थानीय पाठ्यक्रम के लिए कस्टमाइज्ड किया जा सकता है। इससे शिक्षक नई तकनीक के साथ आत्मविश्वास हासिल कर सकेंगे और अपनी कक्षाओं में उनके प्रैक्टिकल के साथ प्रयोग शुरू कर सकेंगे। इसके अलावा, एआई में प्रशिक्षित शिक्षक उन छात्रों की मदद करने के लिए भी बेहतर ढंग से तैयार होते हैं, जो इस क्षेत्र के बारे में अधिक जानना चाहते हैं। आईबीएम के एक सर्वेक्षण से पता चलता है कि कई शिक्षार्थी अच्छी तनख्वाह वाली तकनीकी नौकरी करना चाहते हैं, लेकिन उनका मानना ??है कि वे इसके लिए अयोग्य हैं क्योंकि उनके पास शैक्षणिक योग्यता नहीं है। दूसरों का कहना है कि उन्हें बस यह नहीं पता कि शुरुआत कहां से करें। यहीं पर जनरेटिव एआई काम आता है : यह स्टूडेंट्स के स्तर और रुचियों से मेल खाने वाले कोर्सवर्क की सिफारिश कर सकता है और रियल-टाइम प्रतिक्रियाएं दे सकता है। एआई-संचालित समाधान छात्रों को ऐसे सलाहकारों से भी जोड़ सकते हैं, जो उन्हें उच्च शिक्षा और करियर की प्रगति पर सलाह दे सकते हैं। इसका परिणाम बीते दौर की ऑनलाइन लर्निंग की तुलना में अधिक व्यक्तिगत और तत्काल शैक्षिक अनुभव देने वाला होता है। एआई स्किल्स-गैप को कम करने में आने वाली एक महत्वपूर्ण बाधा इनोवेशन की तीव्र गति है, जिसके कारण विशेषज्ञता की पर्याप्त मांग पूरी नहीं हो पाई है। विश्व आर्थिक मंच के अनुसार, वैश्विक कार्यबल के आधे हिस्से को अप-स्किलिंग या री-स्किलिंग की आवश्यकता है, लेकिन प्रशिक्षण-बाजार वर्तमान में इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए तैयार नहीं है। चूंकि तकनीकी कौशल का जीवनकाल लगातार कम होता जा रहा है, इसलिए युवा छात्रों और आजीवन सीखने वाले दोनों को एआई के प्रशिक्षण में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। एआई उद्योगों और बाजारों में बड़े बदलाव ला रहा है और इसके अनुरूप व्यापक प्रतिक्रिया की आवश्यकता है- व्यक्तिगत प्रयास इसके लिए नाकाफी होंगे।

प्रियंका सौरभ
कॉलम

अदालतों में पीड़ितों को आखिर कब तक मिलती रहेगी तारीख-पे-तारीख

भारत में न्यायिक बैकलॉग एक बड़ी चुनौती है, जहाँ विभिन्न न्यायालयों में 4 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं। इस बैकलॉग का एक मुख्य कारण अत्यधिक न्यायिक स्थगन है, जो मामले के समाधान में देरी करता है और न्याय प्रदान करने में बाधा डालता है। कार्यवाही को सुव्यवस्थित करने के प्रयासों के बावजूद, बार-बार स्थगन प्रगति को बाधित कर रहे हैं। इस मुद्दे को सम्बोधित करने के लिए इसके मूल कारणों को समझना और व्यवस्थित सुधारों को लागू करना आवश्यक है। बार-बार स्थगन से मामलों की अवधि बढ़ जाती है, कभी-कभी अंतिम समाधान में वर्षों या दशकों तक का समय लग जाता है, जिससे न्यायपालिका की दक्षता प्रभावित होती है। प्रत्येक स्थगन मुकदमेबाजी के समग्र ख़र्च को बढ़ाता है, जिससे पक्षकारों पर वित्तीय बोझ पड़ता है, खासकर निम्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि वाले लोगों पर। स्थगन के कारण विस्तारित समयसीमा समय पर न्याय तक पहुँच को सीमित करती है, जिससे न्यायिक प्रणाली में जनता का विश्वास प्रभावित होता है।

अंडर ट्रायल से जुड़े आपराधिक मामलों में अक्सर कई स्थगन होते हैं, जिससे न्याय में देरी होती है और निष्पक्ष और त्वरित सुनवाई के आरोपी के अधिकार पर असर पड़ता है। स्थगन के कारण न्यायालय का बहुमूल्य समय नष्ट हो जाता है, जिसका उपयोग अन्य मामलों को निपटाने में किया जा सकता है, जिससे प्रणाली की समग्र दक्षता कम हो जाती है। स्थगन के कारण होने वाली देरी से गवाहों में थकान, स्मृति क्षरण और कभी-कभी पीछे हटने की प्रवृत्ति पैदा हो सकती है, जिससे साक्ष्य की गुणवत्ता और मामले के परिणामों पर असर पड़ता है। गवाहों को डराने-धमकाने के मामलों में, बार-बार स्थगन के कारण गवाह अपने बयान से मुकर जाते हैं या बदल देते हैं, जिससे फैसले पर असर पड़ता है। प्रक्रियात्मक संहिता स्थगन के लिए छूट प्रदान करती है, जिससे वकील रणनीतिक लाभ के लिए इस लचीलेपन का फायदा उठा सकते हैं। सिविल प्रक्रिया संहिता कुछ शर्तों के तहत स्थगन की अनुमति देती है, लेकिन कार्यवाही में देरी के लिए अक्सर इसका दुरुपयोग किया जाता है। उच्च केस लोड और सीमित न्यायालय कर्मचारी बार-बार स्थगन में योगदान करते हैं, क्योंकि न्यायाधीश प्रत्येक मामले को पर्याप्त समय आवंटित करने के लिए संघर्ष करते हैं। निचली अदालतों में, न्यायाधीशों पर अक्सर बहुत अधिक बोझ होता है, वे हर महीने सैकड़ों मामलों को संभालते हैं, जिसके परिणामस्वरूप सुनवाई स्थगित हो जाती है। पक्षकार व्यक्तिगत या रणनीतिक कारणों से कार्यवाही में देरी करने के लिए जानबूझकर स्थगन की मांग कर सकते हैं, जैसे कि वित्तीय देनदारियों में देरी या प्रतिकूल निर्णयों को स्थगित करना।

संपत्ति विवादों में, प्रतिवादी कभी-कभी समाधान के बिना कब्जे को लम्बा करने के लिए बार-बार स्थगन का अनुरोध करते हैं। प्रभावी केस प्रबंधन प्रणालियों की अनुपस्थिति का मतलब है कि मामलों को कुशलतापूर्वक शेड्यूल या मॉनिटर नहीं किया जाता है, जिससे अनावश्यक स्थगन होता है। डिजिटल केस-ट्रैकिंग सिस्टम की कमी वाले न्यायालयों को प्रशासनिक अक्षमताओं का सामना करना पड़ता है, जिससे केस की प्रगति की निगरानी करना और देरी को कम करना कठिन हो जाता है। प्रशिक्षित न्यायालय कर्मियों की सीमित उपलब्धता, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, प्रक्रियात्मक देरी और स्थगन के लिए बार-बार अनुरोध की ओर ले जाती है। प्रक्रियात्मक संहिताओं में संशोधन करके स्थगन की संख्या सीमित करें, ख़ास तौर पर दीवानी और आपराधिक मामलों में। कुछ उच्च न्यायालयों ने स्थगन की अधिकतम सीमा तीन प्रति मामले तक सीमित करने के लिए सुधार पेश किए हैं, जिससे केस समाधान समयसीमा में सुधार हुआ है। शेड्यूलिंग को सुव्यवस्थित करने, केस की प्रगति की निगरानी करने और न्यायालय के संसाधनों को प्रभावी ढंग से आवंटित करने के लिए डिजिटल केस प्रबंधन उपकरण लागू करें। ई-कोर्ट परियोजना का उद्देश्य कुशल केस ट्रैकिंग, पारदर्शिता बढ़ाने और अनावश्यक देरी को कम करने के लिए डिजिटल सिस्टम शुरू करना है। मामलों के कुशल निपटान को प्रोत्साहित करने और स्थगन को कम करने के लिए न्यायाधीशों और न्यायालय के कर्मचारियों के लिए प्रदर्शन प्रोत्साहन पेश करें। राज्यों ने ऐसी योजनाएँ लागू की हैं जो न्यायिक अधिकारियों को केस समयसीमा का पालन करने के लिए पहचानती हैं और पुरस्कृत करती हैं, जिससे जवाबदेही को बढ़ावा मिलता है।

केस हैंडलिंग क्षमता में सुधार के लिए, विशेष रूप से अधिक बोझ वाली अदालतों में, अतिरिक्त कर्मियों की नियुक्ति करके न्यायाधीशों की कमी को दूर करें। अतिरिक्त ज़िला न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए हाल ही में सरकार की पहल ने कुछ उच्च-लंबित क्षेत्रों में केस लोड को कम करने में मदद की है। वकीलों को नैतिक प्रथाओं पर शिक्षित करने, अनावश्यक स्थगन अनुरोधों को हतोत्साहित करने और समय पर केस समाधान को बढ़ावा देने के लिए कार्यशालाएँ आयोजित करें। कानूनी निकायों ने सतत व्यावसायिक विकास कार्यक्रम शुरू किए हैं, जिनका उद्देश्य कुशल मामले निपटान की संस्कृति विकसित करना है। भारत के न्यायिक बैकलॉग को सम्बोधित करने और न्याय वितरण को बढ़ाने के लिए न्यायिक स्थगन को कम करना आवश्यक है। केस प्रबंधन, स्थगन को सीमित करने और न्यायिक क्षमता का विस्तार करने जैसे उपायों को अपनाकर, न्यायपालिका एक कुशल प्रणाली की ओर प्रगति कर सकती है। यह सही कहा गया है न्याय में देरी न्याय से इनकार है।

डिजिटल अरेस्ट होने का रहस्य?

डॉ. अनिल कुमार निगम

आज भारतीय समाज में डिजिटल अरेस्ट बहुत बड़ी समबन कर उभरी है। यह साइबर क्राइम का नया स्वरूप है। पिछले कुछ महीनों से लोग बहुत तेजी से इसकी चपेट में आए हैं। हैरानी की बात यह है कि डिजिटल अरेस्ट का सबसे ज्यादा शिकार पढ़े-लिखे लोग मसलन डॉक्टर, अधिकारी, व्यवसायी, रिटायर्ड अधिकारी और सेना के अधिकारी हो रहे हैं। यह समस्या इतनी गंभीर होती जा रही है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी डिजिटल अरेस्ट के बारे में लोगों से सावधान रहने का आग्रह करना पड़ा।

इस गंभीर होती समस्या में दो बातें अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। पहला यह कि ज्यादातर पढ़े-लिखे लोग ही इसका शिकार क्यों हो रहे हैं? दूसरा, आखिरकार स्कैमर्स को लोगों का एकदम सटीक डेटा मिल कहां से रहा है? यह मामला इतना गंभीर है कि पिछले तीन महीने में केवल दिल्ली-एनसीआर में डिजिटल अरेस्ट के 600 से अधिक मामले चुके हैं। इनमें लगभग 400 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी हुई है। ये सभी पंजीकृत मामले हैं। दरअसल, डिजिटल अरेस्ट एक तरह का साइबर फ्रॉड होता है जिसमें धोखेबाज आपको अज्ञात नंबर से फोन या वीडियो कॉल करके पुलिस या प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) या आयकर विभाग का अधिकारी बनकर धमकाता है और आपसे पैसे ऐंठने की कोशिश करता है। वह आपको बताता है कि आप किसी अपराध में शामिल हैं अथवा संलिप्त हैं। वह आपसे पैसे की डिमांड करता है और कहता है कि अगर आप पैसे नहीं देते तो आपको गिरफ्तार कर लिया जाएगा

स्कैमर इस दौरान फोन कॉल डिसकनेक्ट नहीं करने देता और एक तरीके से वह आपको आपके घर या कार्यालय में ही डिजिटल अरेस्ट कर लेता है। वह आपको डराता है और कहता है कि आपके खिलाफ वारंट जारी हो चुका है या आपकी संपत्ति जब्त कर ली जाएगी। वह इस तरीके से फोन कॉल पर ही दबाव डालता है कि मामले को रफा-दफा करने के नाम से आपसे ऑनलाइन पैसे ट्रांसफर करा लेते हैं। सबसे अहम सवाल यह है कि फ्रॉड करने वाले इन स्कैमर्स को आपका सटीक डेटा मिलता कहां से है? ऑनलाइन स्कैमर्स, लोगों का डेटा कई तरीकों से हासिल करते हैं। फिशिंग ई-मेल या वेबसाइट स्कैमर्स, ई-मेल या एसएमएस के जरिए फिशिंग लिंक भेजते हैं। ये लिंक क्लिक करने पर, यूजर फ़ेक वेबसाइट पर पहुंच जाता है। वहां से स्कैमर्स, लोगों की जानकारी चुरा लेते हैं। स्कैमर्स, मोबाइल डिवाइस को मालवेयर से संक्रमित कर सकते हैं। इससे, डिजिटल वॉलेट ऐप से सीधे भुगतान जानकारी चुराई जा सकती है। स्कैमर्स, असली ऐप या वेबसाइट की तरह दिखने वाले नकली ऐप या वेबसाइट बनाते हैं। लोग कई बार ऐसे ऐप को अपने डिवाइस पर अनजाने में डाउनलोड कर लेते हैं। आज सोशल मीडिया का जमाना है और स्कैमर्स, सोशल इंजीनियरिंग हमलों का इस्तेमाल करके, यूजर को भुगतान डेटा साझा करने के लिए धोखा देते हैं। इसके अलावा स्कैमर्स, यूजर के डिवाइस और भुगतान टर्मिनलों के बीच संचार को बाधित करते हैं। उसके साथ ही वे भुगतान डेटा पर कब्ज़ा कर लेते हैं। कई बार ऐसा होता है कि हम सार्वजनिक स्थानों पर असुरक्षित वाई-फाई का इस्तेमाल कर लेते हैं। फ्राड करने वाले इसी दौरान हमारे डिवाइस पर ऐक्सेस लेकर हमारा डाटा चुरा लेते हैं। दूसरा अहम सवाल यह है कि पढ़े लिखे लोग भी स्कैमर्स के जाल में क्यों फंसते हैं? इसका प्रमुख कारण हैं लोगों के अंदर पुलिस और जांच एजेंसियों का डर।

शास्त्रों के अनुसार नैवेद्य चढ़ाए जाने के नियम जानिए–

ज्योतिषाचार्य पं.अविनाश मिश्र शास्त्री (चित्रकूटधाम)

नमक, मिर्च और तेल का प्रयोग नैवेद्य में नहीं किया जाता है। नैवेद्य में नमक की जगह मिष्ठान्न रखे जाते हैं। प्रत्येक पकवान पर तुलसी का एक पत्ता रखा जाता है। नैवेद्य की थाली तुरंत भगवान के आगे से हटाना नहीं चाहिए।

शिवजी के नैवेद्य में तुलसी की जगह बेलपत्र और गणेशजी के नैवेद्य में दूर्वा रखते हैं। नैवेद्य देवता के दक्षिण भाग में रखना चाहिए। कुछ ग्रंथों का मत है कि पका नैवेद्य देवता के बाईं तरफ तथा कच्चा दाहिनी तरफ रखना चाहिए। भोग लगाने के लिए भोजन एवं जल पहले अग्नि के समक्ष रखें। फिर देवों का आह्वान करने के लिए जल छिड़कें।

तैयार सभी व्यंजनों से थोड़ा-थोड़ा हिस्सा अग्निदेव को मंत्रोच्चार के साथ स्मरण कर समर्पित करें। अंत में देव आचमन के लिए मंत्रोच्चार से पुनः जल छिड़कें और हाथ जोड़कर नमन करें। भोजन के अंत में भोग का यह अंश गाय, कुत्ते और कौए को दिया जाना चाहिए। पीतल की थाली या केले के पत्ते पर ही नैवेद्य लगाएं। देवता को निवेदित करना ही नैवेद्य है। सभी प्रकार के प्रसाद में निम्न पदार्थ प्रमुख रूप से रखे जाते हैं- दूध-, मिश्री, शक्कर -नारियल, गुड़-नारियल, फल, खीर, भोजन इत्यादि पदार्थ। नैवेद्य अर्पित कर उसे प्रसाद रूप में खाने के लाभ! मन और मस्तिष्क को स्वच्छ, निर्मल और सकारात्मक बनाने के लिए हिन्दू धर्म में कई रीति-रिवाज, परंपरा और उपाय निर्मित किए गए हैं। सकारात्मक भाव से मन शांतचित्त रहता है। शांतचित्त मन से ही व्यक्ति के जीवन के संताप और दुख मिटते हैं। लगातार प्रसाद वितरण करते रहने के कारण लोगों के मन में भी आपके प्रति अच्छे भावों का विकास होता है। इससे किसी के भी मन में आपके प्रति राग-द्वेष नहीं पनपता और आपके मन में भी उसके प्रति प्रेम रहता है। लगातार भगवान से जुड़े रहने से चित्त की दशा और दिशा बदल जाती है। इससे दिव्यता का अनुभव होता है और जीवन के संकटों में आत्मबल प्राप्त होता है। देवी और देवता भी संकटों के समय साथ खड़े रहते हैं। भजन, कीर्तन, नैवेद्य आदि धार्मिक कर्म करने से जहां भगवान के प्रति आस्था बढ़ती है वहीं शांति और सकारात्मक भाव का अनुभव होता रहता है। इससे इस जीवन के बाद भगवान के उस धाम में भगवान की सेवा की प्राप्ति होती है और अगला जीवन और भी अच्छे से शांति व समृद्धिपूर्वक व्यतीत होता है। श्रीमद् भगवद् गीता (7/23) के अनुसार अंत में हमें उन्हीं देवी-देवताओं के स्वर्ग इत्यादि धामों में वास मिलता है जिसकी हम आराधना करते रहते हैं। श्रीमद् भगवद् गीता में भगवान श्रीकृष्ण, अर्जुन के माध्यम से हमें यह भी बताते हैं कि देवी-देवताओं के धाम जाने के बाद फिर पुनर्जन्म होता है अर्थात देवी-देवताओं का भजन करने से, उनका प्रसाद खाने से व उनके धाम तक पहुंचने पर भी जन्म-मृत्यु का चक्र खत्म नहीं होता है। (श्रीगीता 8/16)।

''ज्योतिष शास्त्र, वास्तुशास्त्र, वैदिक अनुष्ठान व समस्त धार्मिक कार्यो के लिए संपर्क करें: - श्री रामकृष्ण ज्योतिष केन्द्र श्रीरामकृष्णज्योतिष अनुष्ठान केन्द्र संपर्क सूत्र:- 7389695052,8085152180

मैं स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक के.सी. विश्नोई द्वारा के.सी. प्रकाशन प्रा0 लि0 एस-20 यू.पी.एस.आई.डी.सी. औद्योगिक क्षेत्र सरोजनीनगर जिला लखनऊ से मुद्रित कराकर 9/5 डालीबाग कालोनी लखनऊ से प्रकाशित
सम्पादकः के.सी. विश्नोई Mob. 9415006460 RNI NO. UPHIN/2010/35142 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों का चयन रिपोर्टरों/पीआरबी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन। (समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों और समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों की होगी)

संक्षिप्त खबरें

शिविर का अधीक्षक ने किया निरीक्षण: कहा- वैक्सीन नवजात शिशुओं के लिए सुरक्षा कवच

सिद्धार्थनगर। नवजात शिशुओं व गर्भवती महिलाओं के लिए वैक्सीन सुरक्षा कवच होता है, जो भविष्य में होने वाले जानलेवा बीमारियों से लड़ने की क्षमता प्रदान करता है। अधीक्षक सीएचसी सिरसिया डॉ. शैलेंद्र मणि ओझा ने वीएचएसएनडी टीकाकरण शिविर में ग्रामीणों को टीकाकरण के प्रति जागरूक करते हुए बताया। अधीक्षक डॉ. शैलेंद्र मणि ओझा के निरीक्षण के दौरान एएनएम के अमीषा तिवारी के द्वारा दी जाने वाली सेवाओं के विषय में गर्भवती महिला, सुमन 22 वर्ष, एकलवती 25 वर्ष, परवीन 23 वर्ष तथा सबीना 27 वर्ष आदि से भौतिक सत्यापन किया। सायरा, अकरम, वासु, जानवी, उस्मान, नासिर आदि बच्चों के अभिभावक से टीकाकरण के विषय में जानकारी ली गई। निरीक्षण के समय एएनएम अमीषा तिवारी, आशा प्रभादेवी तथा आंगनबाड़ी मेनका देवी मौजूद मिली। एएनएम के द्वारा यूरिन, पेट, वजन, हीमोग्लोबिन, बीपी, एचआईवी, सिफलिस आदि की जांच किया जा रहा था। अधीक्षक के द्वारा ग्राम वासियों को संस्थागत प्रसव के विषय में जागरूक करते हुए फायदे के बारे में बताया गया। इस मौके पर आंगनबाड़ी के द्वारा राशन का वितरण किया गया। सहदेव प्रसाद, सुमन, मंजू आदि उपस्थित रहे।

सीसी रोड का निरीक्षण करने पहुंचे डीएमः हुए नाराज

सिद्धार्थनगर। डीएम डॉ. राजा गणपति आर ने जोगिया विकास खंड के ग्राम भपसी में सीसी रोड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सीसी रोड की गुणवत्ता की जांच की। आरआरसी सेंटर की गुणवत्ता खराब पाए जाने पर नाराजगी जताई। उन्होंने सचिव को इसके लिए प्रतिकूल प्रविष्टि देने का निर्देश दिया। डीएम ने गांव का कूड़ा एकत्रित कर आरआरसी सेंटर पर लाने के लिए भी कहा। डीएम ने प्राथमिक विद्यालय भपसी का भी निरीक्षण किया। जहां स्कूल की छत टपक रही थी। उन्होंने इसको ठीक कराने के लिए स्टीमेट बनाने का निर्देश दिया। इसके अलावा, उन्होंने ग्राम पंचायत भपसी में काया कल्प योजना के तहत बन रहे पंचायत भवन, शौचालय और अन्य निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण किया। पंचायत भवन के निर्माण गुणवत्ता में कमी पाई गई। जिसके लिए डीएम ने उसे समय पर और बेहतर तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया। अंत में, डीएम ने अंत्येष्टि स्थल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने देखा कि उसकी नींव मानक के अनुरूप नहीं थी।बाउंड्रीवाल भी टूटी हुई थी। उन्होंने फिर से निर्माण कराने का आदेश दिया।

डीएम ने सुनीं फरियादें: दिए दिशा-निर्देश शिकायतकर्ताओं को भटकना न पड़े

प्रतापगढ़। कलेक्ट्रेट कार्यालय में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में जिलाधिकारी संजीव रंजन ने दूर-दराज से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण किया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि हर शिकायत का त्वरित समाधान आवश्यक है और यह सुनिश्चित किया जाए कि फरियादियों को अनावश्यक रूप से भटकना न पड़े। जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने राजस्व संबंधी शिकायतों के निस्तारण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच करे और शिकायतों का प्रभावी निस्तारण करे। इससे फरियादियों को बार-बार चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं होगी। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने अधिकारियों से यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचे और शासन की मंशानुसार उनकी समस्याओं का समाधान किया जाए।

सीनियर महिला बॉक्सिंग प्रतियोगिता चयन ट्रायल 8 को

जौनपुर। खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ के तत्वावधान में खेल विभाग और उत्तर प्रदेश बॉक्सिंग एसोसिएशन के सहयोग से प्रदेश स्तरीय खेल समन्वय सीनियर महिला बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन 14 से 17 नवम्बर, 2024 तक स्पोर्ट्स स्टेडियम बुलन्दशहर में किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता के लिए जौनपुर की सीनियर महिला बॉक्सिंग खिलाड़ियों का जनपदीय चयन परीक्षण 8 नवम्बर को 10.00 बजे से इन्दिरा गांधी स्टेडियम, सिद्दीकपुर में किया जाएगा। जनपद स्तर पर चयनित सीनियर महिला खिलाड़ी 9 नवम्बर को आयोजित मण्डल स्तरीय चयन/ट्रायल्स में भाग लेंगी, जो डॉ. भीमराव अम्बेडकर क्रीड़ा संकुल, लालपुर, वाराणसी में प्रातः 9.30 बजे से होगा। मण्डल स्तरीय चयन के बाद मण्डल की टीम का गठन किया जाएगा, जो प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेगी। इच्छुक खिलाड़ी चयन/परीक्षण में शामिल होने के लिए निर्धारित प्रारूप पर अपना पात्रता प्रमाण पत्र (फोटो सहित), आयु प्रमाण-पत्र (प्रधानाचार्य द्वारा प्रमाणित), आधार कार्ड और हाई स्कूल अंक पत्र की छायाप्रति लेकर आ सकते हैं।

यात्री सुविधा के लिए पूजा विशेष गाड़ियों का संचलन

खरी कसौटी ब्यूरो

गोरखपुर। छठ पर्व के अवसर पर-उत्तराखंड से/को चलाई जा रही विशेष गाड़ियों का विवरणः 06 नवम्बर, 2024 को 05045 लालकुआँ-राजकोट विशेष गाड़ी, लालकुआँ से 13.10 बजे चलाई जायेगी। 06 नवम्बर, 2024 को 05056 वाराणसी सिटी-लालकुआँ विशेष गाड़ी, वाराणसी सिटी से 14.15 बजे चलाई जायेगी। 06 नवम्बर, 2024 को 05097 टनकपुर-दौराई विशेष गाड़ी, टनकपुर से 18.25 बजे चलाई जायेगी। 06 नवम्बर, 2024 को 05046 राजकोट-लालकुआँ विशेष गाड़ी, लालकुआँ 04.05 बजे पहुँचेगी। 06 नवम्बर, 2024 को 05098 दौराई-टनकपुर विशेष गाड़ी, टनकपुर 09.35 बजे पहुँचेगी।

उत्तर प्रदेश से/को चलाई जा रही विशेष गाड़ियों का विवरणः 06 नवम्बर, 2024 को 09112 गोरखपुर-वडोदरा विशेष गाड़ी, गोरखपुर से 05.00 बजे चलाई जायेगी। 06 नवम्बर, 2024 को 09044 गोरखपुर-दहानू रोड विशेष गाड़ी, गोरखपुर से 13.00 बजे चलाई जायेगी। 06 नवम्बर, 2024 को 05064 मऊ-कोलकाता विशेष गाड़ी, मऊ से 13.30 बजे चलाई जायेगी। 06 नवम्बर, 2024 को 01080 गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस विशेष गाड़ी, गोरखपुर से 14.30 बजे चलाई जायेगी। 06 नवम्बर, 2024 को 05005 गोरखपुर-अमृतसर विशेष गाड़ी, गोरखपुर से 14.40 बजे चलाई जायेगी। 06 नवम्बर, 2024 को 04043 गोरखपुर-आनन्द विहार टर्मिनल विशेष गाड़ी, गोरखपुर से 17.25 बजे चलाई जायेगी। 06 नवम्बर, 2024 को 01416 गोरखपुर-पुणे विशेष गाड़ी, गोरखपुर से 17.30 बजे चलाई जायेगी। 06 नवम्बर, 2024 को 05029 गोरखपुर-बान्द्रा टर्मिनस विशेष गाड़ी, गोरखपुर से 19.00 बजे चलाई जायेगी। 06 नवम्बर, 2024 को 05003 गोरखपुर-दिल्ली विशेष गाड़ी, गोरखपुर से 21.15 बजे चलाई जायेगी।

06 नवम्बर, 2024 को 03134 गोरखपुर-सियालदह विशेष गाड़ी, गोरखपुर से 21.30 बजे चलाई जायेगी। 06 नवम्बर, 2024 को 09043 बान्द्रा टर्मिनस-गोरखपुर विशेष गाड़ी, गोरखपुर 09.30 बजे पहुँचेगी। 06 नवम्बर, 2024 को 01079 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-गोरखपुर विशेष गाड़ी, गोरखपुर 10.00 बजे पहुँचेगी। 06 नवम्बर, 2024 को 04044 आनन्द विहार टर्मिनल-गोरखपुर विशेष गाड़ी, गोरखपुर 14.00 बजे पहुँचेगी। 06 नवम्बर, 2024 को 01415 पुणे-गोरखपुर विशेष गाड़ी, गोरखपुर 16.00 बजे पहुँचेगी। 06 नवम्बर, 2024 को 03133 सियालदह-गोरखपुर विशेष गाड़ी, गोरखपुर 20.15 बजे पहुँचेगी।

बिहार से/को चलाई जा रही विशेष गाड़ियों का विवरणः 06 नवम्बर, 2024 को 02270 लखनऊ-छपरा विशेष गाड़ी, लखनऊ से 14.15 बजे चलाई जायेगी। 06 नवम्बर, 2024 को 05298 छपरा-पाटलिपुत्र विशेष गाड़ी, छपरा से 15.20 बजे चलाई जायेगी। 06 नवम्बर, 2024 को 05109 छपरा-आनन्द विहार टर्मिनल विशेष गाड़ी, छपरा से 17.45 बजे चलाई जायेगी। 06 नवम्बर, 2024 को 02269 छपरा-लखनऊ विशेष गाड़ी, छपरा से 23.00 बजे चलाई जायेगी।

06 नवम्बर, 2024 को 05297 पाटलिपुत्र-छपरा विशेष गाड़ी, छपरा 10.50 बजे पहुँचेगी। 06 नवम्बर, 2024 को 05112 नई दिल्ली-छपरा विशेष गाड़ी, छपरा 11.30 बजे पहुँचेगी। 06 नवम्बर, 2024 को 05114 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-छपरा विशेष गाड़ी, छपरा 12.50 बजे पहुँचेगी। 06 नवम्बर, 2024 को 05186 यशवंतपुर-छपरा विशेष गाड़ी, छपरा 23.55 बजे पहुँचेगी। पूर्वोत्तर रेलवे के स्टेशनों से होकर चलाई जा रही विशेष गाड़ियों का विवरणः 06 नवम्बर, 2024 को 04137 ग्वालियर-बरौनी विशेष गाड़ी चलाई जायेगी। 06 नवम्बर, 2024 को 04031 सहरसा-आनन्द विहार टर्मिनल विशेष गाड़ी चलाई जायेगी। 06 नवम्बर, 2024 को 04010 आनन्द विहार टर्मिनल-जोगबनी विशेष गाड़ी चलाई जायेगी। 06 नवम्बर, 2024 को 04068 दिल्ली-दरभंगा विशेष गाड़ी चलाई जायेगी। 06 नवम्बर, 2024 को 04067 दरभंगा-दिल्ली विशेष गाड़ी चलाई जायेगी। 06 नवम्बर, 2024 को 09418 दानापुर-अहमदाबाद विशेष गाड़ी चलाई जायेगी। 06 नवम्बर, 2024 को 04057 मुजफ्फरपुर-आनन्द विहार टर्मिनल विशेष गाड़ी चलाई जायेगी। 06 नवम्बर, 2024 को 04525 सहरसा-सरहिंद विशेष गाड़ी चलाई जायेगी। 06 नवम्बर, 2024 को 04006 दिल्ली-जयनगर विशेष गाड़ी चलाई जायेगी। 06 नवम्बर, 2024 को 05283 मुजफ्फरपुर-आनन्द विहार टर्मिनल विशेष गाड़ी चलाई जायेगी।

06 नवम्बर, 2024 को 05284 आनन्द विहार टर्मिनल-मुजफ्फरपुर विशेष गाड़ी चलाई जायेगी। 06 नवम्बर, 2024 को 04679 कामाख्या-श्री माता वैष्णो देवी कटरा विशेष गाड़ी चलाई जायेगी। 06 नवम्बर, 2024 को 04693 जयनगर-लुधियाना विशेष गाड़ी चलाई जायेगी। स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा के लिये व्यापक प्रबन्ध किये गये हैं। रेलवे सुरक्षा बल (आर.पी.एफ.) द्वारा यात्रियों को कतारबद्ध तरीके से ट्रेन में प्रवेश कराया जा रहा है। प्रमुख स्टेशन पर यात्री होल्डिंग एरिया बनाये गये हैं, जिसमें उद्घोषणा प्रणाली, ट्रेन डिस्प्ले बोर्ड, सिटिंग एरिया, सी.सी.टी.वी. कैमरे इत्यादि की व्यवस्था की गई है।

नई दिल्ली-सहरसा-नई दिल्ली पूजा विशेष गाड़ी का संचलन

गोरखपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा छठ पर्व पर यात्रियों की हो रही अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये यात्री जनता की सुविधा हेतु 04684/04683 नई दिल्ली-सहरसा-नई दिल्ली पूजा विशेष गाड़ी का संचलन नई दिल्ली से 06 नवम्बर,2024 को तथा सहरसा से 08 नवम्बर,2024 को एक फ़ेरे के लिये निम्नवत किया जायेगा।

04684 नई दिल्ली-सहरसा पूजा विशेष गाड़ी 06 नवम्बर,2024 को नई दिल्ली से 21.30 बजे प्रस्थान कर गाजियाबाद से 22.30 बजे, दूसरे दिन अलीगढ़ से 00.15 बजे, टुण्डला से 01.35 बजे, इटावा से 02.55 बजे, कानपुर सेण्ट्रल से 05.05 बजे, ऐशबाग से 06.35 बजे, बादशाहनगर से 07.02 बजे, बाराबंकी से 07.55 बजे, गोंडा से 09.30 बजे, बस्ती से 10.47 बजे, खलीलाबाद से 11.25 बजे, गोरखपुर से 12.45 बजे, देवरिया सदर से 14.00 बजे, सीवान से 15.35 बजे, छपरा से 17.15 बजे, सोनपुर से 18.30 बजे, हाजीपुर से 19.00 बजे, मुजफ्फरपुर से 20.20 बजे, समस्तीपुर से 21.35 बजे, दलसिंगसराय से 22.07 बजे, बरौनी से 23.40 बजे, तीसरे दिन बेगूसराय से 00.10 बजे, खगड़िया से 01.10 बजे तथा मानसी से 01.50 बजे छूटकर सहरसा 04.00 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 04683 सहरसा-नई दिल्ली पूजा विशेष गाड़ी 08 नवम्बर,2024 को सहरसा से 08.20 बजे प्रस्थान कर मानसी से 09.45 बजे, खगड़िया से 10.10 बजे, बेगूसराय से 10.55 बजे, बरौनी से 11.45 बजे, दलसिंगसराय से 12.30 बजे, समस्तीपुर से 13.15 बजे, मुजफ्फरपुर से 14.25 बजे, हाजीपुर से 15.45 बजे, सोनपुर से 16.10 बजे, छपरा से 18.00 बजे, सीवान से 19.00 बजे, देवरिया सदर से 20.05 बजे, गोरखपुर से 21.45 बजे, खलीलाबाद से 22.25 बजे, बस्ती से 23.00 बजे, दूसरे दिन गोंडा से 01.05 बजे, बाराबंकी से 03.00 बजे, बादशाहनगर से 03.55 बजे, ऐशबाग से 04.40 बजे, कानपुर सेण्ट्रल से 06.40 बजे, इटावा से 08.20 बजे, टुण्डला से 09.50 बजे, अलीगढ़ से 11.20 बजे तथा गाजियाबाद से 13.50 बजे छूटकर नई दिल्ली 15.10 बजे पहुंचेगी। इस गाड़ी में साधारण द्वितीय श्रेणी के 09, शयनयान श्रेणी के 04, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी का 01 तथा एस.एल.आर. के 01 कोच सहित कुल 15 कोच लगाये जायेंगे।

सियालदह-गोरखपुर अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी का संचलन

गोरखपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा छठ पर्व पर यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये 03133/03134 सियालदह-गोरखपुर-सियालदह अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी का संचलन सियालदह से 05 नवम्बर, 2024 दिन मंगलवार को तथा गोरखपुर से 06 नवम्बर, 2024 दिन बुधवार को 01 फ़ेरे के लिए निम्नवत किया जायेगा। 03133 सियालदह-गोरखपुर अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी 05 नवम्बर, 2024 दिन मंगलवार को सियालदह से 23.55 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन नैहाटी जं. से 01.12 बजे, बन्डेल से 01.50 बजे, बर्धमान से 03.05 बजे, दुर्गापुर से 04.08 बजे, आसनसोल से 05.00 बजे, चितरंजन से 05.25 बजे, मधुपुर से 06.42 बजे, जसीडीह से 07.30 बजे, झाझा से 09.05 बजे, किऊल से 10.02 बजे, बरौनी से 11.20 बजे, समस्तीपुर से 12.20 बजे, मुजफ्फरपुर से 13.30 बजे, हाजीपुर से 14.20 बजे, छपरा से 16.30 बजे, सीवान से 17.15 बजे तथा देवरिया सदर से 18.22 बजे छूटकर गोरखपुर 20.15 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 03134 गोरखपुर-सियालदह अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी 06 नवम्बर, 2024 दिन बुधवार को गोरखपुर से 21.30 बजे प्रस्थान कर देवरिया सदर से 23.25 बजे, दूसरे दिन सीवान से 00.40 बजे, छपरा से 02.10 बजे, हाजीपुर से 04.35 बजे, मुजफ्फरपुर से 05.35 बजे, समस्तीपुर से 06.45 बजे, बरौनी से 07.55 बजे, किऊल से 09.20 बजे, झाझा से 10.50 बजे, जसीडीह से 11.25 बजे, मधुपुर से 11.52 बजे चलेगी।

छठ पूजा को लेकर रेलवे प्रशासन द्वारा विशेष ट्रेनों का संचलन

खरी कसौटी ब्यूरो

गोरखपुर। छठ पर्व के अवसर पर रेल यात्रियों की सुगम आवाजाही के लिये रेलवे प्रशासन द्वारा विशेष ट्रेनों का संचलन किया जा रहा है। इन विशेष ट्रेनों में 05 नवम्बर, 2024 को सायं बर्थ/सीट की उपलब्धता निम्नवत है।

वाराणसी सिटी से 12 नवम्बर, 2024 को प्रस्थान करने वाली 05056 वाराणसी सिटी-लालकुआँ विशेष गाड़ी के वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 14, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 13 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 136 बर्थ उपलब्ध है। वाराणसी सिटी से 19 नवम्बर, 2024 को प्रस्थान करने वाली 05056 वाराणसी सिटी-लालकुआँ विशेष गाड़ी के वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 20, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 33, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 239 एवं शयनयान श्रेणी में 121 बर्थ उपलब्ध है। गोरखपुर से 20 नवम्बर, 2024 को प्रस्थान करने वाली 04043 गोरखपुर-आनन्द विहार टर्मिनल विशेष गाड़ी के वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 13 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 01 बर्थ उपलब्ध है। गोरखपुर से 17 नवम्बर, 2024 को प्रस्थान करने वाली 05023 गोरखपुर-आनन्द विहार टर्मिनल विशेष गाड़ी के वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 69 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 495 बर्थ उपलब्ध है। टनकपुर से 13 नवम्बर, 2024 को प्रस्थान करने वाली 05097 टनकपुर-दौराई विशेष गाड़ी के वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 27 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 83 बर्थ उपलब्ध है। टनकपुर से 15 नवम्बर, 2024 को प्रस्थान करने वाली 05097 टनकपुर-दौराई विशेष गाड़ी के वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 11 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 107 बर्थ उपलब्ध है। टनकपुर से 18 नवम्बर, 2024 को प्रस्थान करने वाली 05097 टनकपुर-दौराई विशेष गाड़ी के वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 23 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 125 बर्थ उपलब्ध है। टनकपुर से 20 नवम्बर, 2024 को प्रस्थान करने वाली 05097 टनकपुर-दौराई विशेष गाड़ी के वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 23 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 126 बर्थ उपलब्ध है। लालकुआँ से 20 नवम्बर, 2024 को प्रस्थान करने वाली 05045 लालकुआँ-राजकोट विशेष गाड़ी के वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 53, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 251 एवं शयनयान श्रेणी के 390 बर्थ उपलब्ध है। मऊ से 07 नवम्बर, 2024 को प्रस्थान करने वाली 05301 मऊ-आनन्द विहार टर्मिनल विशेष गाड़ी के वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 50 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 326 बर्थ उपलब्ध है। मऊ से 14 नवम्बर, 2024 को प्रस्थान करने वाली 05301 मऊ-आनन्द विहार टर्मिनल विशेष गाड़ी के वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 65 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 01 बर्थ उपलब्ध है। गोरखपुर से 15 नवम्बर, 2024 को प्रस्थान करने वाली 04517 गोरखपुर-चंडीगढ़ विशेष गाड़ी के वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 04, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 75, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 98 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 27 बर्थ उपलब्ध है। छपरा से 06 नवम्बर, 2024 को प्रस्थान करने वाली 05109 छपरा-आनन्द विहार टर्मिनल विशेष गाड़ी के वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 42 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 74 बर्थ उपलब्ध है। बलिया से 18 नवम्बर, 2024 को प्रस्थान करने वाली 04497 बलिया-आनन्द विहार टर्मिनल विशेष गाड़ी के वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 06 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 650 बर्थ उपलब्ध है। लखनऊ से 06 नवम्बर, 2024 को प्रस्थान करने वाली 02270 लखनऊ-छपरा विशेष गाड़ी के एग्जीक्यूटिव श्रेणी में 34 एवं द्वितीय श्रेणी चेयरकार में 141 सीट उपलब्ध है। लखनऊ से 07 नवम्बर, 2024 को प्रस्थान करने वाली 02270 लखनऊ-छपरा विशेष गाड़ी के एग्जीक्यूटिव श्रेणी में 36 एवं द्वितीय श्रेणी चेयरकार में 404 सीट उपलब्ध है। लखनऊ से 08 नवम्बर, 2024 को प्रस्थान करने वाली 02270 लखनऊ-छपरा विशेष गाड़ी के एग्जीक्यूटिव श्रेणी में 39 एवं द्वितीय श्रेणी चेयरकार में 393 सीट उपलब्ध है। लखनऊ से 09 नवम्बर, 2024 को प्रस्थान करने वाली 02270 लखनऊ-छपरा विशेष गाड़ी के एग्जीक्यूटिव श्रेणी में 36 एवं द्वितीय श्रेणी चेयरकार में 417 सीट उपलब्ध है। गोरखपुर से 15 नवम्बर, 2024 को प्रस्थान करने वाली 05634 गोरखपुर-नारंगी विशेष गाड़ी के शयनयान श्रेणी में 136 बर्थ उपलब्ध है। मऊ से 18 नवम्बर, 2024 को प्रस्थान करने वाली 04824 मऊ-जोधपुर विशेष गाड़ी के वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 18 बर्थ उपलब्ध है।

दीवान बोले- मदरसों के लिए आज खुशी का दिन

वाराणसी। सुप्रीम कोर्ट ने मदरसा बोर्ड को खत्म करने के मामले में मंगलवार को अहम फैसला सुना दिया । कोर्ट ने इस याचिका को खारिज कर दिया और प्रदेश सरकार को निर्देशित करते हुए मदरसों की व्यवस्था को सुचारू और मॉर्डन शिक्षा से जोड़ने के मसौदे पर काम करने का फैसला किया है। मदारिसे अरबिया उत्तर प्रदेश के टीचर एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी दीवान साहेबजमा से। दीवान साहेबजमा इस मुकदमें में वादी भी थे। दीवान साहेबजमा ने बताया कि आज का दिन मदरसा बोर्ड के लिए उससे जुड़े हर व्यक्ति के लिए बहुत ही खुशी का और महत्वपूर्ण दिन है। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच ने आज हाईकोर्ट के 22 मार्च 2024 के उस फैसले को रद्द कर दिया। जिसके जरिए हमारे मदरसा एक्ट को असंवैधानिक घोषित करते हुए रद्द कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने ये बात दिया कि हिंदुस्तान में न्यायपालिक सबसे अच्छी और इंसाफ परस्त है। दीवान साहेबजमा ने बताया – हमारे ऊपर हमेशा एक आरोप लगता है कि हमारे यहां मेन स्ट्रीम की पढ़ाई नहीं होती। जबकि हमारे यहां दर्जा 8 तक सभी सब्जेक्ट पढ़ाए जाते हैं। हमारे यहां जो मुंशी, मौलवी और आलिम की तालीम है। वहां हम में स्ट्रीम में कुछ सब्जेक्ट नहीं पढ़ते क्योंकि हमारे पास अध्यापक नहीं हैं।

प्रयागराज महाकुंभ में आपात स्थितियों से निपटने को भीष्म क्यूब की तैनाती

खरी कसौटी ब्यूरो

प्रयागराज। महाकुम्भ-2025 में आपात स्थितियों से निपटने के लिए योगी सरकार ने व्यापक तैयारी की है। महाकुम्भ में पहली बार भीष्म क्यूब की तैनाती की जा रही है, जो अत्याधुनिक तकनीक से युक्त क्रांतिकारी मोबाइल अस्पताल है। गौरतलब है कि 22 जनवरी 2024 में अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान भी भीष्म क्यूब की तैनाती की गई थी।

संयुक्त निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य, प्रयागराज डॉ. वी.के. मिश्रा ने बताया कि एक भीष्म (बैटलफील्ड हेल्थ इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर मेडिकल सर्विसेज) क्यूब 200 लोगों का एक साथ उपचार कर सकता है। भीष्म क्यूब में सर्जिकल सुविधाएं, डायग्नोस्टिक टूल्स और रोगी के देखभाल से संबंधित सभी सुविधाएं मौजूद हैं। ये बेहद मजबूत, वॉटरप्रूफ और हल्के हैं। इससे तुरंत इलाज की सुविधा शुरू की जा सकती है। यह चिकित्सा सेवाओं के प्रभावी समन्वय, वास्तविक समय में निगरानी और कुशल प्रबंधन को सुगम बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डाटा एनालिटिक्स को एकीकृत करता है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि भीष्म क्यूब की पूरी यूनिट को आसानी से हाथ, साइकिल या ड्रोन द्वारा भी ले जाया जा सकता है। इस चलते-फिरते अस्पताल की खासियत यह है कि इसे आपातकालीन परिस्थितियों में विमान से एयरड्रॉप किया जा सकता है। भीष्म क्यूब 12 मिनट के भीतर तैनात होने की क्षमता रखता है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि इन पोर्टेबल हॉस्पिटल क्यूब्स का विकास और परीक्षण भारतीय वायुसेना, भारतीय स्वास्थ्य सेवा संस्थानों और डिफेंस टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट्स ने मिल कर किया है। गौरतलब है कि इसी साल अगस्त में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी यूक्रेन यात्रा के दौरान राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की को भीष्म क्यूब की यूनिट्स भेंट स्वरूप दी थीं।

तांत्रिक ने कहा था- पत्नी तरक्की में बाधा: पूरे परिवार का कत्ल

खरी कसौटी ब्यूरो

वाराणसी। शराब कारोबारी ने अपने पूरे परिवार को खत्म कर दिया। मंगलवार सुबह 4 बजे पत्नी, 2 बेटे और 1 बेटी को सोते वक्त गोली मारी। फिर सुसाइड कर लिया। वारदात का पता उस वक्त चला, जब दोपहर में सफाई करने नौकरानी पहुंची, तब पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस पहुंची तो 4 लाशें मकान में पड़ी थीं, लेकिन आरोपी घर पर नहीं था।

पुलिस ने कारोबारी की तलाश शुरू की। 8 घंटे बाद यानी 12 बजे घटनास्थल से 10 किलोमीटर दूर एक निर्माणाधीन मकान में उसका शव मिला। पूरी वारदात भेलूपुर थाना के भदैनी की है। पुलिस जांच में पता चला कि आरोपी तांत्रिक के चक्कर में पड़ गया था। तांत्रिक ने उसे बताया था कि पत्नी तरक्की में बाधा है। इस वजह से वह अक्सर पत्नी से झगड़ता रहता था। दूसरी शादी करने की बात करता था। मृतकों की पहचान आरोपी राजेंद्र गुप्ता (45), पत्नी नीतू गुप्ता (42), बेटा नवनेंद्र (20),

सुबेंद्र (15) और बेटी गौरांगी (16) के रूप में हुई है। बड़ा बेटा नवनेंद्र बेंगलुरु में स्थित मल्टीनेशनल कंपनी में इंजीनियर था। छोटा बेटा और बेटी पढ़ते थे। आरोपी राजेंद्र पिता, भाई और गार्ड की हत्या कर चुका है। पैरोल पर बाहर आया था। आरोपी कारोबार की न्यूड लाश मिली है। लाश मच्छरदानी में पड़ी थी। आरोपी के गर्दन में गोली लगी हुई थी। पुलिस जांच में पता चला है कि आरोपी ने गांव में खेती करने जमीन खरीदी थी। कुछ दिन पहले मकान बनना शुरू किया था। आज उसी निर्माणाधीन मकान में शक मिला है। रीता के पति ने बताया कि पत्नी 11 बजे जब घर साफ करने पहुंची। उसने दरवाजा खोला तो नीतू बेड पर गिरी हुई थी। इसके बाद वह बेहोश हो गई। कॉलोनी की महिलाओं ने उसकी सूचना फिर पुलिस को दी। किराएदारों के मुताबिक, राजेंद्र आए दिन पत्नी से झगड़ा करता था। दूसरी शादी करने की बात करता था। उसे किसी तांत्रिक ने बताया था कि पत्नी तरक्की में बाधा है। इस वजह से वह अक्सर पत्नी से झगड़ता रहता था। राजेंद्र की मां काफी बुजुर्ग होने के चलते वह ठीक से न तो बोल पा रहीं और न चल-फिर पा रही हैं। अभी घर में सिर्फ वही बची हैं। पुलिस ने करीब आधे घंटे तक पूछताछ की है। हालांकि, वह ज्यादा कुछ बता नहीं सकीं।

संक्षिप्त खबरें

सूदखोरों से परेशान रिक्शा चालक ने दी जानः पत्नी ने तीन भाइयों के खिलाफ दी तहरीर, बोली-मकान कब्जा करने की दी थी धमकी

प्रयागराज। यमुनानगर के करछना थाना अंतर्गत डीहा गांव में रिक्शा चालक ने सूदखोरों से परेशान होकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पत्नी का कहना है, उनके पति सूदखोरों से परेशान थे, वह उन्हें मकान कब्जा करने की धमकी दे रहे थे। रुपए चुकाने के बाद भी उनके पति को परेशान किया जा रहा था। सूदखोरों से तंग आकर उनके पति ने फंदा लगाकर जान दे दी। पत्नी ने पुलिस को तहरीर दी है। यमुनानगर के करछना थाना अंतर्गत डीहा गांव निवासी राजा बाबू के माता-पिता की मौत हो चुकी है। वह मुंबई में रिक्शा चलाकर परिवार का पालन पोषण कर रहे थे। उनकी पत्नी सुमन देवी अपनी तीन बेटियों के साथ गांव में रहती हैं। दीपावली पर राजाबाबू घर आए थे। मंगलवार की सुबह कमरे में पत्नी की साड़ी के फंदे से छत के चुल्ले में फांसी लगा ली। घरवालों ने देखा तो उनकी चीख निकल गई। गांव वालों ने राजा बाबू को नीचे उतारा, लेकिन तब तक में उसकी मौत हो चुकी थी। पत्नी सुमन देवी के मुताबिक राजा बाबू ने कुछ महीने पहले गांव के ही दिनेश सोनकर, मनोज सोनकर और मुन्ना सोनकर से कुछ रुपए उधार लिए थे। जिसे राजाबाबू ने चुकता कर दिया था। बावजूद इसके तीनों भाई अपना पैसा बकाया बता रहे थे। सुमन के अनुसार 4 नवंबर की शाम 7:00 बजे दिनेश, मनोज और मुन्ना सोनकर ने मिलकर उसके पति को मारा पीटा था। घर कब्जा करने की धमकी दी थी। आरोपियों का कहना है कि उन्होंने जो रुपए दिए थे, उसका 10,000 रुपए अभी भी बकाया है। जबकि पत्नी का दावा है कि उनके पति ने बताया था कि पूरा पैसा चुकता कर दिया है। इसके बाद भी यह लोग परेशान कर रहे थे। सूदखोरों ने धमकी दी थी कि अगर राजाबाबू उनके बकाया 10,000 रुपए नहीं देगा तो वो तीनों लोग उसका घर कब्जा कर लेंगे। इसी धमकी से डरे राजा बाबू ने जान दे दी। पत्नी ने बताया कि एक साल पहले रुपए लिए थे। चार माह पहले पति ने ब्याज समेत पूरे पैसे वापस कर दिए थे। सुमन देवी ने दिनेश सोनकर, मनोज सोनकर और मुन्ना सोनकर के खिलाफ करछना थाने में नामजद तहरीर दी है।

महिला पुलिस ने बताया गुड और बैड टचः प्रतापगढ़ में मिशन शक्ति के तहत जागरूक किया, क्रिकेट लीग की शुरुआत

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में प्रतापगढ़ में मिशन शक्ति फ़ेज 5.0 के तहत महिला और बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर एक व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा के विभिन्न उपायों और हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जागरूक करना था। जिले के विभिन्न थानों की एंटी रोमियो टीमों ने इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस अभियान में थाना दिलीपपुर, हथिगवां, सांगीपुर, और कुंडा की एंटी रोमियो टीमों ने क्षेत्र के विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों का दौरा किया। टीमों ने वहां छात्र-छात्राओं को हेल्पलाइन नंबर 1090, 112, 181, 1098, 1076, 1930 और ''गुड टच-बैड टच'' के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान बच्चों को सुरक्षा उपायों, खतरनाक स्थितियों में मदद पाने के लिए इन नंबरों का सही तरीके से उपयोग करने की जानकारी दी गई। एंटी रोमियो प्रभारी ने क्षेत्र में गशत भी की और बालिकाओं को सुरक्षा से जुड़े विभिन्न उपायों से अवगत कराया। इसके अलावा, उन्होंने संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए स्थानीय नागरिकों को जागरूक किया और उन्हें सर्तक रहने की हिदायत दी। पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार ने इस अभियान के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा प्राथमिकता है और इस तरह के जागरूकता अभियानों से समाज में सुरक्षित माहौल स्थापित किया जा सकता है। उन्होंने कहा मिशन शक्ति के तहत हम लगातार महिलाओं और बालिकाओं के अधिकारों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत हैं और आगे भी इस तरह के अभियानों को तेज किया जाएगा। प्रतापगढ़ क्रिकेट लीग सीजन-06 का शुभारंभ आज, 5 नवंबर 2024, को पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में स्टेडियम में बड़ी संख्या में खेल प्रेमी और प्रतिभागी मौजूद रहे। डॉ. अनिल कुमार ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए खेल के महत्व पर बल दिया और उन्हें अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

युवक को मारी गोलीःप्रधान के घर पर काम करने पर दी धमकी

प्रतापगढ़। लीलापुर थाना क्षेत्र के तेजगढ़ में मिठाई बनाने के बाद घर लौटते समय एक हलवाई पर जानलेवा हमला हुआ। ग्राम प्रधान के घर से मिठाई बनाकर लौट रहे कारीगरों को धमकी देने का विरोध करना एक युवक को महंगा पड़ गया। आरोपियों ने गोली चलाई, जो युवक के पैर में लगी। घायल को तत्काल प्रयागराज के अस्पताल ले जाया गया, जहां ऑपरेशन कर गोली निकाली गई। तेजगढ़ पूरे आचार्य गांव निवासी आदिल के भाई आसिफ और उनके साथी ग्राम प्रधान साजिद के घर से मिठाई बनाकर रात में लौट रहे थे। तेजगढ़ बाजार के पास पूरे आचार्य गांव के अरबाज, अयूब, साजेद, और अनवर ने कारीगरों को गाली-गलौज करते हुए धमकाना शुरू कर दिया। आरोपियों ने प्रधान के घर पर काम करने को लेकर हाथ-पैर तोड़ने की धमकी दी। कारीगर दिलीप वर्मा ने उनकी धमकी को अनसुना किया तो आरोपियों ने उसे पीटना शुरू कर दिया और गाड़ी में बैठाकर जबरन अपने मुर्गी फार्म ले जाने की कोशिश की। इस घटना की सूचना मिलते ही आदिल अपने भाई और अन्य लोगों के साथ वहां पहुंचा और दिलीप को मुक्त कराया। इसी बीच ग्राम प्रधान साजिद भी वहां आ गए। आरोपियों ने प्रधान पर फायरिंग की, लेकिन गोली आदिल के भाई आसिफ के पैर में जा लगी। घायल आसिफ को परिवारवालों ने रात में ही प्रयागराज के अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने ऑपरेशन कर गोली निकाली।

डीएम ने गौ संरक्षण केन्द्र, ई-बस चार्जिंग स्टेशन, हॉकी क्लब का किया निरीक्षण

खरी कसौटी संवाद

शाहजहांपुर। मंगलवार को जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने न्यू ककरा सिटी स्थित गौ संरक्षण केन्द्र बनाये जाने हेतु किये जा रहे कार्यों का जायजा लिया। 2.50 हे में 500 क्षमता का गौशाला, 2.60 हे में नन्दी शाला तथा गौ आश्रय स्थल 0.63 हे में 250 क्षमता गौ संरक्षण निर्माण कराया जाएगा।

जिलाधिकारी ने नगर आयुक्त को निर्देश दिये कि 15 नवम्बर तक भूमि को समतल करके आवश्यक प्रबन्ध सुनिश्चित किये जाए। उन्होने कहा कि किसी भी बड़े पेड़ों को न हटाया जाए। जिलाधिकारी ने नगर निगम की संचालित ई-बस सेवा के संबंध में चार्जिंग स्टेशन पहुंचकर व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने ई-बस सेवा कमांड सेंटर में जीपीएस लोकेशन आदि की जानकारी ली तथा संबंधितों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने नगर में बढ़ते ई-रिक्शा से ट्रैफिक की समस्या दृष्टिगत नगर आयुक्त डॉ विपिन कुमार को निर्देश दिए कि बरेली मोड़ से राजघाट पुलिस चौकी, केरूगंज चौराहा, जेल रोड एवं कलेक्ट्रेट होते हुए रोडवेज बस स्टैंड तक 06 ई-बस सेवा स्पेशल शहर के लिए ही संचालित की जाए। उन्होंने कहा बेसों के रुकने के स्थलों का चयन कर लिया जाए तथा वहां पर संकेत भी लगाया जाए।

इस दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाए की लोगों को 10 से 15 मिनट के अंतराल में बेसें मिलती रहे। पहले 30 नवंबर से 3 तथा 1 दिसंबर से 3 बसे कुल 6 ई-बसों के संचालन तैयारी समय से पूर्ण कर ली जाए, 3 बसें बरेली मोड़ से एवं 03 बसें रोडवेज बस अड्डे से संचालित की जाए। तत्पश्चात जिलाधिकारी ने हॉकी क्लब पहुंचकर पवेलियन मल्टीपरपज हॉल बनाने के संबंध में निरीक्षण किया।

उन्होंने पवेलियन मल्टीपरपज हाल आदि निर्माण के संबंध में कार्य योजना तैयार हेतु कार्यदायी संस्था सीएनडीएस के अभियंता को निर्देशित किया। इस दौरान नगर आयुक्त डॉ विपिन कुमार मिश्र, अपर नगर आयुक्त एस के सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

एक सप्ताह में हैण्डओवर करें कार्यदायी संस्थाएं: डीएम

खरी कसौटी संवाद

रू. 50 लाख से अधिक लागत की निर्माणाधीन भवन परियोजनाओं की समीक्षा के लिए देर शाम कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित, दिए गये निर्देश

बहराइच। रू. 50 लाख से अधिक लागत की निर्माणाधीन भवन परियोजनाओं की समीक्षा के लिए सोमवार को देर शाम कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी मोनिका रानी ने प्रशासकीय विभागों को निर्देश दिया कि विभिन्न निर्माण परियोजनाओं की गुणवत्ता का समय-समय पर स्वयं निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति का नियमित रूप अनुश्रवण कर यह सुनिश्चित करें कि हो रहे निर्माण कार्य शासन द्वारा निर्धारित मानकों खरे उतरें। सम्बन्धित अधिकारियों से कहा गया कि प्रत्येक माह किये गये निरीक्षण की निरीक्षण आख्या डीएम को उपलब्ध कराई जाये तथा समीक्षा बैठक में निरीक्षण आख्या के साथ सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित होंगे। समीक्षा के दौरान पाया गया कि जनपद में कुल रू. 749.04 करोड़ की लागत से विभिन योजनाओं के अंतर्गत रू. 50 लाख से अधिक लागत की कुल 96 परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। अब तक रू. 456.80 करोड़ की धनराशि का व्यय कर 86 प्रतिशत वित्तीय एवं 63 प्रतिशत भौतिक प्रगति प्राप्त की गयी हैं। माध्यमिक शिक्षा से सम्बन्धित निर्माण कार्य प्रोजेक्ट अलंकार, मल्टीपरपज हॉल, कम्प्यूटर लैब आदि कार्यों में जिला विद्यालय निरीक्षक के शिथिल पर्यवेक्षण पर डीएम ने असंतोष व्यक्त करते हुए निर्देश दिया कि अपेक्षित सुधार लाया जाय।

समस्त कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिया गया कि सीएमआईएस पोर्टल पर निर्माण कार्य की प्रगति के फीडिंग अनिवार्य रूप से अद्यतन रखना सुनिश्चित करें एवं निर्माण कार्यों का नियमित निरीक्षण करें। कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिया गया कि यदि निर्माणाधीन परियोजनाओं के निर्माण में किसी भी प्रकार का व्यवधान एवं भूमि विवाद उत्पन्न होता है तत्काल प्रशासकीय विभाग को समाधान हेतु अवगत कराया जाए। डीएम ने कहा कि इस सम्बन्ध में प्रशासकीय विभाग का दायित्व होगा कि वे उत्पन्न व्यवधान का समुचित निराकरण कराएं जिससे कार्य की प्रगति एवं निरन्तरता प्रभावित न हो।

डीएम ने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिया कि निर्माण कार्यों को समयबद्ध रूप से गुणवत्ता के साथ मानक के अनुरूप पूर्ण कराएं तथा निर्माण कार्य से सम्बन्धित माइल स्टोन का माहवार लक्ष्य का चार्ट उपलब्ध कराएं, जिसके सापेक्ष निर्माण कार्य की मासिक प्रगति की समीक्षा की जा सके। डीएम ने निर्देश दिया कि जिन परियोजनाओं का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया हैं, उन्हें एक सप्ताह में प्रशासकीय विभागों के हैण्डओवर करा दिया जाए। साथ ही प्रशासकीय विभागों को निर्देश दिया कि हैण्डओवर होने वाली परियोजनाओं को जनोपयोग में लाया जाय। डीएम ने कहा कि वर्तमान में जिन परियोजनाओं की भौतिक प्रगति 85 प्रतिशत या इससे अधिक है, आगामी माह तक कार्य पूर्ण कर लिया जाय। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र, अपर जिलाधिकारी गौरव रंजन श्रीवास्तव, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार, पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर रमेश चन्द्र पाण्डेय, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. राजेश उपाध्याय, जिला विद्यालय निरीक्षक मनोज कुमार अहिरवार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी डॉ. अर्चना सिंह तथा सम्बन्धित कार्यदायी संस्थाएं एवं निर्माण कार्य से सम्बन्धित प्रशासकीय विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

जनपद में 07 नवम्बर से प्रारम्भ होगा खाद्यान्न का वितरण

बहराइच। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि जनपद के समस्त अन्त्योदय अन्न योजना तथा पात्र गृहस्थी योजना के कार्डधारकों को माह नवम्बर 2024 में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजनान्तर्गत नियमित वितरण का कार्य 07 से 25 नवम्बर 2024 तक होगा। अन्त्योदय अन्न योजना के कार्डधारकों को प्रति राशन कार्ड 35 कि.ग्रा. खाद्यान्न (18 कि.ग्रा. चावल 17 कि.ग्रा. गेहूँ) तथा पात्र गृहस्थी योजना कार्डधारकों को प्रति यूनिट 05 कि.ग्रा. खाद्यान्न (2.5 कि.ग्रा. चावल तथा 2.5 कि.ग्रा. गेहूँ) का वितरण निःशुल्क किया जायेगा। डीएसओ ने बताया कि वितरण की अन्तिम तिथि 25 नवम्बर 2024 को आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से आवश्यक वस्तुएं प्राप्त न कर सकने वाले उपभोक्ताओं को मोबाइल ओ.टी.पी. वेरीफिकेशन के माध्यम से खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण किया जायेगा। समस्त उचित दर विक्रेताओं को सचेत किया गया है कि वितरण अवधि में निर्धारित चौहद्दी में ही कार्डधारकों से ई-पॉस मशीन पर अंगूठा लगवाकर तत्समय ही लाभार्थी को मानक के अनुसार खाद्यान्न का वितरण सुनिश्चित करें। यदि किसी विक्रेता के विरूद्ध अनियमितता की शिकायत प्राप्त होती है तो सम्बन्धित के विरूद्ध नियमानुसार कठोर कार्यवाही अमल में लायी जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

दिलशाद व एहतिशाम उमरा के मुकद्दस सफर पर रवाना

शाहजहांपुर। शहर के मोहल्ला खलील गर्बी से दिलशाद हुसैन व खलील शर्की से मोहम्मद एहतिशाम को परिजनों ने मुबारकबाद देते हुए उमरा के मुकद्दस सफर के लिए नम आंखों से विदा किया। मोहल्ला खलील गर्बी से दिलशाद हुसैन को मां नूरजहां ने और मोहल्ला खलील शर्की से उमरा पर जाने वाले मोहम्मद एहतेशाम को उनके वालिद मोहम्मद सलीम व मां हाशमी बेगम ने उमरा के लिए नम आंखो से रवाना किया। इस दौरान हुई महफ़िल में शाहनवाज कादरी ने नात व मनक़बत व सलातो सलाम ने पेश किया। अंत मे बड़ी मस्जिद के इमाम हाफ़िज ज़ाहेद अंसारी ने दिलशाद व एहतिशाम को खुशहाली व सलामती की दुआ दी। गुलपोशी करने वालो मे मोहम्मद नसीम, भन्नू, मतलूब , रेशमा, नसीर अहमद, गफ्फार हुसैन, शहनाज बेगम, मोहम्मद रज़्ज़ाक, मोहम्मद जीशान, सबिया, इसरार हुसैन, सायरा बेग़म, शादाब, तबारक हुसैन, ईशान हुसैन, ज़ीनत , मोहम्मद तारिक, मोहम्मद इमरान, राज़दा, तरन्नुम, मोहम्मद रिज़वान, सैय्यद सोनी, अखलाक हुसैन, शबनम, इक़बाल हुसैन, सीमा बानो, अनस हुसैन इदरीसी, यशब हुसैन इदरीसी, इकरार हुसैन, सायरा बेगम, सानिया इदरीसी, शायना इदरीसी, रोशन जहां, डाक्टर इरशाद हुसैन सहित बड़ी संख्या मे लोग मौजूद रहे।

सांसद व विधायक ने चीनी मिल पेराई सत्र का किया शुभारंभ

शाहजहांपुर। रोजा चीनी मिल में नवीन पेराई सत्र का शुभारंभ हो गया। गन्ना पेराई से पूर्व मिल में विधिवत हवन पूजन किया गया। सर्वप्रथम चीनी मिल में पहले गन्ना ट्राली तौल कराने वाले सुनील कुमार सिंह, मोहित सिंह निवासी रामापुर बरकतपुर को अंग वस्त्र एवं मिठाई देकर सम्मानित किया गया। शुभारंभ के दौरान सांसद अरुण कुमार सागर, ददरौल विधायक अरविंद सिंह, महानगर अध्यक्ष शिल्पी गुप्ता, डॉ. केडी सिंह, विजय वर्मा, शरद कुमार सिंह, नवनीत कुमार सिंह, सुनील कुमार सिंह, गन्ना प्रबंधक प्रवीण सिंह, आनंद दिक्षित, श्याम बाबू दीक्षित, मोदी दीक्षित, रोजा गन्ना समिति अध्यक्ष त्रिवेंद्र सिंह, संजय सिंह, पूर्व शिक्षक विधायक संजय मिश्रा, मिल महाप्रबंधक पंकज गोयनका सहित मिल का समस्त स्टाफ और नागरिक मौजूद रहे।

मॉडल, अभिनेत्री व टीवी आर्टिस्ट सुम्बुल का ज़ोरदार स्वागत

शाहजहांपुर। मशहूर मॉडल, अभिनेत्री व टीवी आर्टिस्ट सुम्बुल का यहां अपनी ददीहाल शाहजहांपुर पहुंचने पर ज़ोरदार स्वागत किया गया। ज़िले के मतलूब हसन खान की पोती सुम्बुल तौकीर खान एक मॉडल, अभिनेत्री व टीवी आर्टिस्ट है। सम्बुल के करियर को उनके पिता तौकीर हसन खान ने दिशा व दशा दी है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत डांस शो से की थी। लेकिन बाद में वह अभिनय की दुनिया में आ गई। अपने पिता तौकीर खान की देखरेख में उन्होंने अनेक टीवी धारावाहिकों में काम किया और दर्शकों से प्रशंसा पाई। 2014 में अकबर बीरबल, जोधा अकबर, 2015 में आहट, आस्था अटूट विश्वास है, 2016 में वारिस आदि धारावाहिको में काम किया। इसके अलावा 2017 में प्यार तूने क्या किया, चक्रधारी अजय कृष्णा, 2018 में दिल ही तो है, चंद्रगुप्त मौर्य, 2019 में आर्टिकल 15 में अभिनय कर दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा। 2019 में ही इशारों इशारों में धारावाहिक में उन्होंने खुशी श्रीवास्तव का पात्र निभाया। 2020 में इमली धारावाहिक में इमली का मुख्य किरदार निभाकर चर्चा और प्रशंसा पाई। उन्होंने डेविल से शादी में भी अभिनय किया। सोनी टीवी के धारावाहिक काव्या एक जज्बा एक जुनून में काव्या नामक आईएएस ऑफिसर का दमदार रोल निभाया। सुम्बुल को बिग बॉस सीजन 16 में भी शामिल होने का मौका मिला। बिग बॉस में अभिनेता सलमान खान से उनकी मुलाकात और बातचीत सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थी। सुम्बुल को वर्ष 2023 में अपने क्षेत्र में योगदान के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवार्ड भी मिल चुका है। शाहजहांपुर में सुम्बुल की ददिहाल है। यहां उनके दादा जनाब अब्दुल सबूर खान, अब्दुल माबूद खान, अब्दुल वदूद खान गुड्डू व अब्दुल रऊफ खान बबलू स्पोर्ट्स के पिता अब्दुल गफूर खान सेंट पॉल इंटर कॉलेज में गेम टीचर रह चुके हैं। सुम्बुल के कजिन फरहान खान, खुशबू सबूर, फराह सबूर, सलमान खान, नौशीन, अब्दुल रहमान खान, अब्दुल फैजान खान आदि सेंट पॉल के स्टूडेंट रह चुके हैं। वर्तमान में नवा खान कक्षा 10 की छात्रा है। सुम्बुल 3 दिन के प्रवास पर अपनी ददीहाल शाहजहांपुर आई है। यहां सम्बुल का स्वागत हो रहा है। मोहल्ला बाडू जई पेशावरी में अब्दुल सबूर खान के आवास पर स्वागत कार्यक्रम में उपहार व पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत व सम्मान किया गया। सुम्बुल की सफलता पर शाहजहांपुर के तमाम लोगों ने बधाई और शुभकामनाएं देने के साथ ही आशीर्वाद दिया है।

कुर्क हुयी सम्पत्ति, प्रशासन की मौजूदगी में बजे नगाड़े

बहराइच। न्यायालय जिलाधिकारी बहराइच के आदेश दिनांक 21 अक्टूबर 2024 द्वारा अन्तर्गत धारा-14 (1) गिरोहबन्द एवं असामाजिक क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम 1986 बमुकदमा सरकार बनाम देवेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ गब्बर सिंह जिसमें अभ्युक्ति देवेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ गब्बर सिंह पुत्र स्व. रामफल सिंह निवासी मोहनपुर माफी थाना पयागपुर जनपद बहराइच हालपता मो. रायमपुर राजा निकट केडिया अस्पताल, जेल रोड थाना कोतवाली देहात स्थित जनपद बहराइच द्वारा आपराधिक कृत्यों से अर्जित अचल सम्पत्ति मो. रायपुर राजा स्थित मकान संख्या 424 (एम-2) व अभियुक्त देवेन्द्र प्रताप सिंह उपरोक्त की पत्नी श्रीमती सारिका सिंह के नाम मकान संख्या 424 (एम-1) भूमि एवं मकानों की जिसकी अनुमानित कीमत लगभग रू. 1.46,81,269/- को नगर मजिस्ट्रेट बहराइच को प्रशासक नियुक्त कर कुर्की करने के आदेश दिये गये थे। न्यायालय जिलाधिकारी बहराइच के आदेश दिनांक 21 अक्टूबर 2024 के अनुपालन में नगर मजिस्ट्रेट बहराइच श्रीमती शालिनी प्रभाकर के नेतृत्व में उपजिलाधिकारी (प्रशिक्षु) सुश्री अंजनी यादव, पुलिस क्षेत्राधिकारी (नगर) रमेश चन्द्र पाण्डेय, तहसीलदार (सदर) अनिरूद्ध कुमार यादव व प्रभारी निरीक्षक कोतवाली देहात मय राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम के द्वारा कुर्की की कार्यवाही सम्पादित की गयी। नगर मजिस्ट्रेट ने बताया कि कुर्की की कार्यवाही के पूर्व डुग्गी पिटवाकर कृत कार्यवाही की फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी भी करायी गयी।

समेकित प्रोत्साहन योजना से सिनेमाघरों का होगा कायाकल्प

बहराइच। सहायक आयुक्त राज्य कर खण्ड-1 बहराइच अजय कुमार वर्मा ने बताया कि जन-सामान्य को स्वस्थ मनोरंजन उपलब्ध कराने, प्रदेश में निवेश व राजस्व वृद्धि के साथ-साथ अधिकाधिक रोजगार सृजन के उद्देश्य से बन्द या संचालित सिनेमाघरों को यथास्थिति, पूर्ण रूप से तोडकर व्यावसायिक गतिविधियों सहित उन्हे पुनः संचालित करवाने, बन्द अथवा संचालित सिनेमाघरों को रिमॉडल करवाने, मल्टीप्लेक्स विहीन जनपदों में यथाशीघ्र मल्टीप्लेक्स खुलवाने, मल्टीप्लेक्स/एकल स्क्रीन सिनेमाघरों के निर्माण को प्रोत्साहित करने, संचालित छविगृहों के उच्चीकरण तथा संचालित एकल स्क्रीन सिनेमाघरों के स्वामियों की समस्याओं के समाधान हेतु शासन द्वारा समेकित प्रोत्साहन योजना लागू की गई है। श्री वर्मा ने बताया कि समेकित प्रोत्साहन योजना के सम्बन्ध में अधिक जानकारी हेतु इच्छुक व्यक्ति मो.न. 7235001792 अथवा केडीसी रोड, मेडिकल कालेज के सामने स्थित राज्य कर कार्यालय बहराइच से सम्पर्क कर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने छठ महापर्व के दृष्टिगत जिलाधिकारी एवं नगर आयुक्त को निर्देश दिए

खरी कसौटी संवाद

विभिन्न घाटों एवं पूजा स्थलों पर व्यापक साफ सफाई एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के दिए निर्देश

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने लोक आस्था के छठ महापर्व के दृष्टिगत जिलाधिकारी शाहजहांपुर एवं नगर आयुक्त को जनपद के विभिन्न घाटों एवं पूजा स्थलों पर व्यापक साफ सफाई एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि शाहजहांपुर के विभिन्न घाटों पर आयोजित होने वाले छठ पूजा में आने वाले श्रद्धालुओं एवं उपासकों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने निर्देश दिए हैं कि सभी घाटों पर साफ-सफाई के साथ-साथ प्रकाश का समुचित प्रबंध अनिवार्य रूप से कराया जाए। घाटों पर आने वाले श्रद्धालुओं हेतु शुद्ध पेयजल के प्रबंध हेतु भी उन्होंने निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी प्रकार की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए, जिससे छठ महापर्व के उपासकों को अपने व्रत, पूजा एवं अर्घ्य की प्रक्रिया और पवित्रता में कोई व्यवधान न उत्पन्न हो। मंत्री सुरेश खन्ना ने निर्देश दिए हैं कि छठ पूजा घाटों व पूजा स्थलों एवं उनके आसपास और पहुंच मार्गों पर बेहतर साफ-सफाई व्यवस्था को विशेष रूप से सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था एवं नगर निगम द्वारा चालित शौचालय की भी व्यवस्था घाटों एवं पूजा स्थलों पर की जाए।

जन सुनवाई दिवस पर नगर आयुक्त ने सुनी जनता की समस्याएं, पांच में से तीन निस्तारित

खरी कसौटी संवाद

शाहजहांपुर। नगर आयुक्त डॉ बिपिन कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में मंगलवार को प्रातः दस बजे से दो बजे तक सिस्टेमैटिक एडमिनिस्ट्रेटिव, मैकेनिज्म, ब्रिगिंग, हैपीनेन्स एण्ड वैल्यू (सम्भव) के अन्तर्गत नगर निगम कार्यालय में जन सुनवाई दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें नगर क्षेत्र के जन-सामान्य द्वारा जन-सुनवाई दिवस में सम्मिलित होकर साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल की आपूर्ति, प्रकाश बिन्दु, नाली निर्माण एवं कर विभाग से सम्बन्धित अपनी-अपनी समस्याओं एवं शिकायतों को रखा गया। जन सुनवाई दिवस में नगर क्षेत्र से प्राप्त जन समस्याओं-शिकायतों को गंभीरता पूर्वक सुना गया व जन-समस्याओं का गंभीरतापूर्वक संज्ञान लेते हुये संबन्धित विभागों के अधिकारियों/ कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि प्राप्त शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर जन-सामान्य की संतुष्टि, समदृष्टि को ध्यान में रखते हुये ससमय निस्तारण कराया जायें। जन-सुनवाई दिवस में पांच समस्यायें/ शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से तीन समस्या का मौके पर निस्तारण किया गया तथा शेष समस्याओं के निस्तारण हेतु संबन्धित अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देशित किया गया। समस्त नगरवासियों से अपील की गई कि प्रत्येक मंगलवार को नगर निगम कार्यालय में आयोजित होने वाले जन सुनवाई दिवस में सक्रिय प्रतिभाग कर नगर निगम शाहजहांपुर द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं से सम्बन्धित समस्याओं को रख सकते है, जिनका निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराया जायेगा। जन सुनवाई दिवस में अपर नगर आयुक्त एस के सिंह, संयुक्त नगर आयुक्त संगीता कुमारी, महाप्रबंधक जल सौरभ श्रीवास्तव, अधिशासी अभियंता निर्माण आशीष त्रिवेदी व अन्य अधिकारी कर्मचारीगण तथा नगर के जन-सामान्य द्वारा सक्रिय प्रतिभाग किया गया।

हजरत गुलाब शाह मियां का तीन दिवसीय 172 वां वार्षिक उर्स ए जमाली शुरू

(खरी कसौटी संवाद)

शाहजहांपुर। हजरत सैयद जमालुल्लाह शाह उर्फ हजरत गुलाब शाह मियां रहमतुल्लाह अलैह का तीन दिवसीय 172 वां वार्षिक उर्स ए जमाली कस्बा पुवायां के घनश्यामपुर बुजुर्ग (कहमारा) में शुरू हो गया। खानकाह आलिया जमालिया पुवायां के सज्जादा नशीन हजरत सैयद आले रसूल मियां नूरी कादरी की सरपरस्ती में मंगलवार को फज्र की नमाज के बाद कुरआन ख्वानी और फातिहा ख्वानी का आयोजन किया गया। हाफिज साबिर हुसैन इमाम नूरी मस्जिद और मौलाना साजिद रजा इमाम मदीना मस्जिद निगोही रोड ने पवित्र कुरआन की आयतें पढ़ीं और साहिब ए उर्स को ईसाल ए सवाब किया। साहब ए सज्जादा हजरत सैयद आले रसूल मियां नूरी कादरी ने कौम व मिल्लत की खुशहाली और तरक्की के लिए दुआ की। जायरीन ने मजार पर चादरपोशी व गुलपोशी की। पूरे दिन नज्र व नियाज़ का दौर चलता रहा। मगरिब की नमाज के बाद केजीएन कमेटी के सदर जाबिर अली व सदस्यों ने जायरीन में लंगर का वितरण किया। इशा की नमाज के बाद जलसा ए मीलाद हुआ। जिसकी शुरुआत तिलावत ए कुरआन से हुई। जलसे में मौलाना साजिद रज़ा ने वलियों के आदर्श जीवन पर प्रकाश डाला और लोगों से पूर्ण विश्वास के साथ सच्चा जीवन जीने का आह्वान किया। हाफिज साबिर हुसैन व मौलाना सहीम रज़ा ने अपने संबोधन में हजरत सैयद जमाल उल्ला शाह मियां उर्फ गुलाब शाह मियां के आध्यात्मिक जीवन और सेवाओं के बारे में बताया। इस दौरान तौफीक रजा शाहिदी, गुलफाम रज़ा ने नात व मनकबत पेश की। जलसे की सरपरस्ती सैयद आले रसूल मियां नूरी ने की। जबकि अध्यक्षता हाफिज व कारी साबिर हुसैन तथा नेतृत्व मौलाना साजिद रजा ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जायरीन उपस्थित थे। उर्स व जलसा के आयोजन में केजीएन कमेटी के अध्यक्ष जाबिर अली, कोषाध्यक्ष वसीम खान, जमील अहमद मंसूरी, हनीफ मंसूरी, शाहनूर मंसूरी, इब्राहिम अली, नोशे अली, बासिद अली, यूनुस खान, इब्राहीम अली, सनव्वर अली व इश्तियाक अली आदि का सहयोग रहा। सज्जादा नशीन ने बताया कि आज 6 नवंबर को फज्र की नमाज के बाद कुरआन ख्वानी और फातिहा ख्वानी और इशा की नमाज के बाद उलेमा ए किराम की तकरीर होगी। 7 नवंबर को फज्र की नमाज के बाद कुरआन ख्वानी और फातिहा ख्वानी होगी। पूर्वाह्न 11 बजे कुल शरीफ होगा। इसके बाद लंगर वितरित किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

अमरिया में सपा की बैठक

पीलीभीत। अमरिया में समाजवादी पार्टी 127 विधानसभा क्षेत्र की मासिक बैठक आज अमरिया में एक फॉर्म हाउस पर विधानसभा अध्यक्ष इम्तियाज अल्वी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में मुख्य अतिथि सपा प्रदेश सचिव असलम जावेद अंसारी ने कहा कि पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुये कहा कि समाजवादी पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि वे निरन्तर जनता के बीच बने रहें और उनकी समस्याओं के निराकरण का प्रयास करें। विधानसभा अध्यक्ष इम्तियाज अल्वी ने कहा कि दवाई, पढाई, विकास के मोर्चो पर अपने-अपने क्षेत्रों में निरन्तर संघर्ष को जारी रखने के साथ ही पदाधिकारी, और कार्यकर्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के मार्गदर्शन में पार्टी की मजबूती में जुट जाय। सपा अल्पसंख्यक सभा के पूर्व राष्ट्रीय सचिव सरदार पलविंदर सिंह ने कहा कि आज किसानों को उनकी फसलों का वाजिब मूल्य नहीं मिल पा रहा है। जबकि खाद, बीज और डीजल आदि के दाम बढ़ रहे हैं।बैठक में सपा जिला उपाध्यक्ष मखदूम खान,जिला कोषाध्यक्ष एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य गयासुद्दीन मंसूरी,समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के पूर्व प्रदेश सचिव शीबू अखलाक मलिक आदि ने भी संबोधित किया।

6 को रहेगा रेल यातायात अवरुद्ध

बरेली। इज्जतनगर मंडल के किच्छा-बहेड़ी रेलवे स्टेशनों के मध्य स्थित समपार संख्या 35/सी भंगा गाँव पर बी.सी.एम. मशीन द्वारा रेलपथ पर बैलास्ट की छनाई, ओवर हालिंग एवं पैकिंग का कार्य करने हेतु 6 नवम्बर, 2024 को प्रातः 10.00 बजे से अगले दिन 7 नवम्बर, 2024 को प्रातः 06.00 बजे तक सड़क यातायात हेतु बन्द रहेगा।उक्त समपार का वैकल्पिक मार्ग पुलभट्टा स्थित समपार संख्या 36/स्पेशल एवं गाँव डंडिया स्थित समपार संख्या 34/सी से होगा।

गन्ना आयुक्त ने पीलीभीत की सभी चीनी मिलों को जारी किया गन्ना क्षेत्र सुरक्षण आदेश

पीलीभीत। गन्ना आयुक्त प्रभु सिंह उत्तर प्रदेश ने जनपद पीलीभीत की सभी चीनी मिलों के लिए पेराई सत्र 2024-25 हेतु गन्ना क्षेत्र सुरक्षण आदेश जारी कर दिया है द्य जनपद पीलीभीत की दो निजी क्षेत्र एवं दो सहकारी क्षेत्र की चीनी मिलों हेतु आदेश जारी किया गया है जिले की 4 चीनी मिलों द्वारा 188 क्रय केन्द्रों पर गन्ना विकास समितियों के माध्यम से गन्ना खरीद की जायेगीद्य गन्ना खरीद से पहले चीनी मिलें सहकारी गन्ना विकास समितियों से अनुबंध करेंगी द्य सबसे ज्यादा 123 क्रय केन्द्रों पर एल. एच. चीनी मिल, 45 क्रय केन्द्रों पर बरखेड़ा चीनी मिल,13 क्रय केन्द्रों पर पूरनपुर चीनी मिल एवं 7 क्रय केन्द्रों पर बीसलपुर चीनी मिल समिति के सदस्य किसानों से गन्ना खरीद करेंगी द्य इसके अलावा पडोसी जिले की फरीदपुर चीनी मिल 7 , निगोही चीनी मिल 12, मकसूदापुर चीनी मिल 12 एवं गुलरिया चीनी मिल 7 क्रय केन्द्रों पर गन्ना खरीद करेंगी इस प्रकार जिले के किसानों से कुल 8 चीनी मिलें गन्ना खरीद करेंगी गन्ना आयुक्त उत्तर प्रदेश द्वारा मिलों को आदेश दिये गये है कि कोई भी चीनी मिल क्रय केन्द्र के स्थान में कोई परिवर्तन न करे क्रय केंद्र उसी राजस्व ग्राम मे स्थापित किया जायेगा जिस नाम से वह स्वीकृत किया गया है क्रय केन्द्रों पर तौल लिपिक, निरीक्षण पुस्तिका, गन्ना यातायात सुविधा, किसानों के लिए पेयजल, पशुओं के पानी पीने के लिए नाद आदि की व्यवस्था भी चीनी मिलों को करनी होगी क्रय केन्द्रों के समुचित संचालन समेत अन्य व्यवस्थाओं के लिए सचिव सहकारी गन्ना विकास समिति पीलीभीत, पूरनपुर, बीसलपुर, मझोला, ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक पीलीभीत, पूरनपुर, बीसलपुर, बरखेड़ा एवं मझोला को दिशा-निर्देश दिये गये हैं गन्ना क्रय केन्द्रों पर जिलाधिकारी द्वारा जारी तौल लाइसेंस वाले तौल लिपिक ही तौल कार्य करेंगे बिना लाइसेंस के कोई भी तौल लिपिक तौल कार्य नहीं करेगा।

डीएम ने क्रॉप कटिंग के माध्यम से जानी धान की औसत उत्पादकता

पीलीभीत। जिलाधिकारी ने क्रॉप कटिंग के माध्यम से धान की औसत उत्पादकता का अपने सामने क्राप कटिंग करा कर औसत जाना। ग्राम रूपपुर कमालू विकासखण्ड ललौरी खेड़ा में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत चयनित खेत जो ग्राम के रामपाल पुत्र जोगराज की गाटा संख्या 324/2 क्षेत्रफल 0.200 हे एव ग्राम के तिलकराम पुत्र मिढ़ाई लाल की गाटा संख्या 485 क्षेत्रफल 0.284 हे. पर धान की क्रॉप कटिंग जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह की उपस्थिति में की गई। जिलाधिकारी ने क्रॉप कटिंग से सम्बन्धित बिन्दुओं का निरीक्षण किया तथा उपस्थित किसानों से वार्ता की।इस दौरान तहसीलदार सदर, लेखपाल, ग्राम प्रधान सहित अन्य उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के तत्वाधान में हुयी बैठक

नानपारा बहराइच। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के तत्वावधान में आज पौराणिक शिवालय बाग शिव मंदिर परिसर में भगवान चित्रगुप्त की आराधना कर समाज मे व्याप्त कुरीतियों को दूर करने का सामूहिक संकल्प लिया गया तथा समाज व धर्म को मजबूत करने के लिए जन जागरण अभियान चलाए जाने की बात तय की गई। पौराणिक शिवालय बाग शिव मंदिर परिसर में आयोजित कायस्थ महासभा की ओर से आयोजित बैठक का शुभारंभ भगवान चित्रगुप्त के चित्र के समक्ष पूजन अर्चन एवं वैदिक मंत्रोउच्चार के साथ हुआ। बैठक को संबोधित करते हुए महंत शिवालय बाग (शिव मंदिर) वीरेन्द्र गिरी जी महाराज ने कहा कि , कायस्थ समाज सनातन काल से ही धर्म एवं देश की रक्षा के लिए कटिबद्ध एवँ प्रतिबद्ध रहा है कालांतर में बढ़ रहे सामाजिक कुरीतियों वैचारिक छरण हुआ है जो कि समाज के लिए घातक है महंत वीरेंद्र गिरी जी महाराज ने आवाहन करते हुए कहा कि हम सब मिलकर समाज मे व्याप्त दहेज प्रथा , नशाखोरी , आदि को दूर करने के लिए प्रभावी सामूहिक अभियान चलाए ताकि कायस्थ समाज मजबूत होकर धर्म एवं राष्ट्र के नवनिर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सके और अखण्ड भारत विश्व गुरु बना रह सके।

रूल ऑफ लॉ सोसायटी अध्यक्ष ने बताया कि , समाजमे नशा प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है जिसपर स्थाई विराम लगाने के लिए समान विचारधारा वाले समाजिक व धार्मिक संगठनों के साथ मिलकर प्रभावी जन जागरण अभियान चलाया जा रहा है , नशा पर प्रभावी नियंत्रण के लिए समाज को नशा उन्मूलन आंदोलन में बढ़ चढ़कर सहभागिता के लिए भी अध्यक्ष ने आवाहन किया। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा जिलाध्यक्ष समाजसेवी अनुज श्रीवास्तव ने कहा कि , कायस्थ समाज का गौरवशाली इतिहास रहा है हमारे पूर्वजों स्वामी विवेकानंद , नेताजी सुभाषचंद्र बोस , जय प्रकाश नारायण , लाल बहादुर शास्त्री आदि मनीषियों व नेतृत्व कर्ताओं ने समूचे विश्व को नई दिशा दी है अब आवश्यक इस बात की है कि समाज की एकता व अखंडता के लिए कायस्थ महासभा को प्रभावी अभियान चलाकर मजबूत किया जाए ताकि हम समाज के साथ साथ देश का भी नेतृत्व कर सकें। कार्यक्रम का संचालन तहसील महामंत्री ध्यान प्रकाश श्रीवास्तव ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रदेश उपाध्यक्ष विकास श्रीवास्तव एडवोकेट ने किया। आयोजित बैठक को वरिष्ठ पत्रकार अभिलाष श्रीवास्तव मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

नवागत खंड विकास अधिकारी आलोक वर्मा ने लंभुआ का संभाला पदभार

सुलतानपुर। नवागत खंड विकास अधिकारी आलोक कुमार वर्मा ने सोमवार को लंभुआ खंड विकास कार्यालय पहुंच कर पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के बाद खंड विकास अधिकारी ने औपचारिक परिचय प्राप्त करने के पश्चात कहा कि शासन की योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाया जाए यही हमारा पहला कर्तव्य है। शासन की नीतियों और योजनाओं से कोई लाभार्थी वंचित न रह जाए इस पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। जिससे कि लाभार्थियों को शत प्रतिशत लाभ दिलाया जा सके।

एक ही थाना क्षेत्र में दोनों विवाहितों के शव मिलने से क्षेत्र में मचा हड़कंप

अंबेडकर नगर। थाना इब्राहिमपुर क्षेत्र में अलग-अलग स्थान पर दोनों विवाहित युवतियों के शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी मची हुई है । एक ही दिन दोनों विवाहितों का शव मिलना क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। पहला मामला करमपुर बरसावा गांव का है जहां प्रति पत्नी आशुतोष पांडे का सॉन्ग फंदे से लटकता हुआ मिला ।वहीं दूसरा मामला बिलासपुर गांव का है जहां मनीषा पत्नी महेंद्र का फांसी के फंदे से लटकते हुए पाया गया ।परिजनों की सूचना पर ही पुलिस ने दोनों घटनास्थलों पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है ।दोनों घटनाओं के साक्ष्य इकट्ठा कर पुलिस घटना की विस्तृत जांच शुरू कर दी है ।पुलिस दोनों ही घटनाओं के सभी पहलुओं पर विस्तार से जांच कर रही है ।थाना अध्यक्ष ने जानकारी देते हुए बताया कि इन घटनाओं में किसी भी दोषी को बक्सा नहीं जाएगा। मामले का खुलासा शीघ्र ही किया जाएगा।

कलेक्ट्रेट पहुंचकर शिवपाल यादव ने की डीएम से मुलाकात

अम्बेडकर नगर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुलाकात किया। शिवपाल सिंह यादव ने जिला पंचायत राज अधिकारी समेत कई अधिकारियों तथा कई थानाध्यक्षों पर भी मतदाताओं एवं सपा कार्यकर्ताओं को धमकाने की शिकायत किया। उन्होंने जिलाधिकारी से निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव कराए जाने की मांग किया। उनके साथ अकबरपुर विधायक पूर्व कैबिनेट मंत्री राम अचल राजभर ,सांसद लालजी वर्मा, विधायक त्रिभवन दत्त समेत बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बोलेरो की टक्कर से घायल दुकानदार की मौत

जिगना (मिर्जापुर)। मिर्जापुर-प्रयागराज मार्ग पर टेवरा बाजार में सोमवार को शाम करीब पौने सात बजे बोलेरो की टक्कर से सब्जी विक्रेता विजयपुर के दीनूपुर बस्ती निवासी पप्पू सोनकर (45) गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें पीएचसी सरोई विजयपुर से ट्रॉमा सेंटर मिर्जापुर रेफर कर दिया गया। जहां डक्टर ने मृत घोषित कर दिया। उधर, बोलेरो चालक वाहन लेकर भाग गया। विंध्याचल थाने के विजयपुर गांव के दीनूपुर बस्ती निवासी पप्पू सोनकर (45) सोमवार को भटेवरा बाजार में सब्जी की दुकान लगाए थे। दुकान के पास शाम करीब पौने सात बजे पैदल जा रहे थे। उसी बीच मिर्जापुर की ओर से आ रहे तेज रफ्तार बोलेरो ने टक्कर मार दिया। इस हादसे में पप्पू सोनकर गंभीर रूप से घायल हो गए। बाजार के लोग उन्हें पीएचसी सर्रोई विजयपुर भेज दिया। जहां ड. पुनीत अग्रवाल ने ट्रमा सेंटर मिर्जापुर रेफर कर दिया। ट्रमा सेंटर पहुंचने पर डक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। विंध्याचल थानाध्यक्ष सीपी पांडेय ने बताया कि बोलेरो की टक्कर से घायल व्यक्ति की मौत हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

एसएसपी से की सिपाही की शिकायतः पीड़ित की पत्नी को प्रेमजाल में फंसाने का आरोप

मेरठ। सरूरपुर थाने में तैनात यूपी पुलिस के एक सिपाही ने पहले पत्नी को अपने प्रेम जाल में फंसा लिया। पति को मामले की जानकारी मिली और उसने आरोपी सिपाही का विरोध किया तो सिपाही ने महिला के पति को झूठे मुकदमे में फंसाने की साजिश रच डाली। पीड़ित सिपाही की शिकायत लेकर थाने पहुंचा तो उसे भगा दिया गया। पीड़ित पति मंगलवार को एसएसपी के दरबार में पहुंचा और कार्रवाई की मांग की। एसएसपी ने आरोपी सिपाही की जांच के आदेश दिए हैं। रजपुरा के रहने वाले बृजमोहन ने मंगलवार को एसएसपी ऑफिस पहुंचकर बताया कि सरूरपुर थाने में तैनात सिपाही विश्वजीत ने उसकी पत्नी को अपने प्रेम जाल में फंसा लिया। पीड़ित ने मंगलवार को एसएसपी ऑफिस पहुंचकर बताया कि आरोपी सिपाही और पत्नी के प्रेम के बारे में जब उसको जानकारी मिली तो उसने सिपाही का विरोध किया। इस दौरान सिपाही ने उसे झूठे मुकदमों में फंसाकर जेल भेजने की धमकी दे डाली। सिपाही द्वारा धमकी मिलने के बाद पीड़ित सिपाही की शिकायत लेकर थाने पहुंचा, जहां से उसे भगा दिया गया।

उद्यमियों की समस्याओं का प्राथमिकता पर किया जायेगा निस्तारण: डीएम

खरी कसौटी ब्यूरो

मेरठ। विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी दीपक मीणा की अध्यक्षता में जिला उद्योग बंधु समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में गत बैठक की कार्यवाही की पुष्टि एवं नये प्रस्तावों पर बिन्दुवार चर्चा करते हुये आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। उन्होने कहा कि उद्यमियों की समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता पर किया जायेगा। बैठक में कुल 21 बिन्दुओ पर चर्चा की गयी। बैठक का संचालन उपायुक्त उद्योग द्वारा किया गया।

बैठक में एजेण्डा के अनुसार उद्यमियों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। आईआईए द्वारा कुंडा गेट से बिग बाईट तक सडक में गड्डे, असमान सतह और अपर्याप्त जल निकासी की हालत से अवगत कराते हुये समस्या निस्तारण का अनुरोध किया गया, जिस पर नगर निगम के अधिकारी द्वारा बताया गया कि उक्त स्थान का सर्वे करा लिया गया है, शीघ्र ही ऐस्टीमेट बनाकर आगे की कार्यवाही की जायेगी। आईआईए द्वारा अवगत कराया गया कि गगोल रोड पर इन्दिरापुरम कालोनी के बाहर नाले निर्माण का ऐस्टीमेट तैयार किया गया था परन्तु कार्य अभी तक शुरू नहीं हुआ है, संबंधित अधिकारी द्वारा बताया गया कि एक हफ्ते में कार्य प्रारंभ करा दिया जायेगा। उद्यमी द्वारा अवगत कराया गया कि बिरला एयरकॉन ओल्ड देहली चुंगी के सामने आरआरटीएस द्वारा रैपिड रेल हेतु अंडरग्राउंड पिलरो का निर्माण कार्य कराया जा रहा है जिससे इकाई की बिल्डिंग में दरार आ रही है। इकाई स्वामी द्वारा इस कारण हो रही क्षति की क्षतिपूर्ति की मांग एवं इसके समाधान का अनुरोध किया गया जिस पर संबंधित अधिकारी द्वारा बताया गया कि भवन का निरीक्षण कर लिया गया है आगे की कार्यवाही अमल में लाई जायेगी। गगोल रोड स्थित सिम्पलैक्स इंजीनियर एंड ट्रेडर्स फैक्ट्री के सामने खराब नाले एवं जल भराव की स्थिति से अवगत कराते हुये नाला निर्माण की मांग की गई जिस पर संबंधित अधिकारी द्वारा बताया गया कि उक्त कार्य एक माह में पूर्ण करा दिया जायेगा। इस अवसर पर उपायुक्त उद्योग दीपेन्द्र कुमार सहित अन्य संबंधित विभागो के अधिकारी, मेरठ जनपद के औद्योगिक एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं अन्य उद्यमी उपस्थित रहे।

जमीनी रंजिश में दो पक्षों में खूनी संघर्षः एक पक्ष ने दूसरे पर किया कुल्हाड़ी से हमला

अमेठी। पूरे मतन कंजास गांव में मंगलवार सुबह जमीनी विवाद के चलते दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। इस दौरान एक पक्ष ने दूसरे पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। घटना में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत जगदीशपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां एक व्यक्ति की स्थिति गंभीर होने के कारण उसे ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। यह घटना भाले सुल्तान शहीद स्मारक थाना क्षेत्र में हुई, जहां विशेषर नाम के व्यक्ति का उसके पड़ोसी सुधराम से पुराना जमीनी विवाद चल रहा था। मंगलवार सुबह इसी रंजिश के चलते दोनों पक्षों के बीच झगड़ा हुआ। जानकारी के अनुसार, सुधराम ने अपने परिजनों के साथ मिलकर विशेषर के परिवार पर हमला किया। इस हमले में रेनू, राजभवन और विशेषर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें जगदीशपुर अस्पताल लाया गया, जहां विशेषर की गंभीर हालत को देखते हुए उसे लखनऊ रेफर किया गया। थाना अध्यक्ष तनुज पाल ने बताया कि रेनू की तहरीर पर चार नामजद आरोपियों सुधराम, राजकुमारी, प्रदीप और शशि के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई भारत रत्न लौह पुरुष सरदार पटेल जी की जयंती

खरी कसौटी ब्यूरो

पटेल छात्रावास निर्माण हेतु प्रमोद कुमार वर्मा ने दिए 51 हजार रुपये की आर्थिक सहायता

सुलतानपुर। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 149 वीं जयंती कुर्मी विकास परिषद के बैनर तले पांचोपीरन में स्थित पटेल छात्रावास में धूमधाम से मनाई गई मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद जिले के सुप्रसिद्ध मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ0 एसएम वर्मा ने जयंती कार्यक्रम की सराहना करते हुए छात्रावास के निर्माण हेतु 51 हजार रुपए आर्थिक सहायता देने की भी घोषणा की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सरदार पटेल केवल कुर्मी समाज के ही नहीं पूरे देश के मसीहा थे !जिन्होने पूरे देश को एक सूत्र में पिरो कर रखा था विशिष्ट अतिथि बस्ती विधायक राजेंद्र चौधरी, लंभुआ विधायक सीताराम वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष डा0आरए वर्मा, पूर्व विधायक अरुण वर्मा, सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता डा0ओमप्रकाश कटियार, वरिष्ठ नेत्र सर्जन डॉ0 जेआर वर्मा ने भी सभा को संबोधित किया कार्यक्रम की अध्यक्षता कुर्मी विकास परिषद के जिलाध्यक्ष राम अभिलाष वर्मा व संचालन महामंत्री ओम प्रकाश वर्मा ने किया। इस मौके पर अधिवक्ता व परिषद के उपाध्यक्ष अशोक कुमार वर्मा, वरिष्ठ सपा नेता जितेंद्र वर्मा (बाजीगर), युवा भाजपा नेता बृजेश वर्मा (जय भारत), विकास वर्मा, शीलभद्र सिंह पटेल, वरिष्ठ अधिवक्ता उदय राज वर्मा, अपना दल जिलाध्यक्ष राकेश वर्मा, अनिल वर्मा चंद्रिका, वर्मा प्रमोद कुमार वर्मा, शिक्षक सुरेंद्र कुमार वर्मा, बृजलाल वर्मा, विजय पटेल,राजेश वर्मा,श्याम बहादुर वर्मा दूबेपुर आदि मौजूद रहे।

जीएसटी पंजीकरण बढ़ाने के लिए किया जाएगा जागरुक: उपायुक्त

खरी कसौटी ब्यूरो

सुलतानपुर। उपायुक्त राज्य व्यापार कर खंड एक कार्यालय अध्यक्ष एलएस शरण ने जिले का कार्यभार ग्रहण किया। पत्रकारों से वार्ता करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की प्राथमिकता वाले कार्यक्रम जीएसटी रजिस्ट्रेशन को बढ़ाने के लिए व्यापारियों को जागरूक किया जाएगा और जीएसटी रजिस्ट्रेशन की गति को आगे बढ़ाया जाएगा शासन की नीतियों निर्देशों का अनुपालन करते हुए जो भी लक्ष्य मिलेगा उसकी पूर्ति की पूरी कोशिश की जाएगी। राजस्वृद्धि के लिए एक टीम भावना से एक साथ मिलकर कार्य किया जाएगा, मोबाइल टीम अपना कार्य कर रही है, जो व्यापारी जीएसटी नहीं दे रहे हैं उनका गहन परीक्षण कर उचित कार्यवाही सुनिश्चित कराई जाएगी।

जनपद को पुनः जीएसटी कलेक्शन में प्रथम स्थान पर लाने का पूरा प्रयास करते हुए व्यापारियों को हर संभव सुविधा प्रदान कराई जाएगी इसके साथ ही सरकार की तरफ से दुर्घटना बीमा योजना में 10 लख रुपए का सहयोग भी दिया जा रहा है। जीएसटी के पंजीकरण के लिए प्रार्थना पत्र मिलने पर त्वरित गति से मौके का निरीक्षण कर कार्यवाही की जायेगी।

घर में बने रसगुल्ले खाने से चार लोग बीमार, एक्सपायरी पाउडर देने का आरोप

हलिया (मिर्जापुर)। एक ही परिवार के चार लोगों के बीमार होने की सूचना पर क्षेत्र में हड़कंप मच गया। रसगुल्ला बनाने वाला पाउडर एक्सपायर हो गया था, जिसे खाने से सभी लोगों को उल्टी शुरूहो गई थी। डक्टरों ने इलाज कर सभी को घर भेज दिया। स्थानीय थाना क्षेत्र के सिकटा गांव में घर में बने सीमा पाउडर के रसगुल्ले को खाने से एक ही परिवार के चार लोग उल्टी दस्त के बाद अचेत हो गए। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची एम्बुलेंस से बीमार लोगों को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर लाया गया। यहां प्रभारी चिकित्साधिकारी द्वारा उपचार किया जा रहा है। उपचार के बाद हालत में सुधार हुआ है। सीमा पाउडर ड्रमण्डगंज के एक दुकान से खरीदा गया था। सीमा पाउडर एक्सपायर होने से सभी लोगों की हालत खराब हुई है। थाना क्षेत्र के सिकटा गांव निवासी चमेला देवी (62) पत्नी चंद्रशेखर पाण्डेय, विनीता (40) पत्नी रविंद्र, पायल (16) व हर्ष (14) की घर में सीमा पाउडर से बने रसगुल्ला खाने से रात्रि में तबियत खराब होने लगी। उल्टी-दस्त के बाद सभी बीमार होकर अचेत हो गए। परिजनों की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे एम्बुलेंस कर्मियों ने सभी लोगों को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया में भर्ती कराया, जहां प्रभारी चिकित्सा अधिकारी अवधेश कुमार ने घायलों का उपचार शुरू किया। उपचार के बाद बीमार लोगों की हालत में सुधार होने पर सुबह डिस्चार्ज कर दिया गया है।

संतों के बयान के समर्थन में उतरे मौनी महाराज

खरी कसौटी ब्यूरो

अमेठी। प्रयागराज के सगरा पीठाधीश्वर मौनी महाराज ने एक बार फिर धर्म के प्रति अपनी आवाज उठाई है। उन्होंने महाकुंभ 2025 से पहले एक वीडियो जारी कर संतों के बयान का समर्थन करते हुए मांग की है कि गैर सनातनियों का महाकुंभ में प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित किया जाए। उनका यह बयान खासा विवादास्पद बन गया है। मौनी महाराज ने कहा कि गैर सनातनियों का महाकुंभ में प्रवेश पूरी तरीके से प्रतिबंधित होना चाहिए। ये लोग हमारे धर्म के खिलाफ अपशब्द प्रयोग करते हैं और धर्म का अपमान करते हैं। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब महाकुंभ की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। उन्होंने कहा कि अगर मक्का केवल मुसलमानों का है, तो प्रयागराज केवल सनातनियों का होना चाहिए। मौनी महाराज ने यह भी सुझाव दिया कि सरकार को चाहिए कि वहां की व्यवस्था केवल सनातनियों के लिए की जाए। प्रयागराज में हर व्यक्ति हिंदू होना चाहिए, जो मां गंगा और राम को मानता हो। इस बीच, अखाड़ा परिषद के बयान का भी मौनी महाराज ने समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि गैर सनातनियों का वहां आना अनावश्यक है, क्योंकि वे हमारे धार्मिक स्थलों का अपमान करते हैं। अमेठी पहुंचे प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने कहा- सभी धर्म के लोगों ने मिलकर सरकार बनाई है और सरकार बिना भेदभाव के सबके लिए काम कर रही है। इसलिए प्रयागराज महाकुंभ में सभी धर्म के लोगों को छूट है। अभी हाल ही में संतों ने प्रयागराज के महाकुंभ में गैर सनातनियों के प्रवेश पर रोक लगाने की मांग की थी। कहा- संतों के बयान से इत्तेफाक नहीं रखते हैं।

चुनावी तैयारियों में सबसे महत्वपूर्ण कार्यकर्ता पन्ना प्रमुखः धर्मपाल

खरी कसौटी ब्यूरो

अंबेडकर नगर। कटेहरी उप चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं का भाजपा प्रत्याशी धर्म राज निषाद के समर्थन में मतदाताओं से सम्पर्क अभियान लगातार जारी है। भाजपा कार्यकर्ता सर्व समाज के परिवारों में जा कर सरकारी योजनाओं का बखान करते हुए भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील कर रहे हैं। भाजपा संगठन की बैठकों भी चुनाव प्रचार के साथ साथ जारी है।

मंगलवार को कटेहरी बाजार स्थित राम देव जनता इण्टर कालेज में पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ मिथिलेश त्रिपाठी के संयोजन में सैकड़ों भाजपा के शक्ति केंद्र और बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं की आयोजित सम्मेलन को मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि चुनावी तैयारियों में सबसे महत्व पूर्ण कार्यकर्ता पन्ना प्रमुख होता है। पन्ना प्रमुखों के ऊपर उनके पन्ने में अंकित मतदाताओं की मतों को सहेजना और भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करवाने की बड़ी जिम्मेदारी होती है। कहा कि बूथ पर पड़ने वाले मतों की निगरानी कर मत डलवाना बूथ स्तर पर निवास करने वाले कनिष्ठ और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं सहित हम सभी की जिम्मेदारी है।बूथ की मतों में से सर्वाधिक मत भाजपा को मिले इसकी योजना रचना बना कर कार्य किया जाना चाहिए। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष विधान सभा प्रभारी धर्मेंद्र सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि एक मतदाता भाजपा के लिए देव तुल्य है जिसके आशिर्वाद से भाजपा प्रत्याशी जीत हासिल करेगा। भाजपा प्रत्याशी की जीत कटेहरी विधान क्षेत्र के विकास की द्वार खोलेगी। भाजपा प्रत्याशी धर्म राज निषाद की जीत होने पर भाजपा सरकार कटेहरी विधान सभा क्षेत्र को मॉडल विधान सभा क्षेत्र के रूप में विकसित करेगी।

भाजपा प्रत्याशी धर्म राज निषाद ने कहा कि कटेहरी विधान सभा क्षेत्र के जनता की समस्या का समाधान करने के लिए हम कृत संकल्पित हैं। उन्होंने कहा कि हम जैसे गरीब के बेटे को जिस प्रकार से भाजपा ने अपना प्रत्याशी बनाया है उसी तरह से कटेहरी की सम्मानित जनता अपना आशिर्वाद दे कर विजय श्री दिलाने का काम करेगी।कहा कि सपा बसपा की सरकारों ने कटेहरी विधान सभा क्षेत्र के विकास की पहिया को रोका था। भाजपा सरकार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विकास की द्वार खोल कर विकास कर रही है। सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष त्रयंबक तिवारी ने मुख्य अतिथि सहित उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं का स्वागत और आभार व्यक्त करते हुए सम्मेलन के समापन की घोषणा किया। सम्मेलन को जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह,आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु, जिला प्रभारी मंत्री गिरीश चंद्र यादव,भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय राय, क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्र,विधान परिषद सदस्य डाक्टर हरि ओम पाण्डेय,पूर्व सांसद रितेश पाण्डेय, जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा,पूर्व जिलाध्यक्ष कपिल देव वर्मा,राम प्रकाश यादव,यमुना प्रसाद चतुर्वेदी,रमा शंकर सिंह, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सुधीर सिंह मिंटू, पूर्व विधायक अनीता कमल,अयोध्या हनुमान गढ़ी महंत राजू दास,सोशल मीडिया सह संयोजक मनोज त्रिवेदी आदि ने संबोधित किया।

होटल मालिक मुकुल सैनी ने एसएसपी से की निष्पक्ष जांच की मांग, झूठे आरोपों का खंडन किया

खरी कसौटी ब्यूरो

मेरठ के मंगल पांडे नगर स्थित तेजस होटल के मालिक मुकुल सैनी ने मंगलवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डॉ. विपिन ताडा से मुलाकात की और उन पर लगाए गए झूठे आरोपों को खारिज करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की।

मुकुल सैनी ने बताया कि उनके होटल तेजस को गैंगस्टर अमित मरिंडाके नाम से जोड़ा जा रहा है। जिसका अमित मरिंडा और उसके गैंग से कोई वास्ता नहीं है। मेरे बेटे का नाम तेजस है। जिसके बेहव पर होटल का नाम भी तेजस रखा गया है। कुछ लोग होटल के नाम और मुझे गैंगस्टर अमित मरिंडा से जोड़ने का आरोप लगाकर शिकायत पत्र दे रहे हैं। जो सरासर निराधार और गलत है। ऐसे लोगों पर जांच कर कार्रवाई की जानी चाहिए। मुकुल सैनी का कहना है कि पिछले कुछ समय से उनके होटल को लेकर कई बेबुनियाद आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि कुछ लोग उनके प्रतिष्ठान को बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं। इस संदर्भ में उन्होंने बताया कि नौचंदी पुलिस और मेडिकल पुलिस द्वारा उन्हें एक झूठे मामले में फंसाकर जेल भेजा गया था, जबकि गोलीकांड की घटना के समय वह अपने होटल तेजस में मौजूद थे। इस बात का प्रमाण सीसीटीवी कैमरों में भी रिकॉर्ड है। मुकुल सैनी का कहना है कि उन्हें जानबूझकर फंसाने की कोशिश की जा रही है, जिससे उनका व्यवसाय और प्रतिष्ठा प्रभावित हो रही है। उन्होंने एसएसपी से आग्रह किया कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाए ताकि सच्चाई सामने आ सके। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. विपिन ताडा ने सैनी को निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया है, जिससे मुकुल सैनी को न्याय की उम्मीद जगी है।

संक्षिप्त खबरें

आरसीसी रोड में पड़ रही दरार, करोड़ों का हुआ भ्रष्टाचार

अम्बेडकरनगर। योगी सरकार जहां भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने की कोशिश कर रही है वहीं जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी सरकार को बदनाम करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। इस भ्रष्टाचार की गंगोत्री में ठेकेदार अधिकारियों सहित कुछ जनप्रतिनिधियों का भी पूरा सहयोग रहता है। सरकार ने धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार व सौंदर्यीकरण के लिए वंदन योजना बनाई है। इसी योजना के अंतर्गत ज्यादातर धार्मिक स्थलों का सौंदरीकरण एवं जीणोद्धार कराया जाता है। उसमें भी जिम्मेदार लोग अपना हितलाभ तलाश लेते हैं। जिसके बाद जिम्मेदार अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों द्वारा अपने चहेतों को काम कराने का ठेका दे दिया जाता है और यहीं से खेल शुरू हो जाता है। नगर पालिका परिषद अकबरपुर द्वारा भी बंदन योजना अंतर्गत अयोध्या रोड पर स्थित सुप्रसिद्ध ब्रह्मस्थान धार्मिक स्थल शिवबाबा में हो रहे सौंदर्यीकरण का हाल भी कुछ ऐसा ही है। जिसमें करोड़ों रुपए की लागत से बनाए जा रहे आरसीसी रोड में भी भ्रष्टाचार का दीमक लग गया। भ्रष्टाचार का दीमक कुछ इस तरह लगा कि रोड बनते देर नहीं हुई कि जगह जगह दरारें दिखाई देने लगी। जबकि रोड बनाने के 15 दिन बाद तक उस पर सभी प्रकार के छोटे बड़े वाहन मोटरसाइकिल इत्यादि का ही नहीं बल्कि पैदल आवागमन भी पूर्णतया बंद था और रास्ते पर कई ट्रॉली मिट्टी गिराकर रास्ते को बंद करके रखा गया था। लगातार आरसीसी रोड को पानी का तरावट भी दिया गया उसके बाद भी और रोड में दरारें पड़ गई। जानकारों का कहना है कि आरसीसी रोड बनाए जाने में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है। फिलहाल उक्त कार्य की विशेषज्ञों द्वारा जांच कराए जाने के उपरांत ही दूध का दूध और पानी का पानी सब हो जाएगा साफ।उक्त मामले में फोन पर वार्ता में अधिशाषी अधिकारी श्रीमती बीना सिंह ने बताया कि जांच करवाकर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। जहां गड़बड़ी होगी उसे सुधार करवा दिया जाएगा।

प्रेक्षक ने मतदान केंद्रों का भ्रमणकर सुविधाओं का लिया जायजा

अंबेडकर नगर। 277- कटेहरी विधानसभा उप निर्वाचन को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराए जाने की दृष्टिगत मा0 भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य प्रेक्षक वी0पी0 गौतम ने कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित ईवीएम वेयरहाउस के समीप किए जा रहे ईवीएम मशीनों के कमीशनिंग कार्यों का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को माननीय निर्वाचन आयोग के निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन करते हुए ईवीएम कमिशिनंग की समस्त प्रक्रियाओं को करने के निर्देश दिए। इसके उपरांत प्रेक्षक द्वारा विधानसभा कटेहरी के विभिन्न मतदान केंद्रों का भ्रमणकर मतदान हेतु उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं का जायजा लिया गया। प्रेक्षक महोदय द्वारा उच्च प्राथमिक विद्यालय सेमरा घाट, उच्च प्राथमिक विद्यालय कटेहरी, प्राथमिक विद्यालय कटेहरी(मॉडल बूथ), प्राथमिक विद्यालय कटेहरी (प्रथम) इंग्लिश मीडियम, कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय अहिरौली के समस्त बूथों का निरीक्षण कर वहां पर मतदान संबंधित उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं के स्थिति का अवलोकन किया तथा उपस्थित बूथ लेवल अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान प्रेक्षक द्वारा स्थानीय लोगों एवं मतदाताओं से संवाद स्थापित कर उन्हें मतदान हेतु प्रेरित भी किया गया तथा मतदान केंद्रों पर मतदाताओं हेतु उनके अपेक्षित सुविधाओं एवं आवश्यकताओं को जाना और माननीय निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार समस्त बूथों पर मतदाताओं को अपेक्षा के अनुरूप बेहतर से बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु आश्वस्त किया।

विकास भवन में लगे निषाद पार्टी जिंदाबाद के नारेः मंत्री संजय निषाद की मौजूदगी में नेताओं और कार्यकर्ता हुए उत्साहित

अमेठी। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद एक दिवसीय दौरे पर अमेठी पहुंचे, जहां उनका स्वागत कुछ इस अंदाज में किया गया कि विकास भवन का सभागार पार्टी कार्यालय की तरह गूंज उठा। मंत्री की मौजूदगी में सैकड़ों निषाद पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जोश से नारे लगाए, जो अब चर्चा का विषय बन गए हैं। मंत्री संजय निषाद ने कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के साथ विभागीय समीक्षा बैठक की। इसके बाद जब वह विकास भवन सभागार पहुंचे, तो वहां की हवा जैसे पूरी तरह से बदल गई। सभा में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने जोर-शोर से नारे लगाना शुरू कर दिया, ''निषाद चाहिए, निषाद चाहिए!''। मंत्री जी ने भी इस माहौल का आनंद लिया और कहा कि विधानसभा, विधान परिषद और लोकसभा में उनकी पार्टी की आवश्यकता है।विकास भवन के इस नारेबाजी के दृश्य का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। कार्यकर्ताओं के उत्साह ने यह साबित कर दिया है कि निषाद पार्टी में एकजुटता और जोश किस हद तक है। मंत्री संजय निषाद के इस दौरे के दौरान कार्यकर्ताओं का यह प्रदर्शन अमेठी में राजनीतिक हलचल को और तेज कर सकता है। अब सबकी नजरें इस बात पर होंगी कि क्या निषाद पार्टी अपनी मांगों को पूरा करवा पाएगी या फिर यह महज एक राजनीतिक शो की तरह रह जाएगा।

गणेश लक्ष्मी पूजा पंडाल पर जागरण का आयोजनः भक्ति धुनों पर रात भर झूमे भक्त, सुबह चार बजे तक चला कार्यक्रम

अमेठी। अमेठी के मुसाफिरखाना के निजामुद्दीनपुर चौराहे पर गणेश लक्ष्मी पंडाल में मां अम्बे म्यूजिकल जागरण ग्रुप द्वारा भव्य जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कलाकारों ने विविध प्रकार की झांकियों का मनमोहक प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ जेडी ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट के प्रबंधक और समाजसेवी अभिषेक प्रताप सिंह ने फीता काटकर किया। मुख्य अतिथि का स्वागत युवा साथियों द्वारा चुनरी व स्मृति चिह्न भेंटकर किया गया। रात भर चले इस जागरण में भक्ति गीतों ने उपस्थित दर्शकों को भावविभोर कर दिया। इस मौके पर अभिषेक प्रताप सिंह ने कहा कि भक्ति भाव में रहने से मन को तसल्ली मिलती है और जीवन का मार्गदर्शन होता है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से समाज में सामाजिक समरसता का भाव बढ़ता है, जो राष्ट्र की एकता में सहायक होता है। कार्यक्रम की शुरुआत गायक आशीष सोनी सरस द्वारा गणेश वंदना से हुई। भजन गायकों ने ''प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी'' और ''मैया हमरो पर कृपा बनाए रखना'' जैसे लोकप्रिय भजनों से दर्शकों का दिल जीत लिया। जागरण के दौरान प्रसाद वितरण के साथ-साथ गायन और झांकियों का प्रस्तुतिकरण देर रात तक चलता रहा। कार्यक्रम से जुड़े मोहित गुप्ता ने बताया कि सभी युवाओं के सहयोग से ही यह सफल आयोजन संभव हो सका। आखिर में सभी अतिथियों को कार्यकर्ताओं ने अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस भव्य कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शिवकुमार सिंह, हनुमान जायसवाल, राजू ओझा, अतुल सिंह, सर्वेश सिंह, रवि तिवारी, राहुल शर्मा समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इजरायल के चलते मिस्र को क्यों सुननी पड़ी?

ईरान के महान राजा डेरियस ने कराया था स्वेज नहर का निर्माण

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान के एक महान राजा डेरियस का एक शिलालेख है, जिस पर लिखा है-मैं फारसी हूं, फारस से निकलकर मैंने मिस्र पर विजय प्राप्त की। मैंने इस नहर को नील नदी से लेकर फारस के समुद्र तक खोदने का आदेश दिया जो मिस्र में बहती है। यह नहर वैसी ही खोदी गई जैसा कि मैंने आदेश दिया था। इससे जहाज मिस्र से इस नहर के माध्यम से फारस तक गए।

जानते हैं इसी स्वेज नहर की वह कहानी, जिसका कनेक्शन भारत, तुर्की, इजरायल और ईरान से भी है। दरअसल, यह कहानी इसलिए भी बतानी जरूरी है कि हाल ही में ईरान से तनातनी के बीच इजरायल के युद्धपोत इसी स्वेज नहर से होकर गुजरे हैं। इसे लेकर मिस्र को काफी आलोचना का सामना करना पड़ा है। बेहिस्तून शिलालेख में कहा गया है कि डेरियस प्रथम ने ईरान के राजा गौमता की हत्या करने के बाद सत्ता पर कब्जा कर लिया। इसके बाद उसने गृहयुद्ध लड़ा। आखिरकार वह अखमनी साम्राज्य को फिर से स्थापित कर पाया। यही वही डेरियस था, जिसने कई विदेशी युद्ध लड़े, जो उसे भारत और तुर्की तक ले आए थे। डेरियस के समय में फारस यानी ईरान का साम्राज्य अपने सबसे बड़े विस्तार पर पहुंच चुका था।

डेरियस प्रथम भारत पर आक्रमण करने वाला पहला फारसी राजा था। उसने 516 ईसा पूर्व में भारत के उत्तर-पश्चिमी भाग पर आक्रमण किया था। उस वक्त डेरियस प्रथम ने भारत के पंजाब, सिंध, झेलम नदी घाटी के कुछ हिस्से और गांधार पर कब्जा कर लिया था। हालांकि, नहर बनाने का काम इन युद्धों के बाद कब किया गया था, इस बारे में जानकारी स्पष्ट नहीं मिलती है। ईरान में एक स्मारक है, जिसे चालौफ स्टेल के नाम से जाना जाता है। इसमें एक नहर के निर्माण से संबंधित लेख है, जिसके बारे में कहा गया है कि यह नील नदी और लाल सागर को जोड़ती थी। मिस्र छोड़ने वाले यहूदियों ने एक नहर बनाई थी। इसी नहर को डेरियस ने बहाल किया था, जो नील नदी, लाल सागर और फारस की खाड़ी के बीच कारोबारी रास्ता था।

कभी इजरायली यानी यहूदी लोग मिस्र में गुलाम थे। अत्याचारों से तंग आकर यहूदियों ने मिस्र छोड़ दिया, जिसके बाद उन सभी ने अपने लिए एक पवित्र देश बनाने का संकल्प लिया था। प्राचीन काल में बनी इस नहर के आधार पर ही आधुनिक स्वेज नहर की नींव रखी गई। 193.30 किलोमीटर लंबी स्वेज नहर मिस्र में कृत्रिम समुद्रस्तरीय जल मार्ग है। यह नहर स्वेज के इस्तमुस से होकर अफ्रीका और एशिया को बांटते हुए भूमध्य सागर को लाल सागर से जोड़ती है। 1858 में फ्रांसीसी इंजीनियर और राजनयिक फर्डिनांड डी लेसेप्स ने नए सिरे से नहर बनाने के लिए स्वेज नहर कंपनी बनाई। तब नहर का निर्माण तुर्की सरकार ने 1859 से 1869 तक कराया। 17 नवंबर, 1869 को यह नहर खोल दी गई। 1866 में इस नहर के पार होने में 36 घंटे लगते थे। मगर, आज इसे पार करने में 18 घंटे से कम वक्त लगता है। फिलहाल यह नहर अभी मिस्र के नियंत्रण में है। इस नहर का प्रबंध पहले स्वेज कैनाल कंपनी करती थी, जिसके आधे शेयर फ्रांस और आधे शेयर तुर्की, मिस्र और अन्य अरब देशों के थे। बाद में मिस्र और तुर्की के शेयरों को ब्रिटेन ने खरीद लिया। 1888 में एक समझौता हुआ कि इस नहर पर किसी एक राष्ट्र की सेना नहीं रहेगी। मगर, ब्रिटेन ने वादाखिलाफी करते हुए इस नहर पर अपनी सेनाएं बैठा दीं। 1947 में जब भारत आजाद हो रहा था, तब यह तय हुआ कि कंपनी के साथ 99 वर्ष का पट्टा रद्द हो जाने पर इसका स्वामित्व मिस्र सरकार के हाथ आ जाएगा। 1951 में मिस्र में ग्रेट ब्रिटेन के विरुद्ध आंदोलन छिड़ा और आखिर में 1954 में एक करार हुआ। इसके अनुसार ब्रिटेन नहर से अपनी सेना हटा ली।

अंतराष्ट्रीय पहले 'हनुमान' जयशंकर फिर खुद पीएम मोदी, दी कनाडा को कड़ी नसीहत

कनाडा ने पार की लक्ष्मण रेखा, मिलेगा करारा जवाब

खरी कसौटी ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत के मोस्ट वॉन्टेड आतंकियों के सुरक्षित पनाहगाह के तौर पर उभरे कनाडा में दंगाइयों ने हिंदू मंदिरों को निशाना बनाया है। श्रद्धालुओं पर हमले किए हैं। भारतीय राजनयिकों पर हमले की कोशिश की है। जस्टिन ट्रूडो की सरकार भारतीय राजनयिकों की निगरानी कर रही है।

सरकार उनकी जासूसी कर रही है। कनाडाई आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद ट्रूडो ने भारत पर बेतुके आरोप लगाए। तब से दोनों देशों के रिश्ते गर्त में पहुंच चुके हैं। अब हिंदू मंदिरों पर ट्रूडो सरकार के पाले गुंडों और दंगाइयों के हमले ने लक्ष्मण रेखा पार कर दी है। तभी तो ट्रूडो के बेसिर पैर के बेतुके आरोपों के बाद भी संयम बरतने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बार कनाडाई सरकार को 'न्याय सुनिश्चित' करने और 'कानून का शासन' स्थापित करने की नसीहत दी है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी मंदिरों पर हमले को 'बेहद चिंताजनक' करार दिया है। विदेश मंत्री ने ये भी कहा है कि कनाडा ने बिना किसी सबूत के आरोप लगाने का एक पैटर्न विकसित कर लिया है। पीएम मोदी का बयान बताता है कि भारत के सब्र का बांध अब टूट चुका है और उन्होंने संकेत दे दिया है कि कनाडा को अब उसी की भाषा में जवाब दिया जाएगा। हिंदू मंदिरों पर हमले की निंदा करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को कहा, 'कनाडा में हिंदू मंदिर पर जो हुआ वह बेहद चिंताजनक है।' उन्होंने ये बात ऑस्ट्रेलिया की राजधानी कैनबरा में कही।

इससे पहले सोमवार को पीएम मोदी ने कनाडा में हिंदू मंदिरों पर जानबूझकर किए गए हमले और भारतीय राजनयिकों को डराने की कायराना कोशिशों पर बहुत ही तल्ख भाषा में जस्टिन ट्रूडो सरकार को नसीहत दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'कनाडा में हिंदू मंदिर पर हुए जानबूझकर किए गए हमले की मैं कड़ी निंदा करता हूं। हमारे राजनयिकों को डराने की कायराना कोशिशें भी उतनी ही निंदनीय हैं। हिंसा के ऐसे कृत्य भारत के संकल्प को कमजोर नहीं कर सकते। हम कनाडा सरकार से न्याय सुनिश्चित करने और कानून का राज कायम करने की उम्मीद करते हैं। इससे पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कनाडा में भारतीय राजनयिकों की निगरानी पर उसे चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि कनाडा ने बिना सबूत दिए आरोप लगाने का एक पैटर्न विकसित कर लिया है। जयशंकर ने कहा, 'भारतीय राजनयिकों पर निगरानी रखी जा रही है जो अस्वीकार्य है। कनाडा में चरमपंथी ताकतों को राजनीतिक जगह दी जा रही है। ऐसा लगता है जैसे जस्टिन ट्रूडो सरकार बिना किसी शर्म-हया के खुलकर आतंकियों के साथ खड़ी है, तभी तो कनाडाई पुलिस भी दंगाइयों को नियंत्रित करने के बजाय पीड़ित हिंदुओं पर बल प्रयोग करती दिखी। एक हिंदू लड़के को पुलिस इस अंदाज में गिरफ्तार करती दिखी जैसे 2020 में अमेरिका के मिनियापोलिस में जॉर्ज फ्लायड नाम के एक अश्वेत को पुलिस ने जमीन पर गिराकर गर्दन दबाया था। फ्लायड की दम घुटने से मौत हो गई थी और दुनियाभर में उस कांड के बाद अमेरिका की किरकिरी हुई थी। लेकिन जस्टिन ट्रूडो सरकार और उनकी पुलिस बेशर्मी की सारी सीमाएं पार कर चुकी हैं। ब्रैम्पटन में हिंदू मंदिर पर हमला करने वाले दंगाइयों की भीड़ में कनाडा पुलिस का एक ऑफ ड्यूटी अफसर भी शामिल था। दबाव के बाद उसे सिर्फ ससपेंड करके कार्रवाई का दिखावा किया गया।

महाराष्ट्रः नाम वापसी समयसीमा खत्म होने के बाद जुबानी जंग तेज

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के लिए नाम वापसी की समय सीमा खत्म होने के बाद अब नेताओं के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता और पूर्व मंत्री नवाब मलिक ने समाजवादी पार्टी के नेताओं को निशाने पर लिया है। नवाब मलिक ने आरोप लगाया है कि उन्हें मुंबई कीमानखुर्द-शिवाजी नगर विधानसभा क्षेत्र चुनाव लड़ने पर रोकने की कोशिश की गई थी। मलिक ने मंगलवार को कहा कि समाजवादी पार्टी के नेता मुझे चुनाव लड़ने से रोकने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे थे। मलिक ने कहा लेकिन मुझे टिकट मिल गया। मलिक ने कहा कि वह यह चुनाव बदलाव के लिए लड़ रहे हैं। यह चुनाव नशे के खिलाफ, गुंडागर्दी के खिलाफ, एक मजबूत स्वास्थ्य सेवा प्रणाली बनाने के लिए और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की स्थापना के लिए है। नवाब मलिक ने कहा, क्योंकि लोग बदलाव चाहते हैं। शिवाजी नगर सीट पर समाजवादी पार्टी के दिग्गज नेता अबू आसिम आजमी से मुकाबला है। अबू आजमी इस सीट से जीत की हैट्रिक लगा चुके हैं। पूरे महाराष्ट्र में मानखुर्द शिवाजी नगर को सपा का गढ़ माना जाता है। 2019 में सपा को महाराष्ट्र में सिर्फ दो सीटों पर जीत हासिल हुई थी। इससे पहले नवाब मलिक ने एक वीडियो साझा करके लोगों से अपील की थी कि वे अपने बच्चों को सपा से दूर रखें। मलिक ने एक्स पर साझा किए वीडियो को गोवंडी का बताया था। मलिक ने लिखा था कि सावधान! जनहित में जारी, अपने बच्चों को सपा से दूर रखें! सपा कार्यालय बना नशे का अड्डा! नवाब मलिक पिछली बार अणुशक्ति नगर से जीते थे। इस सीट से उनकी बेटी सना मलिक शेख लड़ रही हैं। वह भी अजित पवार की पार्टी की प्रत्याशी हैं। यहां पर उनका मुकाबला अभिनेत्री स्वरा भास्कर के पति फहाद अहमद से है। अजित पवार की पार्टी से चुनाव लड़ रहे नवाब मलिक का बीजेपी ने प्रचार नहीं करने का ऐलान किया है।

भारत की सहायता से श्रीलंका के अस्पताल में निर्मित सर्जिकल यूनिट का उद्घाटन

कोलंबो। श्रीलंका में बट्टिकलोआ टीचिंग हॉस्पिटल में भारतीय अनुदान सहायता के तहत निर्मित सर्जिकल यूनिट का सोमवार को उद्घाटन किया गया। श्रीलंका के पूर्वी प्रांत के प्रमुख सरकारी अस्पताल में निर्मित इस सर्जिकल यूनिट का लाभ लाखों लोगों तक पहुंचेगा। कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग ने एक बयान में कहा श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त संतोष झा और श्रीलंका के स्वास्थ्य मंत्रालय के सचिव डॉ. पालीथा गुणरत्न महिपाल ने 4 नवंबर को बट्टिकलोआ टीचिंग अस्पताल में नवनिर्मित सर्जिकल यूनिट का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। वार्डों में भर्ती मरीजों और बढ़ती सर्जरी आवश्यकताओं के कारण 2015 के आसपास अस्पताल में एक नए सर्जिकल वार्ड की जरूरत महसूस की गई थी।

बयान में कहा गया श्रीलंका सरकार के अनुरोध पर भारत सरकार ने नई सर्जिकल यूनिट के निर्माण के लिए सहायता देने पर सहमति व्यक्त की। परियोजना के लिए भारत से 275 मिलियन श्रीलंकाई रुपये की अनुदान सहायता के लिए फरवरी 2016 में एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए थे। इसके बाद भारत सरकार ने अतिरिक्त धनराशि प्रदान की, जिससे परियोजना के लिए भारत की कुल प्रतिबद्धता 302 मिलियन रुपये हो गई।

उच्चायोग ने बताया कि इस परियोजना के दायरे में 1464 वर्ग मीटर के अनुमानित कुल फ्लोर एरिया के साथ दो मंजिला इमारत का निर्माण शामिल है, जिसमें चार अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर और 10 आईसीयू बेड भी हैं। इसमें आईटी वर्क और मैकेनिकल वर्क के साथ ही विद्युत, जलापूर्ति और जल निकासी प्रणाली जैसे आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर भी शामिल हैं। हालांकि देश में कोविड19 महामारी और आर्थिक कठिनाइयों ने परियोजना के दौरान कुछ चुनौतियां पेश कीं, मगर भारत अपनी 'पड़ोसी प्रथम' नीति पर दृढ़ता से बना रहा और भारत ने अस्पताल के अधिकारियों के अनुरोध पर इस प्रोजेक्ट में कई अतिरिक्त कार्यों को भी मंजूरी दी और उन्हें क्रियान्वित किया।

इसके उद्घाटन समारोह में स्वास्थ्य मंत्रालय के सचिव डॉ. महिपाल ने इस परियोजना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भारत सरकार और भारतीय लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

(रिपोर्ट. शाश्वत तिवारी)

हिमालयी क्षेत्रों में भी कहर बरपाने लगा डेंगू

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में जलवायु परिवर्तन और मौसम के उतार-चढ़ाव ने आम इंसान के स्वास्थ्य पर भी प्रभाव डालना शुरू कर दिया है। लोगों को हिमालयी क्षेत्रों में भी मलेरिया अपनी गिरफ्त में ले रहा है। पूरे भारत में डेंगू के बढ़ते मामले भी इसी का ही नतीजा हैं। स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन पर आठवें लैंसेट काउंटडाउन के अनुसार, 122 विशेषज्ञों की ओर से विकसित, इन बीमारियों के प्रसार से बेहतर जलवायु-सम्मिलित पूर्वानुमान, मजबूत स्वास्थ्य सेवा ढांचे और बढ़ी हुई सामुदायिक जागरूकता की मांग बढ़ रही है।

इससे पता चलता है कि भारत को अपनी स्वास्थ्य और जलवायु नीतियों को पुनर्जीवित करने की जरूरत है। वित्तीय निवेश को प्राथमिकता देने और जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न होने वाले लगातार बढ़ते खतरों से अपनी आबादी की रक्षा के लिए, एक मजबूत अनुकूली प्रतिक्रिया बनाने के लिए तत्काल कार्रवाई करने की आवश्यकता है। ताजा लैंसेट रिपोर्ट ने खुलासा करते हुए बताया कि - दुनिया भर के लोग रिकॉर्ड तोड़ जलवायु परिवर्तन से होने वाले खतरों से जूझ रहे हैं। चौंकाने वाले आंकड़ों से पता चला है कि स्वास्थ्य जोखिमों पर नजर रखने वाले 15 संकेतकों में से 10 ने 2023 में नए रिकॉर्ड बनाए हैं। इसके अलावा, 50 दिन ऐसे थे जिनमें तापमान मानव स्वास्थ्य के लिए संभावित रूप से हानिकारक स्तर तक पहुंच गया था। 2023 में, दुनिया अभूतपूर्व जलवायु चुनौतियों से जूझती रही। पिछला साल सबसे गर्म वर्ष के रूप में चिन्हित किया गया था। वैश्विक तापमान में निरंतर वृद्धि ने गंभीर सूखे, घातक लू और विनाशकारी जंगल की आग, तूफान और बाढ़ को गति दी है। हीट-संबंधित मौतों में वृद्धि हुई है, विशेष रूप से 65 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में, 1990 के दशक की तुलना में 167 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई। व्यक्तियों को औसतन 1,512 घंटे हाई तापमान का भी सामना करना पड़ा, 1990 की तुलना में 27.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके परिणामस्वरूप 512 बिलियन संभावित श्रम घंटों का नुकसान हुआ और वैश्विक आय में अनुमानित 835 बिलियन का नुकसान हुआ, जिसका प्रभाव कम- और मध्यम-आय वाले देशों पर काफी अधिक पड़ा। 2014 और 2023 के बीच, वैश्विक भूमि क्षेत्र के 61% में अत्यधिक वर्षा की घटनाओं में वृद्धि हुई, जिससे बाढ़ और बीमारियों के जोखिम बढ़ गए। तापमान में वृद्धि ने डेंगू जैसे मच्छर के काटने पर होने वाले रोगों में भी तेजी देखी गई है। बदलती जलवायु ऐसे वातावरण बना रहा है जो डेंगू, मलेरिया, वेस्ट नाइल वायरस और विब्रियोसिस जैसे संक्रामक रोगों के संचरण के लिए तेजी से अनुकूल हो रहे हैं, यहां तक कि उन क्षेत्रों में भी जहां पहले इन बीमारियों का पता नहीं था। 2023 में, वैश्विक भूमि क्षेत्र का रिकॉर्ड उच्च 48 प्रतिशत ने कम से कम एक महीने के लिए गंभीर सूखे का अनुभव किया, जो 1951 के बाद से दूसरा उच्चतम स्तर है। इससे फसल उत्पादन, पानी की आपूर्ति और खाद्य सुरक्षा प्रभावित हुई है। 1981 से 2010 तक सूखे और लू की घटनाओं के बढ़ने से 2022 में 124 देशों में अतिरिक्त 151 मिलियन लोगों के मध्यम या गंभीर असुरक्षा से पीड़ित होने से जोड़ा गया है।

यूपी के सीएम योगी महाराष्ट्र चुनाव में खिलाएंगे गुल

लखनऊ। महाराष्ट्र चुनाव प्रचार अब जोर पकड़ने लगा है और कांग्रेस, बीजेपी समेत सभी दलों के स्टार प्रचारकों के दौरे शुरू हो गए हैं। अगले 13 दिनों तक बड़े नेता महाराष्ट्र में तूफानी दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महाराष्ट्र में 11 रैलियां करेंगे। आठ नवंबर से पीएम मोदी की जनसभा की शुरुआत होगी। 6 नवंबर को राहुल गांधी भी आरएसएस के गढ़ नागपुर से चुनाव प्रचार की शुरुआत करेंगे। 18 नवम्बर की शाम को चुनाव प्रचार का शोर थम जाएगा।

उससे पहले यूपी के मुख्यमंत्री और बीजेपी के ट्रंप कार्ड साबित हो चुके योगी आदित्य नाथ मुंबई समेत पूरे महाराष्ट्र में 15 चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगे। वह पीएम मोदी से अधिक जनसभाओं में शिरकत करेंगे। एक्सपर्ट मानते हैं कि महाराष्ट्र में योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी और 'बंटेंगे तो कटेंगे' वाले नारे का असर भी महाराष्ट्र चुनाव में दिखेगा। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में योगी आदित्यनाथ का करिश्मा नजर आया। जम्मू-कश्मीर में योगी आदित्यनाथ का स्ट्राइक रेट 90 फीसदी और हरियाणा में करीब 65

फीसदी रहा। जम्मू में योगी ने पांच विधानसभा क्षेत्रों में चुनावी रैलियां कीं, जिनमें से चार पर बीजेपी को जीत मिली। बीजेपी किश्तवाड़ और कठुआ जैसे मुस्लिम बाहुल्य सीट पर जीतने में सफल रही।

किश्तवाड़ में पहली बार बीजेपी की शगुन परिहार ने कमल खिलाया। हरियाणा में भी योगी आदित्यनाथ ने 20 विधानसभा क्षेत्रों में प्रचार किया, जिनमें से 13 पर बीजेपी को जीत मिली। यह जीत कांटे के मुकाबले में बीजेपी को तीसरी बार हरियाणा की सत्ता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण साबित हुई। सीएम योगी ने हरियाणा में असंध से चुनावी रैली की शुरुआत की थी। इस सीट से ही राहुल गांधी प्रचार में उतरे थे। असंध में बीजेपी को जीत मिली। हरियाणा चुनाव में ही योगी आदित्यनाथ ने 'बंटेंगे तो कटेंगे' के चुनावी नारे को लॉन्च किया। इस नारे ने ग्राउंड पर इस कदर कमाल किया कि बीजेपी ने एंटी इन्कंबेंसी और कांग्रेस के नैरेटिव को धवस्त कर दिया। यह नारा इनके जुबान पर इस कदर चढ़ा कि गैर चुनावी राज्यों में भी बीजेपी समर्थक इसे आजमाने लगे। लोकप्रियता का आलम यह है कि कनाडा में हमले के बाद हिंदू समुदाय ने अपने प्रदर्शन में 'बंटेंगे तो कटेंगे' के नारे लगाए।

एक्सपर्ट मानते हैं कि चुनाव में एमवीए के लिए मुस्लिम वोटरों की एकजुटता का जवाब इस नैरेटिव से दिया जा सकता है। इससे पहले के चुनाव में बाबा का बुलडोजर भी काफी लोकप्रिय और प्रभावी साबित हुआ था। चुनाव प्रचार के दौरान योगी आदित्यनाथ अपने भाषण की शुरुआत महिला विकास, किसान और विकास जैसे मुद्दों से करते हैं। 'युवाओं के हाथ में तमंचा नहीं टेबलेट होना चाहिए', यह उनकी पसंदीदा लाइनों में से एक है। आतंक की बात होती है तो पाकिस्तान की चर्चा लाजिमी है। पाकिस्तान और आतंकवाद के साथ ही वह अपना संदेश साफ कर देते हैं।

न्यू नोएडा में निर्माण पर लगी रोक, सैटेलाइट सर्वे शुरू

नोएडा, एजेंसी। न्यू नोएडा में अवैध निर्माण रोकने के लिए नोएडा अथॉरिटी ने निर्माण कार्यों पर रोक लगा दी है। साथ ही सैटेलाइट सर्वे शुरू करा दिया गया है। इस शहर को चार चरण में बसाया जाएगा। काम में तेजी के लिए न्यू नोएडा एरिया में ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे (केजीपी) के पास नया दफ्तर बनाया जाएगा।

अतिरिक्त स्टाफ की मांग भी शासन से की जाएगी। नए शहर का पहला फेज तीन साल में विकसित करने का टारगेट रखा गया है। इस संबंध में नोएडा अथॉरिटी के सीईओ लोकेश एम ने अधिकारियों के साथ सोमवार को बैठक की। बैठक में सीईओ लोकेश एम ने कहा कि न्यू नोएडा एरिया में निर्माण कार्यों पर रोक लगा दी गई है। रोक 18 अक्टूबर से मान्य होगी। 18 अक्टूबर के बाद जो भी निर्माण हुए हैं ये होंगे वे सभी अवैध माने जाएंगे। इसी दिन इस एरिया का मास्टरप्लान 2041 पास किया गया है।

सीईओ ने इस बारे में लोगों को जागरूक करने के निर्देश अथॉरिटी अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि अवैध निर्माण करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। अवैध निर्माणों को तोड़ा जाएगा। बैठक में अधिकारियों ने सीईओ को जानकारी दी कि न्यू नोएडा एरिया में 18 अक्टूबर के सैटेलाइट फोटो खरीदने शुरू कर दिए हैं। क्षेत्र के एरियल फोटो कराने का काम भी शुरू कर दिया गया है। इससे पता चलेगा कि 18 अक्टूबर तक कहां-कहां कितना निर्माण है। इसके बाद जो नए निर्माण होंगे उनके बारे में सैटेलाइट इमेज से पता चल जाएगा। जमीन खरीदने के दौरान एरिया पर निर्माण की स्थिति के लिए 18 अक्टूबर 2024 की सैटेलाइट इमेज से मिलान करा लिया जाएगा। अगर बाद में निर्माण हुआ है तो उसे अवैध करार दिया जाएगा और उसे अधिग्रहण से मुक्त नहीं किया जाएगा। साथ ही निर्माण का खर्च भी नहीं दिया जाएगा। अवैध निर्माण तोड़ने का खर्च भी इसे करने वालों से ही वसूला जाएगा।

सीईओ ने निर्देश दिया कि नए शहर को बसाने के लिए कार्रवाई तेज की जाए। इसके लिए ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे (केजीपी) के किनारे दादरी एरिया में अस्थायी दफ्तर बनाया जाए। इसमें कुछ अधिकारियों को नियमित रूप से बैठकर काम करना होगा। अस्थायी दफ्तर में शुरुआत में लैंड और सिविल डिपार्टमेंट के अधिकारी व कर्मचारी बैठकर काम करेंगे।

पराशर संहिता के अनुसार हनुमान को सूर्यदेव से विद्या ग्रहण करने के लिए विवाह करना पड़ा था

सूर्यदेव सृष्टि की मर्यादा नहीं तोड़ सकते थे इसलिए हनुमान जी को करना पड़ा विवाह

कलियुग से जुड़े इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए हनुमान जी को करना पड़ा था विवाह, भारत की जगह पर बना है बजरंगबली और उनकी पत्नी का मंदिर

हनुमान जी के परिवार के बारे में जब भी बात की जाती है, तो उनके पिता केसरी और माता अंजनी के अलावा उनके पुत्र मकरध्वज का नाम भी लिया जाता है। रामायण की कथा के अनुसार मकरध्वज का जन्म हनुमान जी के पसीने से उस समय हुआ था, जब वे नदी में स्नान कर रहे थे। हनुमान जी को पुत्र होने के बाद भी ब्रह्मचारी माना जाता है क्योंकि मकरध्वज का जन्म हनुमान जी के किसी स्त्री के योग से नहीं हुआ था। पराशर संहिता में हनुमान जी के विवाह की एक कथा मिलती है। इस कथा के अनुसार कुछ विशेष परिस्थितियों में हनुमान जी को विवाह करना पड़ा था। आइए, जानते हैं हनुमान जी के विवाह की कथा।

हनुमान जी ने भगवान सूर्य को अपना गुरु बनाया था और उनसे शिक्षा ले रहे थे लेकिन इस दौरान एक समस्या आ गई। वास्तव में सूर्यदेव हनुमान जी को 9 में से केवल 5 तरह की विद्या ही सिखा पाए क्योंकि बाकी 4 विद्या केवल विवाहित को सिखाई जा सकती थी। सूर्यदेव के लिए मर्यादा नहीं तोड़ सकते थे। सूर्यदेव के सामने एक बड़ा धर्मसंकट आ खड़ा हुआ। ऐसे में कोई मार्ग न निकलता देखकर सूर्यदेव ने हनुमान जी को विवाह करने की सलाह दी। सूर्यदेव की बात सुनकर हनुमान जी के सामने भी एक धर्मसंकट था क्योंकि आजीवन ब्रह्मचारी रहने की प्रतिज्ञा करने वाले हनुमान जी विवाह नहीं करना चाहते थे।

सूर्य देव ने हनुमान जी को 9 में से 5 विद्याओं का ही ज्ञान दिया, लेकिन 4 विद्याओं को प्राप्त करने के लिए हनुमानजी का विवाहित होना आवश्यक था। इससे हनुमान जी को विद्याओं का ज्ञान प्राप्त करने के लिए संकट आ गया। हनुमान जी ने सूर्यदेव से शिक्षा लेने के लिए एक वचन दिया था, लेकिन शर्त ये थी कि उन्हें विवाहित होना होगा। हनुमान जी ने अपने गुरु की बात तो मान ली लेकिन उन्होंने इसी के साथ यह शर्त भी रखी कि वे विद्या ग्रहण करने के लिए विवाह कर लेंगे लेकिन पति-पत्नी जैसा कोई सम्बध नहीं रखेंगे। सूर्यदेव ने हनुमान जी की बात मानते हुए अपनी पुत्री सुवर्चला से उन्हें विवाह करने के लिए कहा। सूर्यदेव की बात मानकर हनुमान जी ने विवाह के लिए स्वीकृति दे दी।

इस तरह सूर्यदेव की तेजस्वी और तपस्वी पुत्री सुवर्चला के साथ हनुमान जी का विवाह हुआ। इस विवाह के बाद हनुमान जी ने अपनी शिक्षा पूरी की और सुवर्चला अपनी तपस्या में लीन हो गईं। पराशर संहिता में भी इस बात का उल्लेख है कि हनुमान जी और सुवर्चला का विवाह सिर्फ ब्रह्मांड के कल्याण के लिए हुआ था। इससे हनुमान जी का ब्रह्मचर्य भी प्रभावित नहीं हुआ। हनुमान जी को चिरंजीवी होने का वरदान प्राप्त है इसलिए संपूर्ण विद्या प्राप्त करके उन्हें कलियुग में भगवान कल्कि का साथ देने के लिए विवाह करना पड़ा क्योंकि विवाह के बिना उन्हें सूर्यदेव संपूर्ण विद्या प्राप्त नहीं हो सकती थी। कलियुग में धर्म की रक्षा करने के लिए हनुमान जी को संपूर्ण ज्ञान और विद्या की आवश्यकता थी। आपने हनुमान जी के कई प्राचीन मंदिर देखे होंगे। इन मंदिरों में हनुमान जी अकेले या फिर प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण और सीता जी चरणों में बैठे हुए हैं लेकिन तेलंगाना में एक ऐसा मंदिर है, जहां पर हनुमान जी अपनी पत्नी के साथ विराजमान हैं। तेलंगाना के खम्मम जिले में एक अद्भुत मंदिर है जहां हनुमान जी अपनी पत्नी के साथ विराजमान हैं। यह मंदिर अपनी तरह का एकमात्र मंदिर बताया जाता है और यहां दूर-दूर से श्रद्धालु आते हैं। मान्यता है कि यहां हनुमान जी और उनकी पत्नी के दर्शन करने से पति-पत्नी के बीच के सभी क्लेश दूर हो जाते हैं।